{ विश्वास वही रफ्तार नई }

बालाघाट
शुक्रवार 21 नवम्बर 2025
मार्गशीर्ष शुक्ल 01 विक्रम सम्वत 2082
वर्ष 16, अंक 59
पृष्ठ 12
मूल्य ₹ 7.00

पद्मेश मीडिया समूह का प्रकाशन

बालाघाट एक्सप्रेस

हिन्दी दैनिक

सेंसेक्स	-	85,632.68
निफ्टी	-	26,192.15
सोना	-	1,24,260
चांदी	-	1,65,000
डॉलर	-	88.65

/padmeshmedia /padmeshmedia epaper.balaghatexpress.in E-mail: balaghatexpress@gmail.com

खास खबर

हेल्थ इंश्योरेंस सस्ता होगा, बढ़ते प्रीमियम पर रोक लगेगी

नई दिल्ली। हेल्थ इंश्योरेंस के प्रीमियम में हर साल बड़ी बढ़ोतरी से राहत मिल सकती है। इसके लिए सरकार कई प्रस्ताव लेकर आई है। इसमें एजेंट कमीशन 20 प्रतिशत तक सीमित करना और अस्पतालों में इलाज के पैकेज रेट पर अंकुश लगाना शामिल है। फिलहाल ये प्रस्ताव बीमा नियामक आईआरडीएआई को भेजे गए हैं, जिन पर फैसला होना बाकी है। वित्त मंत्रालय ने बीमा कंपनियों के सीईओ, बड़े अस्पतालों के मालिकों और आईआरडीएआई के अधिकारियों के साथ बैठक की थी। इसमें वित्त मंत्रालय की तरफ से हेल्थ इंश्योरेंस के प्रीमियम में हर साल मनमानी बढ़ोतरी पर नाराजगी जताई गई। कहा गया कि भारत में मेडिकल इन्फ्लेशन (महंगाई) 11.5 प्रतिशत तक पहुंच रही है, जो दुनिया में सबसे ज्यादा है। यह सही नहीं है, इससे निजात के लिए सरकार कुछ कदम उठाने जा रही है।

रॉबर्ट वाड्रा के खिलाफ मनी लॉन्ड्रिंग केस में चार्जशीट

नई दिल्ली। इन्फोर्समेंट डायरेक्टोरेट ने कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा के बिजनेसमैन पति रॉबर्ट वाड्रा के खिलाफ मनी लॉन्ड्रिंग केस में चार्जशीट दाखिल की है। यह मामला ब्रिटेन के आर्म्स डीलर संजय भंडारी से जुड़ा है। चार्जशीट दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट में दाखिल की गई है। पीएमएलए के तहत वाड्रा का बयान जुलाई में दर्ज किया गया था। केस भंडारी और उसके परिवार के सदस्यों के साथ वाड्रा के वित्तीय संबंधों से जुड़ा है। भंडारी 2016 में दिल्ली में इनकम टैक्स की छापेमारी के तुरंत बाद लंदन भाग गया था। दिल्ली की एक अदालत ने 63 साल के संजय भंडारी को भगोड़ा आर्थिक अपराधी घोषित किया है।

अभी जेल में ही रहेंगे अनंत सिंह

पटना। दुलारचंद यादव हत्याकांड मामले में पटना सिविल कोर्ट ने अनंत सिंह की जमानत याचिका खारिज कर दी है। यानी अभी वो जेल में ही रहेंगे। याचिका में अनंत सिंह ने खुद को इस मामले में निर्दोष बताया और कहा कि इस केस से मेरा कोई संबंध नहीं है। वकील कुमार हर्षवर्धन ने बताया, एमपी-एमएलए कोर्ट ने मामले की गंभीरता को देखते हुए याचिका खारिज की है। फिलहाल पुलिस की ओर से चार्जशीट दाखिल नहीं की गई है। हमलोग पटना हाइकोर्ट की ओर मूव करेंगे। एविडेंस और एफआईआर में कई लूपहोल हैं। याचिका में अनंत सिंह ने खुद को राजनीतिक प्रतिशोध का शिकार बताया और कहा कि इस मामले में हम निर्दोष हैं। मेरा इसमें कोई प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष संबंध नहीं है।

नीतीश कुमार 10वीं बार बने मुख्यमंत्री

26 मंत्रियों ने भी शपथ ली; इनमें भाजपा के 14, जदयू के 8, चिराग के 2 मंत्री; एक मुस्लिम चेहरा

नवनिर्वाचित नीतीश सरकार में कुल 26 मंत्रियों ने ली शपथ, ना राजनीतिक पार्टियों ना मतदाताओं ने किया परिवारवाद से परहेज

पटना। नीतीश कुमार ने 10वीं बार बिहार में मुख्यमंत्री पद की शपथ ली। गांधी मैदान में हुए भव्य समारोह में पीएम नरेंद्र मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा समेत कई बड़े भाजपा नेता मौजूद रहे। डिप्टी सीएम के रूप में सम्राट चौधरी और विजय कुमार सिन्हा ने शपथ ली। वहीं 26 मंत्रियों ने भी शपथ ली। जिनमें 14 भाजपा कोटे से, 8 जदयू से, लोजपा(आर) से 2 हम और कुशवाहा की पार्टी से 1-1 को मंत्री बनाया गया है। इस मंत्रिमंडल में एक मुस्लिम चेहरा शामिल है। जदयू ने जमा खान को फिर मंत्री बनाया है।

शपथ के बाद पीएम मोदी ने मंच से गमछा हिलाकर लोगों का अभिवादन किया। हरियाणा, असम, गुजरात, मेघालय, यूपी, नगालैंड, ओडिशा, दिल्ली, एमपी और राजस्थान के मुख्यमंत्री भी शामिल हुए हैं। मंच पर चिराग पासवान ने मांझी और जेपी नड्डा के पैर छूकर आशीर्वाद लिया।

नीतीश कैबिनेट में 13 नए चेहरों को मौका

नीतीश कैबिनेट में इस बार नए चेहरों को मौका दिया गया है। रामकृपाल यादव, श्रेयसी सिंह को मंत्रिमंडल में शामिल किया गया है। चिराग की पार्टी से 2 विधायकों को मंत्री बनाया गया है। इसमें संजय सिंह भी शामिल हैं। संजय सिंह महुआ से चुनाव जीते हैं। उन्होंने लालू यादव के बेटे तेजप्रताप को मात दी थी।

नीतीश कुमार 10वीं बार बिहार के मुख्यमंत्री बन गए हैं। नीतीश कुमार के साथ 26 मंत्रियों ने पद और गोपनीयता की शपथ ली है। सम्राट चौधरी और विजय कुमार सिन्हा के साथ कैबिनेट में कास्ट फैक्टर का भी पूरा ध्यान रखा गया है - और, बिहार सरकार का नया मंत्रिमंडल परिवारवाद का भी बेहतरीन नमूना बना है। पूरे हम्माम में देखें तो नीतीश कुमार ने खुद को परिवारवाद के साये से बिल्कुल अलग रखा है। बिहार चुनाव से पहले उनके बेटे निशांत कुमार के राजनीति में आने की भी खासी चर्चा हुई थी। जेडीयू नेताओं के साथ साथ एनडीए पार्टनर जीतनराम मांझी भी निशांत कुमार को राजनीति में लाए जाने की वकालत कर रहे थे, लेकिन नीतीश कुमार ने बेटे को राजनीति से दूर ही रखा है।

बिहार में नवनिर्वाचित नीतीश सरकार में शपथ लेने वालों में राष्ट्रीय लोक मोर्चा के कोटे से दीपक प्रकाश मंत्री बने हैं। वो अभी किसी भी सदन के सदस्य नहीं हैं, यानी वो न तो विधानसभा और न ही विधान परिषद के सदस्य हैं। 37 वर्षीय दीपक प्रकाश ने एमआईटी, मणिपाल से कंप्यूटर साइंस में बीटेक (2011) पूरा किया। पढ़ाई पूरी करने के बाद दीपक ने साल 2011 से 2013 तक सॉफ्टवेयर इंजीनियर के रूप में कार्य किया। दीपक प्रकाश पूर्व केंद्रीय मंत्री उपेंद्र कुशवाहा के बेटे हैं। उपेंद्र कुशवाहा वर्तमान में राज्यसभा सांसद हैं, वहीं उनकी पत्नी स्नेहलता कुशवाहा हाल ही में संपन्न हुए विधानसभा चुनाव में सासाराम से जीतकर विधायक बनीं हैं। यानी की पिता सांसद-मां विधायक के बाद अब बेटे दीपक प्रकाश अब नीतीश सरकार में मंत्री बन गए हैं। अब आगामी 6 महीने के भीतर दीपक प्रकाश को विधानसभा या विधान परिषद में से एक की सदस्यता लेनी होगी। बिहार चुनाव में एनडीए के चुनकर आए 29 विधायक ऐसे हैं जिनकी पृष्ठभूमि परिवारवाद की राजनीति की ही है। और, इनमें 11 विधायक भाजपा, और 11 ही विधायक जेडीयू के भी हैं - अब नीतीश कुमार की कैबिनेट भी तो इन्हीं विधायकों से बननी थी, बनी भी है।

एनडीए में परिवारवाद के नमूने

बिहार चुनाव में एनडीए के परिवारवाद की बात करें, तो हिंदुस्तानी अवाम मोर्चा के प्रमुख और केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी टॉपर बने हैं। एनडीए में मांझी को 6 सीटें मिली थीं। मांझी ने परिवार के लोगों और रिश्तेदारों को ही टिकट दिया था। नतीजे आने पर मालूम हुआ कि मांझी की बहू, समधन और दामाद सभी विधायक बन गए हैं। उपेंद्र कुशवाहा को भी एनडीए में 6 सीटें मिली थीं। उपेंद्र कुशवाहा की पत्नी स्नेहलता सासाराम सीट से विधायक बन चुकी हैं। उपेंद्र कुशवाहा ने नीतीश सरकार में मंत्री रहे संतोष सिंह के भाई आलोक कुमार सिंह को दिनारा विधानसभा सीट से टिकट दिया था, वो चुनाव तो जीत गए लेकिन उनको मंत्री नहीं बनाया गया है। सम्राट चौधरी, नीतीश मिश्रा और श्रेयसी सिंह जैसे बड़े चेहरे भी परिवारवाद की ही राजनीति से आए हैं, और भाजपा के ऐसे 11 विधायक चुने गए हैं।

नीतीश कैबिनेट में परिवारवाद की मिसाल

राष्ट्रीय लोक मोर्चा नेता उपेंद्र कुशवाहा ने पत्नी स्नेहलता को विधानसभा चुनाव का टिकट देकर काफी चर्चा बटोर ली थी, शायद इसीलिए अपने कोटे से मंत्री बनाने की बात आई तो बेटे को आगे कर दिया। लिहाजा राष्ट्रीय लोक मोर्चा कोटे से दीपक प्रकाश को मंत्री पद की शपथ दिला दी गई है। अभी वो विधायक नहीं हैं, इसलिए माना जा रहा है कि उनको विधान परिषद के जरिए सदस्यता दिलाई जाएगी। बांकीपुर विधानसभा सीट से भाजपा के टिकट पर विधायक चुने गए नितिन नबीन भी बिहार सरकार में मंत्री पद की शपथ ले चुके हैं। ध्यान देने वाली बात ये है कि नितिन नबीन पुराने भाजपाई नवीन किशोर प्रसाद सिन्हा के बेटे हैं - और अब परिवारवाद की राजनीति के जरिए सरकार का हिस्सा बन गए हैं। भाजपा विधायक श्रेयसी सिंह को भी नीतीश कुमार ने अपने मंत्रिमंडल में शामिल किया है। श्रेयसी सिंह पूर्व केंद्रीय मंत्री दिग्विजय सिंह की बेटी हैं। श्रेयसी सिंह जमुई से विधायक हैं। बिहार चुनाव से पहले ही मुजफ्फरपुर के सांसद रहे अजय निषाद ने भाजपा में घर वापसी की थी, और फिर उनकी पत्नी रमा निषाद को भाजपा का टिकट भी मिल गया। चुनाव जीतकर विधायक बन गईं, और अब बिहार सरकार में मंत्री भी बन गई हैं। रमा निषाद औराई से विधायक बनी हैं। केंद्रीय मंत्री जीतनराम मांझी ने सारे ही टिकट परिवार के लोगों और रिश्तेदारों को दिए थे, लेकिन मंत्री बेटे को बनवाया है। जीतन राम मांझी के बेटे संतोष कुमार सुमन फिर से नीतीश कुमार के कैबिनेट साथी बन गए हैं।

अल-फलाह के 200 डॉक्टर-स्टाफ दिल्ली ब्लास्ट में जांच के रडार पर

नई दिल्ली। दिल्ली के लाल किला के पास हुए कार बम धमाके की जांच अब अल-फलाह यूनिवर्सिटी (फरीदाबाद) को पूरी तरह अपने घेरे में ले लिया है। बताया जा रहा है कि अब यूनिवर्सिटी के 200 से ज्यादा डॉक्टर, लेक्चरर और स्टाफ जांच एजेंसियों के रडार पर हैं। उधर, व्हाइट कॉलर आतंकी मॉड्यूल के खुलासे के बाद एजेंसी ने त्रस्त में डॉक्टरों-स्टाफ के लॉकरों की जांच शुरू कर दी है।

सूत्रों के मुताबिक विश्वविद्यालय के 200 से ज्यादा डॉक्टर, लेक्चरर और स्टाफ जांच एजेंसियों के रडार पर हैं। हॉस्टल और बाहर रहने वाले छात्रों के कमरों की तलाशी ली जा रही है। अब तक 1000 से ज्यादा लोगों से पूछताछ की जा चुकी है। जांच एजेंसियां ये पता लगा रही हैं कि ब्लास्ट के बाद कितने लोग यूनिवर्सिटी छोड़कर गए और उनकी पहचान क्या है। कई लोगों ने अपने मोबाइल फोन का डेटा डिलीट कर दिया है, जिसकी भी गहन जांच होगी। विश्वविद्यालय सूत्रों का कहना है कि वे छुट्टी लेकर अपने घर लौट रहे हैं। वहीं, बुधवार को कई कर्मचारी अपना सामान गाड़ियों में भरकर यूनिवर्सिटी गेट से निकलते हुए देखा गया है।

राष्ट्रपति और राज्यपाल की बिल मंजूरी की डेडलाइन तय करने वाली याचिकाओं पर सुप्रीम कोर्ट बोला..

अदालत बिल मंजूरी की टाइमलाइन तय नहीं कर सकती

-बिल मंजूर करें, लौटाएं या राष्ट्रपति को भेजें; डेडलाइन नहीं, लेकिन देरी पर दखल देंगे

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को राष्ट्रपति और राज्यपाल की बिल मंजूरी की डेडलाइन तय करने वाली याचिकाओं पर फैसला सुनाया। कोर्ट ने कहा हम ऐसे नहीं लगता कि गवर्नरों के पास विधानसभाओं से पास बिलों (विधेयकों) पर रोक लगाने की पूरी पावर है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि गवर्नर्स के पास 3 ऑप्शन हैं। या तो मंजूरी दें या बिलों को दोबारा विचार के लिए भेजें या उन्हें प्रेसिडेंट के पास भेजें। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि बिलों की मंजूरी के लिए कोई समय सीमा तय नहीं की जा सकती। अगर देरी होगी तो हम दखल दे सकते हैं।

यह मामला तमिलनाडु गवर्नर और राज्य सरकार के बीच हुए विवाद से उठा था। जहां गवर्नर ने राज्य सरकार के बिल रोककर रखे थे।

सुप्रीम कोर्ट ने 8 अप्रैल को आदेश दिया कि राज्यपाल के पास कोई वीटो पावर नहीं है। इसी फैसले में कहा था कि राज्यपाल की ओर से भेजे गए बिल पर राष्ट्रपति को 3 महीने के भीतर फैसला लेना होगा। यह ऑर्डर 11 अप्रैल को सामने आया था। इसके बाद राष्ट्रपति ने मामले में सुप्रीम कोर्ट से राय मांगी और 14 सवाल पूछे थे। इस मामले में 8 महीने से सुनवाई चल रही थी।

समयसीमा तय नहीं की जा सकती

सुप्रीम कोर्ट की 5 सदस्यीय संविधान पीठ ने सर्वसम्मति से कहा कि राज्य विधानसभाओं द्वारा पारित विधेयकों को स्वीकृति देने के लिए राज्यपाल और राष्ट्रपति के लिए कोई समय-सीमा निर्धारित नहीं की जा सकती। न्यायपालिका भी ऐसे मामलों में अनुमानित स्वीकृति (डीम्ड असेंट) नहीं दे सकती। डीम्ड असेंट को आसान भाषा में कहा जाए तो अगर राज्यपाल और राष्ट्रपति के पास कोई बिल मंजूरी के लिए गया है, और वे समय पर जवाब नहीं देते, तो कानून यह मान लेता है कि मंजूरी दे दी गई है। यानी, बिना बोले भी हां मान ली जाती है।

अनिल अंबानी की 1,400 करोड़ की प्रॉपर्टीज जब्त

-अब तक कुल 9,000 करोड़ रुपए की प्रॉपर्टी अटैच, मनी लॉन्ड्रिंग मामले में कार्रवाई

मुंबई। प्रवर्तन निदेशालय ने अनिल अंबानी के रिलायंस ग्रुप की प्रॉपर्टीज को एक बार फिर अटैच किया है। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार रिलायंस ग्रुप के चेयरमैन अनिल अंबानी और उनकी कंपनियों से जुड़ी मनी लॉन्ड्रिंग जांच के तहत करोड़ों रुपए के नए एसेट्स अटैच किए हैं। इनकी कीमत करीब 1,400 करोड़ रुपए है। ये प्रॉपर्टीज नवी मुंबई, चेन्नई, पुणे और भुवनेश्वर में अटैच की गई हैं। इस कार्रवाई के साथ रिलायंस ग्रुप से संबंधित संपत्तियों की कुल कुर्की बढ़कर लगभग 9,000 करोड़ रुपए हो गई है।

रिलायंस होम फाइनेंस और रिलायंस कॉमर्शियल फाइनेंस में बड़े पैमाने पर फंड्स का गलत इस्तेमाल से जुड़े मामले में ये संपत्तियां कुर्क की गई हैं। इससे पहले ईडी ने 3 नवंबर को फंड डायवर्जन मामले में अनिल अंबानी के रिलायंस ग्रुप से जुड़ी 132 एकड़ जमीन को अटैच किया था। यह जमीन धीरूभाई अंबानी नॉलेज सिटी नवी मुंबई में है, जिसकी वैल्यू 4,462.81 करोड़ रुपए है। इसके अलावा ग्रुप से जुड़ी 40 से ज्यादा प्रॉपर्टीज को भी अटैच किया था।

ममता बनर्जी ने एसआईआर प्रक्रिया को जबरदस्ती थोपने वाली और खतरनाक बताया

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की सीएम ममता बनर्जी ने गुरुवार को राज्य में चल रही स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन (एसआईआर) प्रक्रिया को रोकने की मांग करते हुए मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को लेटर लिखा। उन्होंने एसआईआर प्रक्रिया को जबरदस्ती थोपने वाली और खतरनाक बताया है।

उन्होंने कहा कि प्रक्रिया में बहुत गड़बड़ियां हैं। ममता ने चुनाव आयोग पर आरोप लगाया कि बिना पर्याप्त ट्रेनिंग, गाइडलाइन और तैयारी के एसआईआर प्रक्रिया को जबरदस्ती थोपने वाली और खतरनाक बताया को लागू किया जा रहा है, जिससे बीएलओ और लोगों दोनों पर दबाव बन रहा है।

उन्होंने दावा किया कि कई बीएलओ टीचर, फ्रंटलाइन वर्कर और दूसरे नियमित कर्मचारी हैं, जिन्हें एक साथ घर-घर सर्वे और ऑनलाइन फॉर्म भरने जैसे काम भी करने पड़ रहे हैं। उन्होंने इसे इंसानी क्षमता से ज्यादा का दबाव बताया।

इधर, पश्चिम बंगाल में भारत-बांग्लादेश बॉर्डर पर तैनात बीएसएफ ने दावा किया है कि राज्य में एसआईआर प्रक्रिया के बाद से बॉर्डर पार करने की कोशिश करने वाले अवैध बांग्लादेशी नागरिकों की संख्या तेजी से बढ़ गई है। रोज 150 से ज्यादा अवैध बांग्लादेशी लौट रहे हैं।

मैंने 16 बजट पेश किए हैं और अब 17वां बजट पेश करूंगा - सिद्धरमैया

बेंगलुरु। कर्नाटक के मुख्यमंत्री पद पर बने रहने का संकेत देते हुए सिद्धरमैया ने कहा कि वह अगले साल अपना रिकॉर्ड 17वां बजट पेश करेंगे। मुख्यमंत्री के साथ ही वित्त विभाग की भी जिम्मेदारी संभाल रहे सिद्धरमैया ने मार्च में अपना 16वां बजट पेश किया था। सिद्धरमैया ने कहा, "जब मैं पहली बार वित्त मंत्री बना था, तो एक अखबार ने लिखा था - यह सिद्धरमैया सौ भेड़ें भी नहीं गिन सकता, वह कर्नाटक के वित्त मंत्री के रूप में कैसे काम करेगा - मैंने इसे एक चुनौती के रूप में स्वीकार किया। मैंने 16 बजट पेश किए हैं और अब 17वां बजट पेश करूंगा। अगले साल मार्च में 2026-27 का बजट प्रस्तुत किये जाने की संभावना है और इसकी तैयारियां शुरू हो गई हैं। सिद्धरमैया की यह टिप्पणी राज्य में संभावित नेतृत्व परिवर्तन की अटकलों के बीच आई है।

अब ईडी के सभी समन क्यूआर कोड के साथ जारी किए जाएंगे

नई दिल्ली। देश में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के समन के नाम पर होने वाली धोखाधड़ी को रोकने के लिए, सरकार ने बड़ा कदम उठाया है। अब ईडी के सभी समन क्यूआर कोड के साथ जारी किए जाएंगे, जिससे आसानी से इसकी पुष्टि हो सकेगी कि यह असली है या नहीं। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के ऑफिस की ओर से जारी किए गए बयान में कहा गया कि कई मामलों में जाली समन ईडी के असली समन के जैसे लगते हैं। इस कारण से कई बार असली-नकली में अंतर करना काफी कठिन हो सकता है।

कुछ ना कहना

सुप्रीम कोर्ट से राहुल गांधी को राहत

-ट्रायल कोर्ट की कार्यवाही पर 4 दिसंबर तक रोक बढ़ाई

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने कांग्रेस सांसद और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी के खिलाफ चल रहे उस मामले में राहत जारी रखी है, जिसमें उन पर 2022 की भारत जोड़ो यात्रा के दौरान सेना पर कथित अपमानजनक टिप्पणी करने का आरोप है। अदालत ने गुरुवार को ट्रायल कोर्ट की कार्यवाही पर लगी अंतरिम रोक 4 दिसंबर तक बढ़ा दी। दो जजों की पीठ, जस्टिस एम.एम. सुंदरेश और जस्टिस सतीश चंद्र शर्मा, ने यह फैसला लिया। इस मामले की सुनवाई टलने का कारण एक स्थगन पत्र बताया गया है। यह मामला राहुल गांधी की उस याचिका से जुड़ा है, जिसमें उन्होंने इलाहाबाद हाई कोर्ट के 29 मई वाले आदेश को चुनौती दी थी। हाई कोर्ट ने राहुल गांधी की वह अर्जी खारिज कर दी थी जिसमें उन्होंने लखनऊ की ट्रायल कोर्ट की तरफ से जारी समन को रद्द करने की मांग की थी।

पहले भी सुप्रीम कोर्ट ने दिया था ऐसा ही फैसला

अगस्त में हुई पिछली सुनवाई में सुप्रीम कोर्ट ने ट्रायल कोर्ट की आगे की कार्यवाही पर रोक लगा दी थी और उत्तर प्रदेश सरकार व शिकायतकर्ता से जवाब मांगा था। उसी दौरान कोर्ट ने राहुल गांधी से यह भी पूछा था कि उन्होंने यह कैसे कहा कि 2000 वर्ग किमी भारतीय भूमि चीन के कब्जे में है, क्या आप वहां थे? आपके पास कोई सबूत है?

अमर शहीद आशीष शर्मा की शहादत पर पूरे प्रदेश को गर्व-मुख्यमंत्री

परिवार को एक करोड़ रुपये की सहायता और छोटे भाई को बनाएंगे सब-इंस्पेक्टर

भोपाल। नक्सली मुठभेड़ में शहीद हुए हॉक फोर्स के इंस्पेक्टर आशीष शर्मा को उनके गृह ग्राम बोहानी में पूरे राजकीय सम्मान के साथ अंतिम विदाई दी गई। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव गुरुवार को शहीद आशीष शर्मा की अंत्येष्टि कार्यक्रम में पहुंचे और शहीद के पार्थिव देह पर पुष्प-चक्र अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। मुख्यमंत्री ने पार्थिक देह को कांधा भी दिया।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि इंस्पेक्टर आशीष शर्मा ने नक्सल विरोधी अभियान में अदम्य साहस का परिचय देते हुए कर्तव्य पथ पर सर्वोच्च बलिदान दिया है। उन्होंने परिजनों को ढांढस बंधाते हुए, कहा कि आशीष शर्मा की शहादत पर प्रदेश को गर्व है।

परिवार को एक करोड़ रुपये की सहायता

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि शहीद के परिवार को एक करोड़ रुपये की सम्मान निधि प्रदान की जाएगी। साथ ही, बोहानी गांव में शहीद आशीष शर्मा के नाम से एक पार्क और स्टेडियम भी विकसित किया जाएगा, जिससे भावी पीढ़ियों को राष्ट्रप्रेम की प्रेरणा मिलती रहे और उनकी स्मृति अक्षुण्ण बनी रहे।

शहीद के छोटे भाई को सब-इंस्पेक्टर पद पर नियुक्ति

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि शहीद आशीष शर्मा के छोटे भाई को शासकीय नियमों में शिथिलता बरतते हुए सब-इंस्पेक्टर के पद पर नियुक्त किया जाएगा। उन्होंने कहा कि यह निर्णय परिवार को सम्बल देने, शहीद के अदम्य साहस को सदैव याद रखने और आमजन को राष्ट्रप्रेम के लिये प्रेरित करने के उद्देश्य से लिया गया है।

शहीद के अंतिम संस्कार में मंत्री प्रहलाद सिंह पटेल, उदय प्रताप सिंह, सांसद दर्शन सिंह चौधरी, नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार, पूर्व मंत्री जीतू पटवारी, पूर्व सांसद कैलाश सोनी, पूर्व राज्यमंत्री जालम सिंह पटेल सहित अन्य जनप्रतिनिधि, पुलिस महकमे के वरिष्ठ अधिकारी, हॉक फोर्स के जवान और बड़ी संख्या में ग्रामवासी मौजूद थे।

मलाजखंड ताम्र परियोजना गेट के सामने शव के साथ चला रात भर प्रदर्शन

करीब 7 दिन पूर्व हो चुकी थी, मजदूर की मौत ? परिजनों के आरोप के बाद ग्रामीणों ने एचसीएल का किया घेराव, ग्रामीणों ने प्रबंधन पर लगाए लापरवाही के आरोप, मांगा 2 करोड़ का मुआवजा, रात भर चले प्रदर्शन के चलते, मप्र- छग अंतरराज्यीय मार्ग रहा पूरी तरह बाधित

पदमेश न्यूज। मलाजखंड।

पिछले दिनों 11 नवंबर को मलाजखंड ताम्र परियोजना में हुए हादसे में घायल मजदूर मंगलेश यादव की उपचार के दौरान दर्दनाक मौत हो गई थी। उक्त शव को बुधवार की देर शाम मलाजखंड लाया गया। जिसके बाद वहां एक बड़ा विवाद खड़ा हो गया है। परिजनों का आरोप है कि मंगलेश यादव की मौत हादसे के तीन-चार दिन बाद ही हो चुकी थी, लेकिन प्रबंधन ने मौत की जानकारी 7 दिनों तक छिपाई रखी। परिजनों के इस आरोप से ग्रामीण आक्रोशित हो गए और उन्होंने क्षेत्र वासियों के साथ मिलकर एचसीएल प्रबंधन पर लापरवाही के गंभीर आरोप लगाते हुए नारेबाजी शुरू कर दी। इतना ही नहीं क्षेत्रीय ग्रामीणों ने मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ को जोड़ने वाले राष्ट्रीय राजमार्ग को घेर कर चक्का जाम प्रदर्शन किया।जिसके चलते इस राष्ट्रीय राजमार्ग से आवागमन पूरी तरह से ढप हो गया।उधर गुरुवार की सुबह प्रशासनिक अधिकारियों एसडीएम अर्पित गुप्ता और एसडीओपी अरविंद शाह की मध्यस्थता मे 20 नवंबर की अल सुबह 4 बजे चक्का जाम खुलवा कर वाहनों को जाने दिया गया है परंतु मांगों को लेकर प्रदर्शनकारियों द्वारा हिन्दुस्तान कापर लिमिटेड गेट पट शव रखकर प्रदर्शन जारी रखा, जो 20 गुरुवार सुबह करीब 10 बजे तक 19 घंटे तक जारी रहा। एचसीएल गेट के सामने क्षेत्र वासियों ने प्रदर्शन कर खदान में सुरक्षा और चिकित्सा व्यवस्था दुरस्त किए जाने मांग की, तो वही मृतक मजदूर के परिजनों को 2 करोड रुपए का मुआवजा, व मृतक कि पत्नी को नौकरी दिए जाने की मांग को लेकर प्रदर्शन किया।उधर तीन बार दोनों पक्षों के बीच बातचीत हुई परंतु प्रदर्शन कारी मांगों को लेकर डटे रहे। वहीं प्रबंधन द्वारा नियमों के अनुसार उचित मुआवजा, परिवार की हर संभव मदद और विभिन्न योजनाओं का लाभ दिए जाने का आश्वासन दिया। जिसके बाद मामला शांत हो गया और ग्रामीण शव का अंतिम संस्कार करने के लिए मान गए।

खदान बस हादसे में घायल हुए थे 27 मजदूर

ज्ञात हो कि मलाजखंड ताम्र परियोजना में 11 नवंबर को हुए बस हादसे में 27 मजदूर घायल हुए थे। एसएमएस कंपनी की बस ब्रेक फेल होने से सैकड़ों मीटर घिसटकर पलट गई थी। गंभीर रूप से घायल मजदूर मंगलेश यादव को भिलाई और फिर रायपुर रेफर किया गया। जिनकी उपचार के दौरान मौत हो गई, लेकिन परिजनों का बड़ा आरोप है कि मंगलेश की मौत खदान में ही हो चुकी थी, फिर भी उन्हें सात दिनों तक जीवित बताया जाता रहा। परिजनों का आरोप है की डीजीएमएस की जांच पूरी होने तक मौत की खबर छिपाई गई।उधर 19 नवंबर को मौत की पुष्टि होते ही आक्रोश भड़क उठा। ग्रामीणों ने परियोजना के मुख्य द्वार पर चक्काजाम कर दिया। जिला पंचायत सदस्य दलसिंह पन्द्रे और समाजसेवी रामेश्वर कटरे ने मौके पर पहुंचकर स्थिति जानी। रात तक प्रदर्शनकारियों का नेतृत्व करते रहे ।

मजदूर की मौत पर मांगा 2 करोड़ का मुआवजा

उधर प्रदर्शन कारियों ने 2 करोड़ रुपये मुआवजा, बच्चों की शिक्षा, पत्नी को आजीवन पेंशन, नौकरी और दोषियों पर कार्रवाई की मांग रखी थी। प्रदर्शनकारियो का आरोप है कि हादसे और मौत की घटना परिजनों से छिपाने के आरोपों की सच्चाई जांच के बाद ही सामने आएगी, लेकिन इस घटना ने परियोजना की सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

20 नवंबर की सुबह 10 बजे तक चला प्रदर्शन

मजदूर की मौत के बाद 19 नंबर की दोपहर 3 बजे शुरू हुआ प्रदर्शन सारी रात चलता रहा इस दौरान प्रदर्शनकारियों और मायल प्रबंधन के बीच तीन बार प्रशासनिक अधिकारियों एसडीएम अर्पित गुप्ता और एसडीओपी अरविंद शाह की मध्यस्थता मे बात हुई जो असफल रही।फिलहाल 19 घंटे के प्रदर्शन के पश्चात बीमा की राशि, पत्नी को नौकरी व पेंशन, और व्यवस्था में सुधार के साथ ही लापरवाहो पर कार्रवाई की मांगे पूरी होने पर धरना प्रदर्शन सुबह 10 बजे समाप्त हुआ।

सुरक्षा की गारंटी दे प्रबंधन-रामेश्वर कटरे

समाजसेवी रामेश्वर कटरे,ने बताया कि 11 नवंबर को खदान के भीतर एक घटना घटी थी, उसमें स्थानीय एक मजदूर मंगलेश यादव का निधन हो चुका है, तो वही नागपुर के एक और मजदूर की भी मौत होने की जानकारी सामने आई है। यहां पर खदान प्रबंधन की काफी लाचर व्यवस्था बनी हुई है अंडरग्राउंड माइन्स में ऐसी बस का संचालन किया जा रहा था जो नियम के विरुद्ध है, इसी के चलते यहां पर यह घटना हुई है। उस बस को जिसने खदान में चलाने का अप्रूवल दिया था, उसपर वैधानिक कार्रवाई होनी चाहिए, घटना की जांच कर दोषियों पर कड़ी कार्रवाई होनी चाहिए ताकि ऐसी घटनाएं दोबारा ना हो। उन्होंने बताया कि यह खदान एशिया का सबसे बड़ी खदान है यहां सुरक्षा के उचित मापदंड नहीं है, 11 नवंबर को घटना 3:05 पर हुई थी, जबकि एंबुलेंस को पहुंचने में वहां 4:25 का समय लग गया।

तो खदान का संचालन रोक देंगे- दलसिंह पन्द्रे

जिला पंचायत सदस्य पन्द्रे ने इस घटिया इस घटना को हत्या बताते हुए इसके लिए माइंस प्रबंधन को जिम्मेदार ठहराया है उन्होंने बताया कि खादन में आए दिनों हादसे हो रहे हैं।यहां से अरबो खरबो का कारोबार कंपनी और माइनस द्वारा किया जाता है लेकिन यहां की प्राथमिक समस्याओं और व्यवस्थाओं पर इनका ध्यान नहीं है।यहां के अस्पताल में पहले लोग बालाघाट से इलाज करने आते थे लेकिन उस अस्पताल में अब प्राथमिक उपचार भी नहीं मिल रहा है ।मंगलेश की यहां कुर्बानी व्यर्थ नहीं जाएगी यदि खदान में लापरवाही नहीं सुधरी, तो खदान को भी नहीं चलने देंगे ,यहां एम्स जैसी सुविधाएं होनी चाहिए हम जिला पंचायत में भी इस मुद्दे को उठाएंगे और हर चौक चौराहो पर व्यक्तिगत रूप से आंदोलन करेंगे यदि व्यवस्था में जल्द सुधार नहीं आता तो बड़ा आंदोलन होगा,खदान को भी नहीं चलने दिया जाएगा खदान का पूरा काम रोक देंगे।

नियमानुसार दिया गया मुआवजा ,की जा रही अन्य कार्रवाई- प्रमोद कुमार

एचसीएल एरिया मैनेजर प्रमोद कुमार ने बताया कि हमारे यहां खदान में काम करने वाले मजदूर मंगलेश यादव की मृत्यु हो चुकी है, कंपनी के नियमानुसार जो भी बनता है वह दिया गया है, परिजन 2 करोड रुपए मुआवजा की मांग कर रहे हैं। वहीं उनकी अन्य मांगे भी हैं नियम के हिसाब से 7 लाख रु का मुआवजा बनता है, इसके अलावा जो अन्य सहयोग और मदद रहेगी वह सब की जा रही है।कुछ समस्याओं को लेकर भी उन्होंने ध्यान आकर्षित कराया है जिसे जल्द पूरा कर लिया जाएगा।

10 दिन से लापता शिक्षक का शव महुआ दादर जंगल से बरामद

पद्मेश न्यूज ।बालाघाट। बिरसा थाना अंतर्गत ग्राम उमरझोला से 10 दिन से लापता शिक्षक मोहपत सिह नेताम 55 वर्ष का क्षत विक्षत शव महुआ दादर जंगल मे एक पेड़ के नीचे से बरामद की गई।पेड़ में साल बंधे होने से इस व्यक्ति द्वारा पेड़ में फांसी लगा कर आत्महत्या किये जाने की संभावना व्यक्ति जा रही है।बिरसा पुलिस ने इस व्यक्ति का शव पोस्टमार्टम करवा कर उसके परिजनों को सौंप दिया है। आगे मर्ग कायम कर जांच की जा रही है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार उमरझोला निवासी शिक्षक मोहपत सिंह नेताम ग्राम पटवा शासकीय प्राथमिक शाला में पदस्थ थे। जिनके परिवार में तीन बेटे और एक बेटी है सभी लोग उमरझोला में ही रहते हैं। बताया गया है कि शिक्षक मोहपत सिंह नेताम को बीपी और शुगर की बीमारी थी। जिनकी लगातार दवाई चल रही थीम एक माह पहले से शिक्षक मोहपत सिह नेताम ने दवाई खाना बंद कर दिए थे और बोलते थे कि मैं दवाइयां खा खा कर परेशान हो चुका हूं। इस कारण मैं दवाई नहीं खा रहा हूं। दवाई नहीं खाने के कारण मोहपत सिह नेताम काफी कमजोर हो चुके थे और वह एक माह से स्कूल पढ़ाने नहीं जा रहे थे। 8 नवंबर की रात्रि 10 बजे मोहपत सिह नेताम ने अपने परिवार वालों के साथ खाना खाए और सो गए थे। 9 नवंबर रात्रि 3:00 बजे मोहपत सिह नेताम अपने घर में दिखाई नहीं दिए जो बिना बताए घर से चले गए थे। जिनके घर वापस नहीं आने पर परिजनों ने उनकी तलाश रिश्तेदारी गांव के अलावा अन्य जगह किये किंतु उनका कही पता नहीं चला जिसकी रिपोर्ट उनके बेटे अजय नेताम 24 वर्ष ने बिरसा पुलिस थाना में की थी। 19 नवंबर को 4:00 बजे जब गांव का संदीप मेरावी गाय चराने के लिए महुआ दादर जंगल तरफ गया था। तब उसने को ?ा के पेड़ में के नीचे मोहपत सिह नेताम की लाश देखी और ओढ़ने वाला साल फटा हुआ था जो पेड़ में बंधा हुआ था। इस संबंध में संदीप मेरावी ने फोन करके अजय नेताम को बताया मोहपत सिह नेताम का शव पेड़ के नीचे जमीन में गिरा हुआ है। सूचना मिलते ही अजय नेताम अपने परिवार और गांव वालों के साथ मौके पर पहुंचा। देखा उनके पिता मोहपत सिह नेताम का शव पेड़ के नीचे पड़ा हुआ था जिसकी रिपोर्ट अजय नेताम 24 वर्ष ने बिरसा पुलिस थाना में की थी। 20 नवंबर को बिरसा थाने से उप निरीक्षक शिवलाल परते अपने स्टाफ के साथ महुआ दादर का जंगल पहुंचे और मोहपत सिह नेताम का शव बरामद किए और पंचनामा कार्यवाही पश्चात शव 1 पोस्टमार्टम करवा कर उसके परिजनों को सौंप दिए। संभावना व्यक्त की गई है कि मोहपत सिह नेताम ने बीपी और शुगर की बीमारी से परेशान होकर फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। उप निरीक्षक श्री परते द्वारा धारा 194 भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता के तहत मर्ग कायम कर जांच की जा रही है।

उज्जैन एवं मंसौर में आयोजित होंगी राज्य स्तरीय बैंचप्रेस एवं बॉडी बिल्डिंग प्रतियोगिता जिले के खिलाड़ी लेंगे भाग

पद्मेश न्यूज ।बालाघाट। मध्यप्रदेश बॉडी बिल्डिंग एवं पॉवर लिफ्टिंग एशोसिएशन के संभागीय अध्यक्ष एवं मध्यप्रदेश एशोसिएशन के जज सुरेन्द्र जायसवाल (मामा) ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर बताया कि क्लासिक बैंचप्रेस चैम्पीयनशिप 22 एवं 23 नवम्बर 2025 को उज्जैन में आयोजित की जा रही है। उक्त प्रतियोगिता में ईशान सोनी सब जूनियर 59 किलो ग्राम, प्रतीक दात्रे 74 किलो ग्राम, महिला वर्ग में कु. अल्का चैके 47 किलो ग्राम, कु. भावना लिल्हारे 57 किलो ग्राम, कु. रिया केलकर 69 किलो ग्राम बालाघाट जिले का प्रतिनिधित्व करने जा रहे हैं। जायसवाल ने आगे जानकारी देते हुए बताया कि 30 नवम्बर 2025 को महाकाल की नगरी उज्जैन में वेर्स्टन बॉडी बिल्डिंग चैम्पीयनशिप होने जा रही है, जिसमें विष्णु कावरे 65 किलो ग्राम सीनियन वर्ग एवं शुभम बोपचे 65 किलो ग्राम जूनियर वर्ग बालाघाट जिले के प्रतिनिधित्व करेंगे। यही खिलाड़ी नगर पालिका परिषद् मंसौर एवं दशपुर जिला बॉडी बिल्डिंग संघ मंसौर द्वारा आयोजित राज्य स्तरीय बॉडी बिल्डिंग स्पर्धा 19 नवम्बर 2025 में भी शामिल होंगे। जिला बॉडी बिल्डिंग एसोसिएशन के जिलाध्यक्ष उमेश जायसवाल एवं पॉवर लिफिटंग एसोसिएशन के जिला अध्यक्ष मधुकर हरपाल ने खिलाड़ियों के उज्जवल भविष्य की कामनाएं प्रेषित करते हुए उन्हें शुभकामनाएं प्रदान की है।

हाईकोर्ट जबलपुर में भरवेली ग्राम पंचायत को लेकर याचिका दायर

8 बिंदुओं की जांच की मांग को लेकर हाईकोर्ट की शरण में पहुंचे पंचगण, लगाई याचिका, पूर्व विधायक समरीते ने पंचो की मांगों का किया समर्थन ,कहा- पंचों के अधिकारों का हो रहा हनन

पद्मेश न्यूज ।बालाघाट। जिला मुख्यालय से महज 5 किलोमीटर दूर ग्राम पंचायत भरवेली में सरपंच और उपसरपंच सहित अन्य पंचों के बीच चल रहा विवाद थमने का नाम नहीं ले रहा है। धरना प्रदर्शन के 23वें दिन पूर्व विधायक किशोर समरीते ने धरना स्थल पर पहुंचकर पिछले 23 दिनों से धरने पर बैठे पंचणों से मुलाकात की और उनकी मांगों को जायज ठहराते हुए जिला प्रशासन से मामले में वैधानिक कार्यवाही किए जाने की मांग की है। तो वहीं उन्होंने पंचायत के कार्यों में सरपंच पति का हस्तक्षेप रोकने के लिए कलेक्टर द्वारा अलग से स्पेशल आदेश जारी किए जाने के भी मांग की। उधर पिछले 23 दिनों से अनिश्चितकालीन धरने पर बैठे पंचगणो ने कार्यपालिका से इंसाफ न मिलने पर, अब न्यायपालिका की शरण ले ली है।जहां उन्होंने हाईकोर्ट में एक याचिका दायर कर पंचायत से जुड़े 8 बिंदुओं पर शिकायत करते हुए मामले की वैधानिक जांच कराकर हाई कोर्ट स्तर से मामले में दोषियों पर कार्यवाही कराए जाने की गुहार लगाई है।

8 बिंदुओं पर पंचों ने किया न्यायालय का रुख

हाई कोर्ट में दायर की गई इस याचिका में फर्जी प्रस्ताव बनाकर बिना स्वीकृति के पंचायत भवन दुकान सहित अन्य निर्माण कार्यों की जांच कराने ,बिना प्रशासनिक अनुमति के शासन का टीन शेड व कचरा पेटी तोड़ने, बजरंग तालाब सौंदर्यीकरण, गार्डन , रोड निर्माण व नालियों सहित अन्य निर्माण कार्यों की जांच करने, पंचायत की आय - व्यय का संपूर्ण हिसाब देने, पंचायत को प्राप्त टैक्स और मॉयल से प्राप्त राशि का पूरा ब्यौरा प्रस्तुत करने, पंचो की बगैर बैठक व बिना सहमति के ही किए गए निर्माण कार्यों की जांच कराने, सरपंच पति का पंचायत कार्यों में हस्तक्षेप रोकने और सरपंच पति और सरपंच के संपत्तियों की जांच किए जाने की गुहार लगाते हुए हाईकोर्ट में याचिका दायर की है।

कार्यपालिका पर नहीं रहा विश्वास, इसीलिए न्यायपालिका की ली है शरण

उपसरपंच सहित 13 पंचो ने अपनी विभिन्न सूत्रीय मांगों को लेकर पंचायत के सामने शुरू किए गए धरना प्रदर्शन के 23 वे दिन जिम्मेदारों पर तरह-तरह के आरोप लगाते हुए सरपंच सचिव से साढ़े 3 वर्षो का हिसाब दिए जाने की मांग की, तो वही अपनी इन मांगो को लेकर उन्होंने जमाकर नारेबाजी कर विपक्षी पंचो की उपेक्षा किए जाने का भी आरोप लगाया है।उधर अनिश्चितकालीन धरना प्रदर्शन पर बैठे उपसरपंच सहित अन्य पंचो ने मांग पूरी न होने तक उनका यह धरना प्रदर्शन शुरू रहने की चेतावनी दी है। तो वही पिछले 23 दिनों से अनिश्चितकालीन हड़ताल पर बैठे पंचगणों ने स्पष्ट कर दिया कि उन्हें अब कार्यपालिका पर विश्वास नहीं रहा, जिसके चलते उन्होंने इसी मामले को लेकर अब न्यायपालिका की शरण ली है। जहां से उन्हें इंसाफ मिलने की पूरी उम्मीद है।

इन मांगो को लेकर पिछले 23 दिनों से शुरू है धरना प्रदर्शन

ग्राम पंचायत भरवेली द्वारा कराए गए 72 निर्माण कार्यों में 2-3 करोड़ रु का हिसाब देने, मॉयल से पंचायत को प्राप्त टैक्स की राशि करीब 40-45 लाख रु. का ब्यौरा

प्रस्तुत करने, ग्रामकोष की राशि का लेखा जोखा दिए जाने, सरपंच पति के द्वारा निर्माण एवं पंचायत के विभिन्न कार्यो में हस्तक्षेप पर प्रतिबंध लगाने,विगत 3 वर्षो का ग्राम पंचायत भरवेली के पंचो को आय-व्यय का हिसाब देने, और पंचो को अपने अधिकार से सरपंच पति के द्वारा वंचित रखे जाने का आरोप लगाते हुए उपसपंच सहित पंचायत के अन्य 13 विपक्षी पंचो द्वारा अनिश्चितकालीन धरना प्रदर्शन शुरू किया गया था। जिसको अब 23 दिन पूरे हो चुके हैं अब धरने पर बैठे पंचों ने सरपंच और सरपंच पति की संपत्ति की भी जांच करने का मुद्दा इसमें जोड़ दिया है। तो वही इन्हीं बिंदुओं पर जांच व वैधानिक कार्यवाही की मांग को लेकर हाईकोर्ट का रुख अपनाते हुए याचिका भी दायर कर दी है।

13 पंचो का 23 दिनों से जारी है अनिश्चितकालीन धरना प्रदर्शन

अनिश्चितकालीन धरने पर बैठे उपरपंच सहित 13 पंचो ने पंचायत द्वारा कराए गए निर्माण कार्यों में अनिमियता बरतने, पंचायत राशि, प्राप्त टैक्स और मॉयल से प्राप्त राशि का बंटाधार किए जाने का आरोप लगाते हुए भरवेली पंचायत भवन के ठीक सामने वार्ड नंबर 20 के पंच एवं पंचायत उप सरपंच राजेश पिता नगारची बाहेश्वर के साथ-साथ, वार्ड नंबर 01 पंच श्रीमती अनारकली पति किशोर रोतेल ,वार्ड नंबर 2 पंच शरद पिता बंशी कठौते, वार्ड नंबर 6 पंच श्रीमती फूलवती पति राजेश नागेश्वर, वार्ड नंबर 7 पंच रमेश पिता बसंत सहारे, वार्ड नंबर 8 पंच श्रीमती परवीन पति शरीफ खान, वार्ड नं 9 पंच श्रीमती अंजली पति संतोष काकोटिया, वार्ड नं 10 पंच अमीन पिता हबीब खान, वार्ड नंबर 11 पंच श्रीमती मालती पति मोहन साहू, वार्ड नंबर 13 पंच उर्मिला पति लालचंद मालेश,वार्ड नंबर 14 पंच मकसूद पिता हफीज खान, वार्ड नंबर 15 विक्रम सिंह पिता महेंद्र सिंह मर्सकोले, और वार्ड नंबर 19 पंच श्रीमती लतेश्वरी पति भानु बसने द्वारा अनिश्चितकालीन धरना प्रदर्शन पिछले 23 दिनों से किया जा रहा है।

महिला आरक्षण का फायदा उठा रहे सरपंच पति- मालती साहू

वार्ड नंबर 11पंच श्रीमती मालती साहू ने बताया कि आज हमारे धरने का 23 वा दिन है। शासन प्रशासन द्वारा हमारी मांगों पर ध्यान नहीं दिया जा रहा है। पता नहीं अधिकारी सत्ता के दबाव में है या पैसों के भाव में है, कि वह हमारी शिकायतें की जांच कार्यवाही नहीं कर रहे हैं।भरवेली पंचायत में महिला आरक्षण है उसका पूरा लाभ सरपंच पति उठा रहे हैं सरपंच मैडम बोलती है कि गांव में उन्होंने 72 प्रकार के काम कराए हैं लेकिन उनसे पूछो तो 10 काम भी नहीं गिना सकती। हमारी मांग है कि हमारी शिकायतों पर जल्द से जल्द जांच कर वैधानिक कार्यवाही की जाए।यदि ऐसा नहीं होता तो हम अपनी यह लड़ाई आखिरी दम तक लड़ेंगे, जब तक 8 बिंदुओं पर जांच नहीं होती और दोषियों पर कार्यवाही नहीं की जाती,तब तक हमारा यह धरना प्रदर्शन जारी रहेगा।

कार्यपालिका पर अब विश्वास नहीं रहा-अमीन खान

भरवेली पंच अमीन खान ने बताया कि हमारे धरना प्रदर्शन को 23 दिन हो चुके हैं जिला पंचायत ,जनपद पंचायत सीईओ द्वारा हमारी शिकायतों पर जांच नहीं की जा रही है, जो 8 बिंदु दिए गए थे उसपर आज तक जांच नहीं हुई है और ना ही कोई कार्यवाही हुई है। कार्यपालिका के पास बार-बार आवेदन निवेदन व शिकायते करने पर भी जब कोई हल नहीं निकला तब मजबूरन हमें न्यायपालिका की शरण लेनी पड़ी है। हमने 8 बिंदुओं पर जांच के लिए हाईकोर्ट में याचिका लगाई है, क्योंकि कार्यपालिका पर अब हमें विश्वास नहीं रहा, इसीलिए मजबूरन हमें न्यायपालिका की शरण लेनी पड़ी। क्योंकि इस मुद्दे को करीब एक वर्ष बीत गया है अब तक कोई जांच नहीं हुई है ।

सरपंच पति की दखलंदाजी रोकने के लिए अलग से आदेश जारी करना चाहिए- समरीते

वही धरना स्थल पर पहुंचे पूर्व विधायक किशोर समरीते ने बताया कि गांव के उपसरपंच व अन्य पंचगणो ने उन्हें धरना स्थल पर बुलाया है। इनका कहना है कि पंचायत की कार्य प्रणाली में सरपंच पति का हस्तक्षेप है ,जबकि सरपंच पति की दखल अंदाजी रोकने के लिए एसडीएम ने 25 जुलाई 2025 को एक आदेश भी जारी किया था की किसी भी पंचायत में सरपंच पति, पंचायत कार्यों में हस्तक्षेप ना करें ,इसके अलावा सरपंच पति के खिलाफ सांप्रदायिक माहौल खराब करने के भी प्रकरण है। जिसे देखते हुए प्रशासन को एक आदेश जारी करना चाहिए कि भरवेली पंचायत में भी सरपंच पति की दखल अंदाजी ना हो। ठीक उसी तरह का आदेश जारी करना चाहिए जैसा आदेश तत्कालीन कलेक्टर यादव ने जिला अस्पताल के ट्रामा सेंटर में एक महिला के प्रवेश पर रोक लगा दी थी। वैसा ही कुछ आदेश यहां पंचायत के लिए भी आना चाहिए।जिला प्रशासन इस मामले में गंभीर नहीं है, पंचायत प्रतिनिधियों के अधिकारों का हनन हो रहा है। जिला प्रशासन ने पंचो से बात करके शांतिपूर्वक धरना खत्म करना चाहिए, पंचायत के सभी रिकॉर्ड, आर्थिक अनिमियताए सहित अन्य बिंदुओं पर वैधानिक जांच कर दोषियों पर कार्यवाही करनी चाहिए। लेकिन यहां का प्रशासन जांच तक नहीं करा पा रहा है। वही स्थानीय विधायक की बात तक नहीं सुनी जा रही है।उन्होंने कहा कि जब हम इस धरना स्थल पर आए हैं तो कुछ ना कुछ जरूर करेंगे।

आवश्यकता है

ऑफिस कार्य हेतु चपरासी युवक की आवश्यकता है, सिर्फ 35 वर्ष से नीचे के युवक ही आवेदन करें बालाघाट एवं आसपास के रहने वालेही संपर्क करें।

मिलने एवं फोन लगाने का समय शाम 5 बजे से शाम 8.00 बजे तक

संपर्क
बाघरेचा तिजारे एण्ड एसोसिएट्स चार्टड एकाउन्टेन्ट्स, श्याम टॉकीज एण्ड मॉल द्वितीय तल हनुमान चौक मेन रोड बालाघाट (मप्र)
मो. 9244872544

बारबेड वायर (कांटेदार तार) एवं चेन लिंक जाली उचित दाम पर उपलब्ध

लघु उद्योग निगम भोपाल से संबद्ध

निर्माता
तिरूपति इंजीनियरिंग वर्क्स
मयूर टॉकिज के सामने हनुमान चौक, बालाघाट
फोन:- 07632-243531
मो:- 8989976858, 9425139998

बालाघाट सिटी न्यूज़

पद्मेश न्यूज
बालाघाट एक्सप्रेस

/padmeshmedia /padmeshmedia epaper.balaghatexpress.in E-mail: balaghatexpress@gmail.com

रोते-बिलखते नम आंखों से बालाघाट में शहीद आशीष शर्मा को दी गई अंतिम विदाई। विदाई की भावुक तस्वीरें-

सचमुच! सबको रूला गया आशीष!!

बेहद भावुक पल : हर आम; हर खास सबकी आंखें भींगी थी! कोई मन ही मन सुबक रहा था; कोई बिलख-बिलखकर आंसू पोछ रहा था

सिटी रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। बालाघाट।

बोरतालाब जंगल में नक्सल विरोधी अभियान के दौरान हुई मुठभेड़ में ऑपरेशन लीड कर रहे निरीक्षक आशीष शर्मा गोलियों से घायल होकर शहीद हो गए।आज प्रातः पार्थिव शरीर बालाघाट लाए जाने पर श्रद्धांजलि यात्रा में हजारों लोग उमड़े, पूरा शहर आशीष शर्मा अमर रहें के नारों से गूंज उठा। पुलिस लाइन में आयोजित श्रद्धांजलि समारोह में मंत्री, सांसद, विधायक और अधिकारी मौजूद रहे और शहीद को अंतिम सलाम दिया। भावुक माहौल के बीच शहीद के छोटे भाई के रो पड़ने पर हर आँख नम हो उठी। करीब तीन घंटे बाद पार्थिव शरीर गृहग्राम बोहानी के लिए रवाना किया गया।

छत्तीसगढ ,राजनांदगांव के बोरतालाब जंगल में बुधवार की सुबह नक्सल विरोधी अभियान के दौरान सुरक्षाबलों और नक्सलियों के बीच हुई भीषण मुठभेड़ में ऑपरेशन का नेतृत्व कर रहे निरीक्षक आशीष शर्मा गोलियों की चपेट में आने से वीरगति को प्राप्त हो गए। मुठभेड़ के दौरान नक्सलियों द्वारा की गई अंधाधुंध फायरिंग में उनके जांघ, कंधे और कमर में गोलियां लगी थीं। पोस्टमार्टम की औपचारिकताएँ पूर्ण होने के बाद गुरुवार सुबह शहीद का पार्थिव शरीर सम्मानपूर्वक बालाघाट लाया गया। शहर थम गया, सड़कें गमगीन श्रद्धांजलि यात्रा में उमड़ा अपार जनसमूह आंबेडकर चौक से श्रद्धांजलि यात्रा आरंभ हुई तो पूरा क्षेत्र आशीष शर्मा अमर रहें के नारों से गुंजायमान हो उठा। यात्रा लगभग एक किलोमीटर की दूरी तय करती हुई शहीद स्मारक पुलिस लाइन पहुंची। यात्रा मार्ग के दोनों ओर खड़े नागरिकों, पुलिसकर्मियों, सुरक्षाबलों और युवाओं ने नम आंखों से पुष्प वर्षा कर शहीद का अंतिम दर्शन किया। जहां भी वाहन रुका, उपस्थित जनसमूह की आंखें भर आई और माहौल पूरी तरह भावुक हो उठा। राजनीतिक और प्रशासनिक नेतृत्व ने सलामी दी, सुरक्षाबलों ने झुके सिर से नमन किया शहीद स्मारक पुलिस लाइन में आयोजित श्रद्धांजलि समारोह में मंत्री संपतिया उईके, सांसद भारती पारधी, विधायक राजकुमार कर्राहे, गौरव पारधी, आयोग सदस्य मौसम हरिनखेड़े, जिला पंचायत अध्यक्ष सम्राट सरस्वार, पूर्व मंत्री गौरीशंकर बिसेन, नक्सल डीजी पंकज श्रीवास्तव, आईजी संजय कुमार, कलेक्टर मृणाल मीणा, एसपी आदित्य मिश्रा सहित बड़ी संख्या में अधिकारी मौजूद रहे। सभी ने मंच पर पहुँचकर शहीद निरीक्षक आशीष शर्मा के चित्र पर पुष्प अर्पित कर वीरता, कर्तव्यनिष्ठा और बलिदान को नमन किया। शोक में डूबा परिवार छोटे भाई का दर्द देखकर पग-पग पर छलक उठा, जनसमूह श्रद्धांजलि सभा के दौरान शहीद के छोटे भाई अंकित दर्द और सदमे से फूट-फूटकर रो पड़े। उनकी हालत देख पूरा पंडाल मौन हो गया। नक्सल डीजी पंकज श्रीवास्तव स्वयं मंच से उतरे और भाई अंकित को गले लगाकर ढांढस बंधाया। यह दृश्य देखकर अधिकारी, जवान और आम नागरिक अपनी भावनाएँ रोक नहीं सके हर आंख नम हो उठी। तीन घंटे सम्मान आयोजन के बाद हुआ प्रस्थान देश की सेवा में जीवन समर्पित करने

वाले बेटे को लिया अंतिम सलाम करीब तीन घंटे तक चले श्रद्धांजलि कार्यक्रम के पश्चात बालाघाट से एम्बुलेंस द्वारा

शहीद का पार्थिव शरीर उनके गृहग्राम बोहानी के लिए रवाना किया गया। उनके साथ कार्यरत हॉकफोर्स के जवान स्वयं पार्थिव शरीर के साथ गए, ताकि अपने साथी को अंतिम क्षणों तक पूर्ण सम्मान दिया जा सके।

बचाने के लिए हर संभव प्रयास किया गया था-पंकज श्रीवास्तव

डीजी नक्सल पंकज श्रीवास्तव ने बताया कि आशीष शर्मा हॉकफोर्स के बेहद बहादुर और निडर जवान थे। उनके अदम्य साहस, पराक्रम और वीरता के लिए उन्हें दो बार राष्ट्पति के हाथों वीरता पदक से सम्मानित किया गया था। बीते फरवरी में चलाए गए अभियान में चार नक्सलियों को मार गिराने में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका रही थी। उन्होंने आगे बताया कि बुधवार को छत्तीसगढ़ के राजनांदगांव के बोरतालाब जंगल में मुठभेड़ के दौरान नक्सलियों की गोली लगने से आशीष शर्मा गंभीर रूप से घायल हो गए। उन्हें बचाने के लिए हर संभव प्रयास किए गए, लेकिन उन्हें बचाया नहीं जा सका। डीजी श्रीवास्तव ने कहा कि नियमों के अनुसार शहीद के परिवार को शासन और विभाग की ओर से हरसंभव सहायता प्रदान की जाएगी।

बैहर, गढ़ी और किन्ही क्षेत्र रहे तैनात

बालाघाट में आशीष शर्मा वर्ष 2018 से हॉकफोर्स में पदस्थ थे। हॉकफोर्स में पदस्थापना के दौरान वे जिले के बैहर, गढ़ी और किन्ही क्षेत्र में तैनात रहे। उनकी तैनाती के दौरान नक्सल विरोधी अभियानों में बालाघाट पुलिस को बड़ी सफलताएँ मिलीं। 18 दिसंबर 2022 को हर्राटोला में हुई कार्रवाई में 14 लाख के इनामी हार्डकोर नक्सली एसीएम

रूपेश उर्फ हुंगा डोरी को मार गिराने, तथा 22 अप्रैल 2023 को 28 लाख की इनामी नक्सली एसीएम सुनीता और सरिता को ढेर करने में वह अग्रिम मोर्चे पर नेतृत्व करते रहे। इन दोनों अभियानों में उत्कृष्ट सफलता के आधार पर उन्हें दो बार वीरता पदक से सम्मानित किया गया था। हाल ही में 19 फरवरी 2025 को रौंदाटोला में हुई मुठभेड़ में 62 लाख की तीन इनामी नक्सली कमांडर आशा, एसीएम रंजीता, सरिता और लख्खे को मार गिराया गया था, जिसमें भी आशीष शर्मा की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण रही। इसी उपलब्धि के आधार पर उन्हें 21 फरवरी 2023 को आउट ऑफ टर्न प्रमोशन के तहत उपनिरीक्षक से निरीक्षक पद पर पदोन्नत किया गया था।

सोशल मीडिया पर दी जा रही श्रद्धांजलि

इंस्पेक्टर आशीष शर्मा की शहादत को लेकर सोशल मीडिया पर भावनात्मक माहौल बना हुआ है। लोग उनके वीरता, साहस, कर्तव्यनिष्ठा और पराक्रम को नमन करते हुए लगातार श्रद्धांजलि संदेश साझा कर रहे हैं। जिले की सांसद, भाजपा पदाधिकारियों, जनप्रतिनिधियों तथा सामाजिक संगठनों ने भी पोस्ट और वीडियो संदेशों के माध्यम से इंस्पेक्टर आशीष शर्मा को श्रद्धांजलि अर्पित की है। सोशल मीडिया के साथ-साथ व्हाट्सऐप पर भी इंस्पेक्टर आशीष शर्मा को श्रद्धांजलि देने का सिलसिला लगातार जारी है। हर कोई उनकी तस्वीर को अपने व्हाट्सऐप स्टेटस पर लगाकर अंतिम विदाई दे रहा है और उनके बलिदान को याद करते हुए भावुक संदेश साझा कर रहा है।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष के स्वागत कार्यक्रम में कटी कार्यकर्ताओं की जेबें

भीड़ का फायदा उठाकर जेबकतरों ने की हाथ की सफाई, पीड़ितजनों ने थाने में शिकायत कर कार्यवाही करने की मांग की

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा।

राजनीति के जोश और स्वागत के शोर के बीच कब किसी की जेब हल्की हो जाये, इसका अंदाजा लगाना मुश्किल है। कुछ ऐसा ही वाकया गुरूवार को नगर मुख्यालय में देखने को मिला। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल के नगर आगमन पर जहां एक ओर कार्यकर्ता गर्मजोशी से उनके स्वागत में व्यस्त थे। वहीं दूसरी ओर भीड़ में छिपे शातिर जेबकतरे ने बड़ी ही सफाई से भाजपा कार्यकर्ता राजेश गोस्वामी, अंशुल खंडेलवाल सहित अन्य कार्यकर्ता के जेब काटकर जेब में रखे हजारों रूपये लेकर फरार हो गया। जब उनकी नजर उनके जेब पर पड़ी तो जेब कटी हुई थी एवं जेब में रखे रूपये गायब थे। वहीं एक अज्ञात व्यक्ति को किसी की जेब चेकिंग करते हुए देखा भी गया है जिसका वीडियों भी सामने आया है। लेकिन स्पष्ट नही हो पाया है वह व्यक्ति कहा का रहने वाला है और उसी ने जेब काटी होगी। वहीं घटना घटित होने के बाद पीड़ितजनों ने थाना पहुंचकर शिकायत दर्ज करवाकर अज्ञात जेबकतरों को पकड़कर सख्त कार्यवाही करने की मांग पुलिस प्रशासन से की है।

स्वागत में मशगूल थे कार्यकर्ता, अपना काम कर गये चोर

आपकों बता दे कि भाजपा के नवनियुक्त प्रदेशाध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल का पहली बार लालबर्रा आगमन हुआ था और भाजपा मंडल लालबर्रा के द्वारा लालबर्रा विश्राम गृह के सामने गुरूवार को स्वागत समारोह कार्यक्रम आयोजित किया गया था। वहीं भाजपा के प्रदेशाध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल के स्वागत के लिए सांसद श्रीमती भारती पारधी सहित पार्टी के बड़े नेता एवं जनप्रतिनिधि बड़ी संख्या में उपस्थित थे। गुरूवार को दोपहर करीब साढे तीन बजे भाजपा प्रदेशाध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल का काफिला जैसे ही लालबर्रा नगर मुख्यालय के विश्राम गृह पहुंचा तो कार्यकर्ताओं में उत्साह खासा नजर आया और आतिशबाजी, फूल-मालाओं एवं नारों के साथ उनका भव्य स्वागत किया गया। वहीं पार्टी के वरिष्ठ पदाधिकारी और सैकड़ों कार्यकर्ता अपने नेता की एक झलक पाने और उनका स्वागत करने के लिए उत्साहित थे। इसी धक्का-मुक्की और भारी भीड़ का फायदा जेबकतरों ने उठाया। जिस वक्त कार्यकर्ता अपने नेता के स्वागत में व्यस्त थे। उसी वक्त शातिर चोर ने बड़ी ही चालाकी से कई लोगों की जेबों पर हाथ साफ कर दिया। जिसमें भाजपा कार्यकर्ता राजेश गोस्वामी के जेब से 10 हजार रूपये, अंशुल खंडेलवाल के जेब से 20 हजार रूपये एवं अन्य कार्यकर्ताओं के जेब भी काटी है। इस तरह से शातिर जेबकतरों ने हजारों रूपये चोरी कर फरार हो गये। वहीं जानकारी यह भी मिल रही है कि शातिर जेबकतरे ने भाजपा प्रदेशाध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल के सुरक्षाकर्मी का भी जेब काटा है। स्वागत समारोह कार्यक्रम संपन्न एवं श्री खंडेलवाल का काफिला बालाघाट की ओर रवाना होने के पश्चात जब कार्यकर्ताओं और वहां मौजूद आम लोगों ने अपनी जेबें टटोलीं, तो उनके होश उड़ गए। कईयों की जेब से नकदी और पर्स गायब थे। खुशी का माहौल पल भर में मायूसी और गुस्से में बदल गया। पीड़ित एक-दूसरे से अपनी आपबीती सुनाते नजर आये लेकिन तब तक बहुत देर हो चुकी थी और जेबकतरे रफूचक्कर हो चुके थे।

पुलिस की सुरक्षा व्यवस्था पर उठे सवाल

भाजपा के प्रदेशाध्यक्ष श्री खंडेलवाल के स्वागत समारोह में घटित घटनाक्रम ने पुलिस की सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिये गये है। प्रदेश अध्यक्ष के आगमन को लेकर पुलिस बल विश्राम गृह में तैनात किया गया था। लेकिन पुलिसकर्मी की उपस्थिति के बावजूद जेबकतरे ने वारदात को अंजाम देकर निकल गये और पुलिस को इसकी भनक तक नहीं लगी। इस तरह से वीआईपी मूवमेंट के दौरान सुरक्षा की जिम्मेदारी संभालने वाली पुलिस का ध्यान केवल नेताजी के प्रोटोकॉल पर रहा, जबकि भीड़ में मौजूद असामाजिक तत्वों पर नकेल कसने में नाकाम साबित हुए। पीड़ितों का कहना है कि इतनी भीड़-भाड़ वाले कार्यक्रम में पुलिस की खुफिया निगरानी होनी चाहिए थी।

20 हजार रूपये हुए है चोरी - अंशुल

पीड़ित अंशुल खंडेलवाल ने बताया कि भाजपा प्रदेशाध्यक्ष श्री खंडेलवाल का लालबर्रा विश्राम गृह के सामने स्वागत कर रहे थे। तभी भीड़ का फायदा उठाते हुए मेरे जेब में रखे 20 हजार रूपये चोरी कर लिये गये। इसी तरह अन्य लोगों के भी जेबकतरों ने जेब काटकर रूपयों की चोरी की है। जिसका वीड़ियों भी सामने आया है, वह व्यक्ति कोई कार्यकर्ता नही है एवं लालबर्रा का भी नही है। श्री खंडेलवाल ने बताया कि थाने में घटना की शिकायत कर दी गई, पुलिस प्रशासन से मांग है कि अज्ञात जेबकतरों को पकड़कर सख्त कार्यवाही करें।

अज्ञात जेबकतरे को गिरफ्तार कर कठोर कार्यवाही करें पुलिस प्रशासन - राजेश

राजेश गोस्वामी ने बताया कि प्रदेशाध्यक्ष श्री खंडेलवाल के स्वागत समारोह में भीड़ का फायदा उठाकर जेब कतरे के द्वारा बहुत से कार्यकर्ताओं व आम जनता के जेब काटकर रूपये चोरी किये गये है। साथ ही यह भी जानकारी लग रही है कि प्रदेश अध्यक्ष की सुरक्षा में जो गनमैन मौजूद था, उसकी भी जेब काटी गई है। श्री गोस्वामी ने बताया कि जिसके द्वारा जेब काटकर यह चोरी की गई है उस व्यक्ति का वीडियों में उपलब्ध है, जो लोगों के जेब में हाथ डालते स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहा है। यह वीडियो टीआई साहब को उपलब्ध करवा दिया गया है, पुलिस प्रशासन से मांग है कि अज्ञात जेबकतरे को गिरफ्तार कर सख्त कार्यवाही करें ताकि इस तरह की घटनाओं की पुनर्रावृत्ति न हो सके।

इनका कहना है-

भाजपा प्रदेशाध्यक्ष के स्वागत कार्यक्रम में भीड़ का फायदा उठाकर अज्ञात चोर के द्वारा कार्यकर्ताओं के जेब काटकर रूपये निकाल फरार हो जाने की जानकारी मिली है। शिकायत के आधार पर मामले की जांच की जा रही है।

सुनिल चतुर्वेदी
थाना प्रभारी
लालबर्रा।

भारतीय संस्कृति ज्ञान परीक्षा आज

लालबर्रा विकासखण्ड के 2335 विद्यार्थी परीक्षा में होगें शामिल

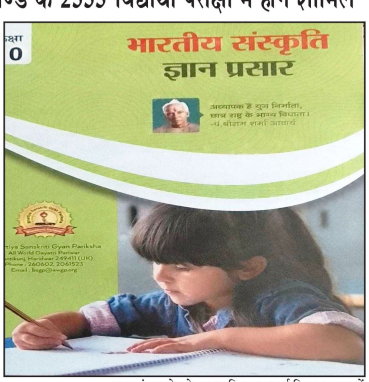

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। धार्मिक, नैतिक और सामाजिक संस्कारों के प्रसार हेतु अखिल विश्व गायत्री परिवार शांतिकुंज हरिद्वार के मार्गदर्शन में गायत्री परिवार द्वारा 21 नवंबर को प्रदेशभर में भारतीय संस्कृति ज्ञान परीक्षा का आयोजन किया गया है। इसी कड़ी में गायत्री परिवार लालबर्रा के द्वारा लालबर्रा विकासखण्ड में 21 नवंबर को दोपहर 12 बजे से भारतीय संस्कृति ज्ञान परीक्षा का आयोजन किया गया है और यह परीक्षा विकासखंड में बनाये गये परीक्षा केन्द्रों में संपन्न होगी। जिसकी तैयारी पूरी कर ली गई है। साथ ही इस परीक्षा में विकासखण्ड के कक्षा 5 वीं से 12 वीं तक के 2335 विद्यार्थी शामिल होकर ओएमआर सीट से पर्चा हल करेगें। चर्चा में गायत्री परिवार के ब्लाक समन्वयक विरेन्द्र बिसेन ने बताया कि गायत्री परिवार द्वारा आयोजित इस परीक्षा का आयोजन प्रतिवर्ष किया जाता है और परीक्षा में शामिल छात्रों को हिंदू धर्म, संस्कृति, भारतीय परंपरा, नैतिकता और समाजसेवा जैसे विषयों पर जानकारी दी जाती है एवं गायत्री परिवार के अनुसार विगत वर्षों से इस परीक्षा का आयोजन निरंतर किया जा रहा है एवं हर वर्ष आयोजित परीक्षा में विद्यार्थियों की संख्या बढ़ती जा रही है। श्री बिसेन ने बताया कि 21 नवंबर को प्रदेशभर सहित लालबर्रा विकासखण्ड में संस्कृति ज्ञान परीक्षा का आयोजन किया गया है और यह परीक्षा विभिन्न विद्यालय स्तर पर ली जा रही है। जिसमें नगर मुख्यालय स्थित सांदीपनी स्कूल लालबर्रा , शासकीय कन्या उमावि अमोली, सहित अन्य स्कूल शामिल है। साथ ही यह भी बताया कि संस्कृति ज्ञान परीक्षा में प्रतिवर्ष हजारों विद्यार्थी उत्साहपूर्वक परीक्षा में शामिल होते है और यह परीक्षा नैतिकता, समाजसेवा और भारतीय संस्कृति के प्रचार-प्रसार में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।

भाजपाईयों ने प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल का किया भव्य स्वागत

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल का पहली बार 20 नवंबर को लालबर्रा नगरागमन हुआ। इस अवसर पर जगह-जगह पार्टी के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ताओं के द्वारा श्री खंडेलवाल का भव्य स्वागत किया गया। भाजपा प्रदेशाध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल का दोपहर में बालाघाट जिले के प्रवेश नगरी कंजई में आगमन हुआ। जहां पार्टी के पदाधिकारियों ने उनका स्वागत किया। जिसके बाद उनका काफिला लालबर्रा की ओर प्रस्थान किया। इस दौरान जगह-जगह उनका स्वागत किया गया। वहीं लालबर्रा विश्राम गृह के सामने भाजपा मंडल लालबर्रा के द्वारा जमकर आतिशबाजी एवं पुष्पवर्षा कर भाजपा प्रदेशाध्यक्ष श्री खंडेलवाल का भव्य स्वागत एवं शाल, श्रीफल भेंट कर सम्मान किया गया। जिसके बाद भाजपा प्रदेशाध्यक्ष श्री खंडेलवाल ने उपस्थित कार्यकर्ता एवं पार्टी पदाधिकारियों से मुलाकात कर कार्यकर्ताओं के इस अभूतपूर्व स्नेह और समर्थन के लिए उनका आभार व्यक्त किया। साथ ही कार्यकर्ता एवं पदाधिकारियों से आगामी चुनावी रणनीति पर विचार-विमर्श कर संगठन को और अधिक मजबूत करने का आव्हान किया गया। जिसके बाद उनका काफिला बालाघाट के लिए रवाना हो गया। चर्चा में भाजपा मंडल लालबर्रा अध्यक्ष प्रसन्न अवधिया ने बताया कि भाजपा प्रदेशाध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल का पहली बार लालबर्रा आगमन हुआ था। जिनका लालबर्रा विश्राम गृह के सामने भव्य स्वागत किया गया। वहीं उनके इस आगमन से कार्यकर्ताओं को नई ऊर्जा मिली है और उनका मार्गदर्शन प्राप्त हुआ है। उनके निर्देश पर प्रदेश में संगठन को मजबूत कर पार्टी हित में काम किया जायेगा। इस अवसर पर सांसद श्रीमती भारती, जिला पंचायत सभापति डुलेन्द्र, मौसम बिसेन, भाजपा मंडल लालबर्रा अध्यक्ष प्रसन्न अवधिया, जनपद अध्यक्ष देवीलता ग्वालवंशी, उपाध्यक्ष किशोर पालीवाल सहित बड़ी संख्या में भाजपा पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

सभामंच के निकट बिरसा मुंडा की प्रतिमा स्थापित करने से आवागमन बंद होगा!!

रास्ते में हो रहे निर्माण कार्य पर रोक लगाने एवं सभामंच में ही प्रतिमा स्थापित करने की मांग की

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय की ग्राम पंचायत पांढरवानी के वार्ड नं. 11 हाई स्कूल मार्ग कृषि उपज मंडी काम्पलेक्स के पीछे, पोस्ट आफिस कार्यालय के सामने आदिवासी समाज संगठन के द्वारा पूर्व में बिरसा मुंडा की प्रतिमा विराजित की गई थी। जिसके बाद विधायक निधि से सभामंच स्वीकृत होने के बाद प्रतिमा को हटाकर सभामंच का निर्माण किया गया है जो बनकर तैयार हो चुका है। लेकिन पुराने स्थान पर प्रतिमा स्थापित न करते हुए निर्माणाधीन सभामंच समीप आने-जाने वाले रास्ते में प्रतिमा स्थापित करने के लिए आदिवासी समाज संगठन के द्वारा गड्डा खोदकर निर्माण किया जा रहा है। जिससे आवागमन का रास्ता बंद हो जायेगा और वार्डवासियों को आने-जाने एवं पोस्ट ऑफिस में आने वाले लोगों को परेशानियों का सामना करना पड़ेगा। पुराने स्थान सभामंच में ही प्रतिमा स्थापित किये जाने एवं आवागमन के रास्ते पर किये जा रहे निर्माण कार्य पर रोक लगाकर वैधानिक कार्यवाही करने की मांग लेकर गुरूवार को लालबर्रा के वार्ड नं. 11 के वार्डवासियों ने नायब तहसीलदार मयंक मिश्रा को ज्ञापन सौंपा है। और नायब तहसीलदार से आने-जाने वाले रास्ते पर निर्माण किया जा रहा है उस पर रोक लगाने की मांग की है। ज्ञापन में उल्लेख किया गया है कि हाई स्कूल मार्ग पोस्ट आफिस कार्यालय के सामने आदिवासी समाज संगठन का सभामंच बनकर तैयार हो चुका है एवं समाज को सौंप भी दिया गया है जिस स्थान पर शहीद बिरसा मुंडा की प्रतिमा स्थापित किया जाना न्यायोचित होगा। लेकिन आदिवासी समाज संगठन के द्वारा बिना किसी अनुमति के मनमानी करते हुए आवागमन के मार्ग को बाधित कर प्रतिमा स्थापित करने के लिए रास्ते में गड्डा खोदकर निर्माण किया जा रहा है। जिससे आने-जाने वालों को परेशानियों का सामना करना पड़ेगा। बिना अनुमति लिये रास्ते को बंद करने का जो कार्य किया जा रहा है जिससे वार्डवासियों में आक्रोश व्याप्त है। वहीं वार्ड नं. 11 लालबर्रा के वार्डवासियों ने गुरूवार को तहसीलदार को ज्ञापन सौंपकर आवागमन के रास्ते में आदिवासी समाज संगठन के द्वारा जो निर्माण कार्य प्रतिमा स्थापित कर रास्ते को बंद करने का जो कार्य किया जा रहा है। उस पर रोक लगाकर आदिवासी समाज संगठन के लोगों पर वैधानिक कार्यवाही करने की मांग की है एवं मांगे पूरी नही होने पर विरोध प्रदर्शन करने की चेतावनी भी प्रशासन को दिया है। मांग करने वालों में सागर अवधिया, प्रसन्न अवधिया, ज्ञानचंद शर्मा, गणेश माते, कार्तिक अवधवाल, जेके पाठक, आशीष पाठक, सुधीर जैन, शरद जैन, सुनिल अवधिया, सुदर्शन अवधिया, अभय जैन, सचिन अवधिया, दिनेश अवधिया, उमेश मरठे सहित अन्य वार्डवासी शामिल है।

आवागमन होगा बाधित - कार्तिक

कार्तिक अवधवाल ने बताया कि आदिवासी समाज संगठन को सभामंच निर्माण के लिए पंचायत के द्वारा जगह आवंटित की गई थी और सभामंच बन चुका है। उसी स्थान पर प्रतिमा स्थापित होना चाहिए परन्तु आदिवासी समाज संगठन के द्वारा आने-जाने वाले रास्ते पर प्रतिमा स्थापित करने के लिए गड्डा खोद दिया गया है जिससे आवागमन बाधित हो जायेगा और सभी को आने-जाने में परेशानी होगी।

किसी की भावना को आहत पहुंचाना हमारा उद्देश्य नही - सुरेन्द्र

सुरेन्द्र कालरा ने बताया कि हाई स्कूल मार्ग स्थित चौक के आसपास दुकाने है, पोस्ट आफिस कार्यालय एवं सब्जी मार्केट जाने का रास्ता है। लेकिन आदिवासी समाज संगठन के द्वारा सभामंच में प्रतिमा स्थापित न करते हुए आने-जाने के रास्ते में प्रतिमा स्थापित करने के लिए निर्माण किया जा रहा है जो गलत है, जिससे रास्ता बंद हो जायेगा। हमारी मांग है कि शहीद बिरसा मुंडा की प्रतिमा को ससम्मान सभामंच में ही स्थापित करें, हम किसी की भावना को ठेस नही पहुंचाना चाहते।

सभामंच में ही प्रतिमा स्थापित की जाये - आशीष

आशीषकुमार पाठक ने बताया कि शहीद बिरसा मुंडा की मूर्ति स्थापना स्थल पर सभामंच का निर्माण कर दिया गया है उसके बावजूद उस स्थान पर प्रतिमा स्थापना ना करते हुए सभामंच के समीप आने-जाने वाले रास्ते में स्थापित करने के लिए निर्माण किया जा रहा है जिससे आवागमन बाधित हो जायेगा। इसलिए गुरूवार को तहसीलदार को ज्ञापन सौंपकर कार्य को रूकवाने एवं पुराने स्थान पर ही प्रतिमा स्थापित करवाने की मांग की है।

इनका कहना है-

लालबर्रा के वार्ड नं. 11 के वार्डवासियों ने ज्ञापन सौंपा है कि पोस्ट आफिस कार्यालय के सामने आदिवासी समाज संगठन का सभामंच बना हुआ है। लेकिन वर्तमान में सभामंच में शहीद बिरसा मुंडा की प्रतिमा विराजित न करते हुए प्रतिमा स्थापित करने के लिए आवागमन के रास्ते को बंद कर कार्य किया जा रहा है। वार्डवासियों की शिकायत पर पटवारी को तत्काल निर्माण स्थल भेजकर कार्य को रूकवा दिया गया है।

मयंक मिश्रा
नायब तहसीलदार
लालबर्रा।

ग्रामीणों के लिये कोस्ते-थानेगांव सड़क नारकीय मार्ग बना!!

इस मार्ग का निर्माण के लिये अधिकारी नही दे रहे ध्यान

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी।

वारासिवनी जनपद पंचायत अंतर्गत ग्राम पंचायत कोस्ते से थानेगांव मार्ग की हालत खस्ताहाल हो गई है। यह मार्ग पूर्व से कच्चा बना हुआ है जिसे पक्का बनाने या सुदूर सड़क के तहत पुन:र्निर्माण नहीं किया गया है। जिसके कारण मरम्मत और देखरेख के अभाव में मार्ग बहुत ज्यादा खराब हो चुका है, रास्ते में भयंकर बड़े बड़े गड्ढे के साथ धूल के गुब्बारे उड़ रहे हैं। जो राहगीर को बहुत ज्यादा परेशान कर रहे है यह मार्ग पर सीधा चलना भी मुश्किल होता जा रहा है। हालांकि मार्ग का उपयोग सर्वाधिक ग्राम के विद्यार्थी एवं ग्रामीण जन सहित किसान रोजाना करते हैं। जिनके द्वारा मार्ग के पक्के निर्माण की मांग शासन प्रशासन से की जा रही है, किंतु प्रशासनिक अधिकारियों के द्वारा इस पर कोई ध्यान नहीं दिया गया है जिससे यह सड़क खस्ताहाल बनी हुई है।

धूल के गुब्बारे स्वास्थ्य पर डाल रहे असर

ग्राम पंचायत कोस्ते से थानेगांव के लिए यह एकमात्र मार्ग बाईपास के रूप में बना हुआ है। जहां से ग्राम के लोग थानेगांव ,गर्रा ,रामपायली जैसे ग्रामीण क्षेत्र के लिए इस मार्ग का उपयोग करते हैं। तो वहीं अन्य लोग भी इसी मार्ग से कोस्ते आते हैं इसमें सबसे ज्यादा उपयोग मार्ग पर स्थित खेती के लिए किसान और थानेगांव हाई स्कूल आने के लिए विद्यार्थी रोजाना करते हैं। तो वहीं ग्रामीणजन इस मार्ग से वारासिवनी मुख्यालय जाते हैं ऐसे में मार्ग पर बहुत ज्यादा समस्या का लोगों को सामना करना पड़ रहा है। क्योंकि पूरे मार्ग में बडे बड़े गड्ढे हो गए हैं क्योंकि बीती बरसात में यहां मार्ग चलने लायक नहीं था। कीचड़ से भरा था जहां पैर फंस रहे थे अब सुखे दिन में पूरे मार्ग पर धूल की परत बैठ चुकी है। जो स्कूल वैन ,ट्रैक्टर सहित अन्य प्रकार के बडे बड़े वाहन आने जाने पर बड़े.बड़े गुब्बारे उड़ने लगते हैं। जो लोगों के घरों पर पेड़ पौधों पर और घरो के अंदर तक जा रहे हैं जिससे लोगों के स्वास्थ्य पर बहुत ज्यादा खराब प्रभाव पड़ रहा है। सड़क किनारे निवासरत लोगों को डॉक्टर के पास जाने से आर्थिक हानि भी सहन करनी पड़ रही है। इस प्रकार से बहुत ज्यादा समस्या हर किसी व्यक्ति के साथ बनी हुई है और उनके द्वारा मार्ग निर्माण की मांग की जा रही है। ताकि सुरक्षित हर कोई आवागमन कर सके वर्तमान में मार्ग की खराब स्थिति के कारण दुर्घटना भी घटित होती जा रही है। ऐसे में कई बार विद्यार्थियों को कपड़े खराब होने से वापस घर लौटना पड़ रहा है।

रोड़ पूरा जर्जर हो गया सुखा मौसम में धूल के गुब्बारे उड़ रहे है-बाबूलाल

ग्रामीण बाबूलाल बिसेन ने बताया कि रोड़ पूरा जर्जर हो गया है अभी सुखा मौसम है तो धूल के गुब्बारे उड़ रहे हैं। बारिश के समय इतना कीचड़ था की पैर रखना मुश्किल था कीचड़ में पैर खप जाता था। परेशानी हर समय यहां पर बनी हुई है और रोड़ की सबसे ज्यादा समस्या आवागमन करने वालों को है। उनके साथ उड़ने वाली धूल जो हमारे घरों तक आ रही है ,वह हमे और हमारे बच्चों के स्वास्थ्य पर असर डाल रही है बीमारी से परेशान होना पड़ रहा है। जब स्कूल वैन जाती है तो २ मिनट तक धूल के गुब्बारे में कुछ समझ नहीं आता है।

इस मार्ग से बरसात में चलना दूर्भर हो जाता है-सत्यप्रकाश

पंच सत्यप्रकाश बिसेन ने बताया कि कोस्ते से थानेगांव मार्ग यह हमारे समीप का है इस पर गांव के किसान और विद्यार्थियों का आना जाना लगा रहता है। बहुत दिक्कत है बरसात में चलना दूर्भर हो जाता है यहां से स्कूल वैन सहित कई प्रकार के वहां आना जाना करते हैं। पंचायत में प्रयास किया परंतु तकनीकी खामी रही सरकार टीएस नहीं देती और सब क्लियर हो जाए तो प्रशासन अड़ंगा लगा देता है। इसे बनाने के लिए मुख्यमंत्री शिकायत पोर्टल पर शिकायत भी की गई है, पर अधिकारी दबाव बनाते हैं हर छोटे आदमी को हर कोई दबाता है। सरपंच के हाथ बांधकर रख दिए हैं नियम पूरे शिथिल है प्रशासन को यहां पर गौण खनिज या किसी भी मद से सड़क बननी चाहिए।

समस्या इस सड़क की है शिकायत भी कियें कुछ नही हो रहा है-दीवान

उपसरपंच दीवान चौधरी ने बताया कि सबसे बड़ी समस्या इस सड़क की है विद्यार्थी यहां गिरकर घायल होते हैं और रोजाना आना जाना करते हैं। गांव के किसान भी खेती कार्य के लिए जाते हैं कई बार वह अकेले या खाना ले जाते समय गिर जाते हैं। यहां से सीधा थानेगांव का जाने का मार्ग है वरना फेरे से हमें वारासिवनी नहीं होते जाना होगा। जो दिक्कत का है यहां पर हर किसी की समस्या है जिसके लिए १८१ पर शिकायत भी करें है। शिकायत कियें २ साल होते आ रहे हैं पहले ही यह बनने लायक हो गई थी पर बनी नहीं ३ वर्ष से यह और ज्यादा खराब हो गई है। धूल उड़ रही है गड्ढे हो गए हैं आने.जाने में दिक्कत है।

चाचा पर प्राणघातक हमले के आरोपी भतीजा गिरफ्तार

जादू टोने के शक पर युवकों ने किया था अपराध

पद्मेश न्यूज।वारासिवनी। वारासिवनी पुलिस थाना अंतर्गत ग्राम पंचायत नांदगांव में बीते दिनों जादू टोने के शक पर दो भतीजे ने अपने चाचा को धारदार हथियार से लहू लुहान कर दिया था। मामले में पुलिस ने आरोपी दोनों भतीजे विशाल कोकोटे और आशीष कोकोटे को गिरफ्तार कर २० नवंबर को न्यायालय में न्यायिक मजिस्ट्रेट की अदालत में पेश किया गया। जहां न्यायाधीश ने अपराध की गंभीरता देख दोनों को जेल भेज दिया। प्राप्त जानकारी के अनुसार १७ नवंबर २०२५ को छदम सिंह पिता वैसाबू सिंह कोकोटे जाति गोंड उम्र ६२ वर्ष निवासी नांदगाँव घायल अवस्था में सिविल अस्पताल में लाया गया था। जहां अस्पताल तहरीर क्रमांक ३०९/२५ की जांच करने पुलिस अस्पताल पहुंची। आहत प्रार्थी छदम सिंह कोकोटे पिता वैसाबू जाति गोंड उम्र ६२ वर्ष निवासी नांदगाँव ने बताया की मैं नांदगांव का निवासी हूँ खेती मजदुरी का काम करता हूँ। १७ नवंबर की रात्री करीबन १० बजे की बात है मैं अपने घर में था। उसी समय मेरे गांव के विशाल कोकोटे और आशीष कोकोटे आये और मेरे से बोले कि चल काका गाँव के चौक तरफ घुम कर आते है। फिर मुझे शेरपार नाले के पास ले गये फिर विशाल और आशीष दोनो लोग मेरे को जादू करता है कहकर गालियां देने लगे। इतने में विशाल ने अपने पास रखा चाकू निकाल लिया और आशीष ने मुझे पकड लिया विशाल ने मुझे जान से मारने की नियत से चाकू से मेरे गले पर वार किया। जो मुझे गले पे दो तीन जगह गहरी चोट लगी और खून निकलने लगा मैने चाकू का वार रोकने का प्रयास किया तो मेरे दोनो हाथों में चाकू की चोट लगी है। फिर मैं दोनो को धक्का देकर भागा और जैसे तैसे रात्रि में शेरपार चौकी के पास अपने रिस्तेदार बेनीराम टेकाम के यहाँ पहुंचा। फिर सुबह अपने भाई पदम कोकोटे ,नाती अमन कोकोटे के साथ वारासिवनी अस्पताल आकर ईलाज करवाया हूँ। पुलिस ने घायल छदम सिंह पिता वैसाबू सिंह कोकोटे उम्र ६२ वर्ष निवासी नांदगाँव की रिपोर्ट पर विशाल कोकोटे पिता मनीराम कोकोटे उम्र २४ वर्ष निवासी नांदगाँव थाना वारासिवनी ,आशीष कोकोटे पिता केहरसिहं कोकोटे उम्र २२ वर्ष निवासी नांदगाँव थाना वारासिवनी के खिलाफ अपराध क्रमांक ६८०/२५ भारतीय न्याय संहिता की धारा १०९ (१), २९६ (बी), ३/५ के तहत अपराध पंजीकृत कर जांच में लिया गया। वहीं घटना के बाद दोनों आरोपी फरार चल रहे थे जिन्हें पुलिस के द्वारा संघन तस्दीक कर मुखबीर सूचना के आधार पर गिरफ्तार कर न्यायालय के समक्ष पेश किया गया जहां से न्यायालय ने उन्हें जेल भेज दिया।

नक्सल अभियान में शहीद आशीष शर्मा को दी गई श्रद्धांजलि

उनके सर्वोच्च बलिदान को याद कर परिवार को शक्ति देने की कामना

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। नगर के जय स्तंभ चौक शहीद स्मारक पर २० नवंबर की संध्या पर ड्रीम वुमन संगठन के तत्वाधान में श्रद्धांजलि कार्यक्रम आयोजित किया गया। यह श्रद्धांजलि नक्सल अभियान में शहीद हाक फोर्स इंस्पेक्टर आशीष शर्मा के लिए रखी गई। जिसमें संगठन की महिलाओं सहित पुलिस अधिकारी उपस्थित हुए। जिनके द्वारा शहीद स्मारक पर पुष्प गुच्छ चढ़कर मोमबत्ती जलाकर और पूरे शहीद स्मारक को दीपक के प्रकाश से जगमगा कर श्रद्धांजलि दी गई। वहीं २ मिनट का मौन धारण कर हाक फोर्स इंस्पेक्टर आशीष शर्मा की शहादत को याद किया। उनके परिजनों परिचितों और सहकर्मियों को यह दुख सहन करने की क्षमता प्रदान करने ईश्वर से कामना की गई। विदित हो कि बोरतलाव एनकॉउंटर में मध्यप्रदेश हाँक फोर्स किन्ही केम्प का जाबांज इंस्पेक्टर कनघुर्रा के जंगल में शहीद हो गया था। यह छत्तीसगढ़ का इलाका था जहां दोनों राज्यों की ज्वाइंट ऑपरेशन में शहीद ३२ वर्षीय आशीष शर्मा बालाघाट हॉक फो़र्स का नेतृत्व कर रहे थे। इस दौरान उन्हें नक्सलियों की दो गोलियां लगी तत्काल डोंगरगढ़ चिकित्सकीय टीम ने बचाने की पूरी कोशिश की किन्तु उन्हें बचाया नहीं जा सका। आपको बता दे की हाक फोर्स में इंस्पेक्टर आशीष शर्मा को वीरता के लिए दो बार राष्ट्रपति का पदक मिल चुका है। यह पदक और आज उनका सर्वोच्च बलिदान उनके अदम्य साहस पराक्रम योजना कौशल और उससे भी बढ़कर उनके अंदर की देशभक्ति को बताता है। पदमेश से चर्चा में वर्षा सोनी ने बताया कि हमारे ड्रीम वुमेन संगठन के द्वारा श्रद्धांजलि कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। जब हमे यह सूचना मिली कि हमारा बालाघाट में हाक फोर्स इंस्पेक्टर जो नक्सल अभियान में बालाघाट हाक फोर्स का नेतृत्व कर रहे थे। उन्होंने अभियान के दौरान अपना सर्वोच्च बलिदान देकर शहादत हासिल की जिससे हम सभी अचंभित रह गए। हमारे अंदर आज भावनाओं का ज्वार है यह शहादत निश्चित गर्व का विषय है ,परंतु परिवार के एक व्यक्ति के चले जाने से पूरे परिवार को क्षति होती है माता पिता पत्नी भाई सभी की आकांक्षाएं समाप्त हो जाती है। आशीष शर्मा ने कर्तव्य पथ पर अपनी शहादत देखकर अपना सर्वोच्च बलिदान दिया है आज उसी को याद करने हम यहां पर उपस्थित हुए हैं। ईश्वर से यही कामना करते हैं कि उन्हें अपने चरणों में स्थान दें उनके परिवार को दुख सहन करने की शक्ति प्रदान करें। इस अवसर पर अध्यक्ष वर्षा सोनी,सविता सोनी, ममता बंसोडकर, सरोज शुक्ला, भारती आडे, संध्या राणा,दीपा भंगारे, मालती सोनी, साधना पटले,महलसिंह धुर्वे, अवधेश चौधरी, रामप्रसाद भरने, राजकुमारी मडावी सहित अन्य नगरवासी व पुलिस अधिकारी मौजूद रहे।

कटंगी नगर में 6 माह से बंद पड़े हैं सीसीटीवी कैमरे

अपराधी निरकुंश आए दिन हो रही चोरी की वारदातें

पद्मेश न्यूज ।कटंगी। जिले के कटंगी थाना क्षेत्र में बीते दिनों डबल मर्डर की दो बड़ी वारदातें हुई। इन वारदातों में पति-पत्नी की निर्मम हत्या कर दी गई। पहली घटना 14 सितंबर को थाना क्षेत्र के ग्राम मोहगांव में हुई जहां बिसेन दंपत्ति की घर में घुसकर निर्मम हत्या कर दी गई। दूसरी घटना 05-06 नवंबर की दरमियानी रात्रि को थाना से महज 01 किमी. दूर अर्जुननाला में हुई। जहां हांके दंपत्ति की निर्मम हत्या हुई थी। हालांकि हांके दंपत्ति की हत्या के 24 घंटों के भीतर ही पुलिस ने आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस सीसीटीवी कैमरों में कैद हुई तस्वीरों के आधार पर आरोपियों को गिरफ्तारी करने में सफल हो पाई। डबल मर्डर की इन दो ब ?ी वारदातों के बीच कटंगी शहर और थाना क्षेत्र में करीब दर्जन भर से अधिक चोरी की वारदातें हुई। शहर में मंदिर, दरगाह और दुकानों को चोरों ने अपना निशाना बनाया। मगर, किसी भी चोरी को अंजाम देने वाले चोरों का पुलिस पता नहीं लगा पाई। वजह, शहर में तीसरी आंख यानी सीसीटीवी कैमरों को बंद होना माना जा रहा है। क्षेत्र में आए दिन होने वाली चोरी की घटनाओं और दो डबल मर्डर की वारदातों ने दुकानदार से लेकर स्थानीय रहवासियों में डर का माहौल है जो लोग पहले बेखौफ होकर रात को चैन से सोते थे आज हल्की सी आहट उनकी नींद उड़ा देती है। लोगों को इस बात का डर हमेशा ही सताता है कि कहीं घर में चोर या कोई हत्यारा तो नहीं घुस आया है।

मॉडल शहर के नाम पर करीब 05 वर्ष पूर्व नगर परिषद ने लाखों रुपए खर्च कर शहर के अलग-अलग हिस्सों में सीसीटीवी कैमरे लगवाएं थे। पूर्व पार्षद योगराज ठाकरे के मुताबिक कमीशनखोरी के चलते घटिया कैमरे खरीदे गए। जिस कारण 06 माह में ही कैमरे खराब हो गए। एक कैमरे में आगजनी की भी घटना हो गई थी। ग्वालियर की किसी कंपनी से कैमरों की खरीददारी की गई थी। कैमरों के बंद होने के बाद समय-समय पर इन्हें शुरू करवाने की मांग की गई यहां तक की शांति समिति की बैठकों में भी इस विषय को उठाया गया बावजूद इसके आज तक बंद कैमरों को शुरू नहीं किया गया है। कैमरों की घटिया क्वालिटी होने का अंदाजा तो इसी से लगाया जा सकता है कि 06 माह में ही अधिकांश कैमरे बंद हो गए थे। गौरतलब हो कि अपराधों की रोकथाम, शहर की सुरक्षा में सुधार, और सार्वजनिक व्यवस्था बनाए रखने के लिए शहर में सीसीटीवी कैमरों का होना बेहद आवश्यक हैं। क्योंकि चोरी और अन्य किसी भी अपराध के बाद आरोपियों को पकड़ने में कैमरे साक्ष्य के तौर पर कार्य करते हैं. सीसीटीवी के लगे होने से अपराधियों में डर का माहौल रहता है लेकिन इन कैमरों के बंद होने से लोगों में भय का माहौल बना हुआ है।

बीते दिनों अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक निहित उपाध्याय ने हांके दंपत्ति की हत्या का खुलासा करते हुए लोगों से सीसीटीवी कैमरे लगाने की अपील की थी। शहर के जागरूक युवा नवीन चौकसे का कहना है कि आर्थिक रुप से सक्षम व्यक्ति तो अपने घरों और प्रतिष्ठानों में सीसीटीवी कैमरे लगा सकता है लेकिन कमजोर वर्ग के लिए सीसीटीवी कैमरे लगाना यानी अतिरिक्त का खर्च है। शहर में नगर परिषद ने जो कैमरे लगाए थे उन्हें फिर से शुरू करना चाहिए। सिनेमा चौक के होटल संचालक संजय चौरसिया का कहना है कि पुलिस की नाकामी के कारण भी शहर में आपराधिक गतिविधियों में इजाफा हुआ हैं। पहले रात्रि के वक्त जगह-जगह पुलिस पाइंट बनाकर पुलिस कर्मचारियों की ड्यूटी लगाई जाती थी लेकिन अब केवल गश्ती ही की जाती है। इसमें भी पुलिस का सायरन सुनकर चोर और सर्तक हो जाते है। व्यवसायी पवन अग्रवाल का कहना है कि आज नागरिकों में डर का माहौल बना हुआ है। शहर में सीसीटीवी कैमरों की नितांत आवश्यकता है। क्योंकि कैमरों से ना सिर्फ आपराधिक गतिविधियों पर नजर रखी जा सकती है बल्कि यातायात प्रबंधन व सार्वजनिक स्थानों पर लोगों के व्यवहार पर नजर रखने में मदद मिलती है।

बालाघाट रेत का अवैध खनन एवं परिवहन करते 3 ट्रेक्टर जब्त

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। कलेक्टर मृणाल मीना के निर्देश पर खनिज विभाग के अधिकारियों द्वारा जिले में खनिज के अवैध उत्खनन एवं परिवहन पर सतत कार्यवाही की जा रही है। इसी कड़ी में 18 नवम्बर को तिरोड़ी तहसील के अंतर्गत ग्राम बड़पनी में रेत का अवैध खनन एवं परिवहन करते पाए जाने पर 3 ट्रेक्टर एवं 1 लोडर को जब्त किया गया है।

उपसंचालक खनिज सुश्री फरहत जहां ने बताया कि 18 नवम्बर को नायब तहसीलदार श्री पी एल संडीया तहसील तिरोड़ी, चौकी प्रभारी तरूण सिंह चौहान चौकी महकेपार खनि निरीक्षक सुरेश कुमार कुलस्ते, प्र खनि निरीक्षक दुर्गेश डहेरिया म0 प्र0 स्टेट कार्पोरेशन से पी एल लक्ष्यकार राजेंद्र शिव कुमार ध्रुवे पुलिस चौकी महके पार होमगार्ड चौहान,परसराम काकोटे, मोहन जैतवार की टीम द्वारा ग्राम धपेरा में छापामार कार्यवाही की गई। इस दौरान रेत के अवैध खनन एवं परिवहन में लिप्त पाए जाने पर ट्रेक्टर क्रमांक एमपी-54-एए-1198 वाहन चालक सत्यपाल बोरकर पिता ब्रज लाल बोरकर निवासी बड़पानी, ट्रेक्टर क्रमांक एमपी-50-एएए-2904 वाहन चालक जितेन्द्र पिता भजन लाल पिछोडे एवं ट्रेक्टर क्रमांक एमपी-50-एएए-2833 एवं एक लोडर को जब्त कर चौकी महकेपार की अभिरक्षा में खड़ा कराया गया है।

इसी प्रकार अवैध खनन खनिज रेत का 01 प्रकरण तहसील लांजी अंतर्गत ग्राम बापड़ी वाहन ट्रेक्टर ट्रॉली को जप्त कर थाना लांजी की अभिरक्षा में खड़ा कराया गया एवं 01 प्रकरण तहसील लालबर्रा अंतर्गत ग्राम पनबिहारी में प्रकरण पंजीबद किया गया उक्त वाहनो के मालिको / चालकों के विरूद्ध मप्र खनिज (अवैध खनन, परिवहन तथा भंडारण का निवारण) नियम,2022 के अंतर्गत प्रकरण दर्ज कर कार्यवाही के लिए कलेक्टर न्यायालय में प्रस्तुत किया जा रहा है।

बालाघाट एक्सप्रेस

संपादकीय

सत्य एक व्रत की तरह है

सत्यमेव व्रतं यस्य दया दीनेषु सर्वदा।
कामक्रोधौ वशे यस्य स साधुः - कथ्यते बुधैः।।

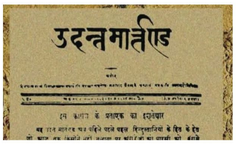

कुख्यात नक्सली कमांडर माडवी हिडमा का मारा जाना देश में माओवादी आंदोलन के लिए अब तक का सबसे बड़ा झटका है। अमूमन किसी बड़े नक्सली नेता के मारे जाने पर कोई दूसरा उसकी जगह ले लेता है, लेकिन अब स्थिति अलग है।

बड़ी कामयाबी का निहितार्थ

छत्तीसगढ़ और तेलंगाना की सीमा पर आंध्र प्रदेश के अल्लूरी सीतारामराजू जिले के घने जंगलों में हुई निर्णायक मुठभेड़ में कुख्यात नक्सली कमांडर माडवी हिडमा का मारा जाना देश में माओवादी आंदोलन के लिए अब तक का सबसे बड़ा झटका सिर्फ इसलिए नहीं है, क्योंकि यह नक्सलवाद के इतिहास में सुरक्षाबलों पर किए गए सबसे क्रूर हमलों का रणनीतिकार था, बल्कि इसलिए भी है कि वह एक थके हुए, अप्रासंगिक व अंत की कगार पर खड़े आंदोलन को प्रेरणा दे सकने वाला आखिरी व्यक्ति हो सकता था। हिडमा कोई साधारण माओवादी नहीं था। करीब तीन दशकों तक उसका नाम बस्तर के जंगलों में एक मिथक की तरह घूमता रहा। छत्तीसगढ़ के सुकमा जिले के पुवर्ती गांव में जन्मा यह आदिवासी युवक 1990 के दशक में संगठन से जुड़ा और तेजी से ऊपर उठा। यह बस्तर क्षेत्र का इकलौता आदिवासी था, जो सेंट्रल कमेटी तक पहुंचा। उसके नाम 26 से अधिक

बड़े हमले दर्ज हैं, जिनमें सैकड़ों जवानों और निर्दोषों की जान गई। यह सफलता इसलिए भी ऐतिहासिक है, क्योंकि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने सुरक्षा अधिकारियों को हिडमा को खत्म करने के लिए 30 नवंबर तक का समय दिया था, लेकिन यह कार्य डेडलाइन से 12 दिन पहले ही पूरा कर लिया गया। हाल ही में, सुरक्षाबलों द्वारा एक अन्य बड़े इनामी नक्सली प्रमुख बसवराजू के मारे जाने के अलावा भी पिछले कुछ महीनों में कई नामचीन नक्सली या तो मारे जा चुके हैं या आत्मसमर्पण कर चुके हैं। अब बचे-खुचे नक्सली सीधे टकराव से बचते हुए छोटे-छोटे समूहों में बिखर सकते हैं। इससे पैदा हुई युद्धविराम जैसी स्थितियों में उन पर बातचीत के लिए दबाव बनाया जा सकता है।

नक्सलवादी इतिहास बताता है कि किसी बड़े नक्सली नेता के मारे जाने पर कोई दूसरा उसकी जगह ले लेता है, लेकिन अब स्थिति अलग है। देश से नक्सलवाद के खात्मे के लिए गृह मंत्रालय की तरफ से मार्च, 2026 की समयसीमा निर्धारित की गई है, लेकिन जिस तरह से माडवी हिडमा के खात्मे के अगले ही दिन सात और नक्सली ढेर व करीब 50 गिरफ्तार किए जा चुके हैं, उसे देखते हुए देश में नक्सलवाद का अंत भी समयसीमा से पहले हो जाए, तो हैरत नहीं होनी चाहिए। हालांकि, नक्सलवाद से मुक्ति नजदीक होने के उत्साह में यह नहीं भूला जाना चाहिए कि यह एक सामाजिक-आर्थिक समस्या अधिक थी, जिसे बंदूक की नली से जोड़कर हिंसक बना दिया गया। ऐसे में यह जरूरी है कि देश में नक्सलवाद के खात्मे से उपजे शून्य को स्कूल, सड़कों और अस्पताल जैसी जन कल्याणकारी गतिविधियों से भरा जाए, ताकि भविष्य में ऐसे किसी आंदोलन की जरूरत ही न रह जाए।

विश्व राजनीति वाम और दक्षिण में उलझा यूरोप

यूरोपीय राजनीति में 'फार राइट' फिर 'सेंटर लेफ्ट' और फिर.... का सिलसिला एक पैटर्न बनता दिख रहा है। ऐसे में, प्रश्न उठता है कि आप्रवासियों जैसे मुद्दे वास्तविक हैं या फिर केवल फोबिया। 2015 में शार्ली हेब्दो के दफ्तर में कत्लेआम या विएना के आतंकी हमले सिर्फ फोबिया के उदाहरण पेश नहीं करते।

वैचारिक और तकनीकी विकास के अर्थों में आज के यूरोप को देखने की कोशिश करते समय न जाने वह यूरोप क्यों नहीं दिखता, जो पुनर्जागरण के उस बुद्धिमत्तावाद से निर्मित हुआ था, जिसमें एक 'नए मानव' (न्यू मैन) और एक 'नई दुनिया' (न्यू वर्ल्ड) की खोज की ताकत थी। शायद उसी के दम पर उसने पूरी दुनिया पर कई सदियों तक शासन किया। लेकिन अब वही यूरोप इंद्रों का शिकार दिख रहा है। उसमें आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के युग में नई प्रतिस्पर्धा की महत्वाकांक्षा तो दिख रही है, लेकिन वह 'फार राइट' (दक्षिणपंथ) और 'सेंटर लेफ्ट' (मध्य मार्ग) के संघर्ष में उलझ गया है। सच में यह विचार करने का समय है कि उस कालखंड में जब बद्दुओं के (प्राचीन संदभों में अरब) देश दुनिया के टैलेंट को आकर्षित करने के लिए 'टैलेंट अट्रैक्शंस एंड रिटेंशन' जैसे मंत्रालयों का गठन कर रहे हैं, तब यूरोप के देश प्रवासन पर लेफ्ट राइट कर रहे हैं।

यूरोप से प्रकाशित एक अखबार को पढ़ते समय एक संदर्भ में आयरिश लेखक डब्ल्यू बी यीट्स की पुस्तक द सेकंड कमिंग की उन पंक्तियों का जिक्र मिला, जिनमें आज भी यूरोप के विश्लेषक सूत्र सूत्र खोजने की कोशिश कर रहे हैं, विशेषकर तब, जब वहां कोई राजनीतिक संकट उभर कर सामने आता है। इसके साथ ही, उनकी कविता की एक पंक्ति और लिखी थी, जिसमें कहा गया है- 'सबसे अच्छे लोग अपने विश्वास को खो चुके हैं और सबसे बुरे लोग पूरी ऊर्जा से भरे हुए हैं।' तो क्या सच में आज के यूरोप की राजनीति का यही हाल है? यह बात तब भी खटकी थी, जब पूरे यूरोप में 'फार राइट' यानी दक्षिणपंथ की बयार तेज थी, लेकिन ब्रिटेन के नव उद्योगवादी और नव बाजारवादी कंजर्वेटिव समाजवाद के थपेड़ों को झेल नहीं पाए थे।

यह तो सभी ने देखा ही होगा कि जिस ब्रिटेन के लोग कुछ साल पहले तक सेंटर लेफ्ट लेबर पार्टी के 'क्वासी नेशनलिस्ट' और 'क्वासी लिबरल' एप्रोच को खारिज कर रहे थे, वही आखिर में कंजर्वेटिव्स के राष्ट्रवाद से मुंह मोड़ लिए, आखिर क्यों? वे ठीक 180 डिग्री कैसे घूम गए? यही सवाल अब नीदरलैंड को देखकर भी किया जा रहा है, जहां मतदाताओं ने, जो मुख्यधारा के दलों से निराश और क्रोधित थे, उन उम्मीदवारों की ओर रुख किया, जो सिस्टम विरोधी छवि पेश करते हैं, जिसके कारण अतिवादी शक्तियां वोट बटोर ले जाती हैं। लेकिन जब फार राइट्स (दक्षिणपंथी) वाले दल सत्ता में आए, तो जनता कुछ ही दिनों में उनसे दूर होने लगी। इस मोहभंग का असल कारण क्या है? 'सेंटर लेफ्ट' (वाम मार्गी) का लंबा अनुभव और वृहत आधार, अथवा कुछ और? आखिर वे फिर से सेंटर लेफ्ट की ओर क्यों लौटे?

ध्यान रहे कि नीदरलैंड में गीर्ट वाइल्डर्स के नेतृत्व वाली 'फ्रीडम

पार्टी' को 2023 में इसलिए अवसर मिला, क्योंकि डच जनता परंपरागत मध्यमार्गी (सेंटर लेफ्ट) राजनीति से थक चुकी थी। लेकिन वाइल्डर्स की पार्टी के पास वास्तविक समस्याओं-जैसे आप्रवासन और आवास संकट, का कोई ठोस समाधान नहीं था। परिणाम यह हुआ कि डच मतदाता रॉब जेटेन जैसे युवा की डेमोक्रेटिक 66 (डी 66) की ओर मुड़ गए। रॉब जेटेन ने गीर्ट वाइल्डर्स की उस राजनीति को भी प्रभावी चुनौती दे दी, जो आप्रवासन और इस्लाम-विरोध पर टिकी थी। ऐसा क्यों हुआ? क्या आप्रवासन यूरोप के लिए कोई प्रभावी या चिंताजनक विषय नहीं है? काफी समय पहले मेनहाइम (जर्मनी) से प्रकाशित होने वाले दैनिक मेनहाइमर मॉर्गन ने लिखा था-जर्मनी और यूरोप में बड़े पैमाने पर हो रहा आप्रवासन सिर्फ राष्ट्रीय समस्या नहीं है, बल्कि यूरोप में लोगों की एकजुटता को भी खतरे में डाल रहा है। तो यह प्रश्न भी उठा कि यह संकट वास्तविक है या फिर महज एक फोबिया है?

यूरोप के कुछ उदाहरण बताते हैं कि फोबिया और चिंता के बीच एक बड़ा फासला है। 2015 में शार्ली हेब्दो के दफ्तर में कत्लेआम किसी फोबिया का उदाहरण पेश नहीं करता और न ही सैमुअल पैटी का सिर कलम। विएना के आतंकी हमले और यूरोप के अन्य भागों में हो रही ऐसी घटनाएं, फोबिया नहीं हो सकतीं, बल्कि यूरोपीय मन पर गहरा प्रभाव छोड़ने वाली घटनाएं हैं। संभवत:, यूरोप में 'फार राइट' का उभार इसी की देन है। ध्यान रहे कि पोप बेनेडिक्ट 16वें ने काफी पहले जर्मनी के एक विश्वविद्यालय में भाषण देते हुए कहा था कि यूरोप अपने भविष्य में आस्था खो रहा है, क्योंकि वह खुद को इतिहास से मिटाने के रास्ते पर चल पड़ा है। लेकिन कब से? उससे कुछ पहले से या बहुत पहले से? जिस चिंता से पोप बेनेडिक्ट 16वें ग्रस्त थे, वही चिंता कभी डोनाल्ड ट्रंप व्यक्त करते दिखे, तो कभी इमैनुएल मैक्रों या अन्य यूरोपीय नेता। लेकिन हुआ क्या? आखिर पूरे यूरोप और अमेरिका में 'फार राइट्स' प्राय: व्यक्तिवादी क्यों दिखाई देते हैं? पर्सनालिटी कल्ट उनके लिए प्रमुख क्यों है? यह उनकी ताकत है या उनकी कमजोरी का प्रतीक? क्या अभी तक वे उस विचार का विकल्प तलाश पाए हैं, जिसने यूरोप से लेकर यूरोपीय यूनियन तक का निर्माण किया?

हालांकि, यह बात हंगरी के ओर्बन, पोलैंड के डूडा, इटली की मेलोनी और नीदरलैंड के वाइल्डर्स के विषय में अलग तरह से कह सकते हैं, क्योंकि ये सभी चाहते हैं कि यूरोप अपने मूल में ईसाई बने, लेकिन उसके मानदंड और नियम सभी के लिए एकसमान हों। परंतु कैथोलिक, प्रोटेस्टेंट, कैल्विनवादी, लूथेरियन, ऑर्थोडॉक्स आदि के अंदर मौजूद द्वंद्व उन्हें सभ्यतागत एकता से दूर ले जाते हैं। मतदाताओं द्वारा उन्हें चुनने और कुछ समय बाद ठुकराने का कारण शायद यही है। इसका एक कारण शायद यह भी है कि एक संस्थान के रूप में यूरोपीय संघ पर अभी 'सेंटर लेफ्ट' का प्रभाव बना हुआ है और वह एक ऐसे संविधानेत्तर संगठन के रूप में काम कर रहा है, जो किसी के प्रति उत्तरदायी नहीं है।

फिलहाल यूरोपीय राजनीति में 'फार राइट' फिर 'सेंटर लेफ्ट' और फिर.... का सिलसिला एक पैटर्न बनता दिख रहा है, कारण कुछ भी हों। नीदरलैंड, ऑस्ट्रिया, पोलैंड, इटली, हंगरी और स्लोवाकिया जैसे देश इन्हीं लहरों के सहारे आगे बढ़ रहे हैं। लेकिन वहां अभी किसी 'अपराजेय संयोजन' की संभावना पूरी होती नहीं दिखी।

-रहीस सिंह (वैदेशिक मामलों के जानकार)नई दिल्ली

जीवन धारा

हेनरी थॉमस हैम्बलिन

सफलता व असफलता का मूल इन्सान के चरित्र में छिपा होता है। जीवन की यात्रा में असली विजेता वही है, जो किसी भी परीक्षा के लिए तैयार रहे और सफलता की चमक में भी अपनी मानवता को जीवित रखे।

विजेता वही, जो हर परीक्षा के लिए तैयार रहे!!

यह दुनिया सफलता को तभी स्वीकार करती है, जब वह किसी सार्थक उद्देश्य को पूरा करे, यानी जब वह समाज को बेहतर बनाए, लोगों के जीवन में समृद्धि लाए और जनहित में अपना योगदान दे। चाहे हमारे कर्मक्षेत्र का दायरा छोटा ही क्यों न हो, यदि हम अपनी कमजोरियों पर विजय पाएं, सही राह पर चलते हुए दूसरों के जीवन में रोशनी भरें, और अपने रोजमर्रा के कार्यों को आवश्यकता से बेहतर करने का प्रयास करें, तो निस्संदेह हमारा जीवन सफल माना जाएगा। और यदि जीवन के अंत में हम कृतज्ञता से भरकर यह महसूस कर सकें कि हमने अपने समय, अवसरों और जीवन का सर्वोत्तम इस्तेमाल किया, तो यही सच्ची सफलता है।

लेकिन कुछ लोग सफलता को केवल धन और शोहरत तक सीमित कर देते हैं। ऐसे लोग भले ही बाहरी रूप से सफल दिखते हों, लेकिन वे अंतत: एक असफल इन्सान ही साबित होते हैं, क्योंकि ऐसे लोग धन तो कमा लेते हैं, पर एक समय के बाद उन्हें एहसास होता है कि पैसे से कभी भी असली शांति या संतुष्टि नहीं खरीदी जा सकती। उनकी कामयाबी बाहर से तो सुनहरी दिखती है, लेकिन भीतर से खोखली और महंगी होती है, जिसके बदले वे जीवन का असली रस खो देते हैं। एक महान विद्वान ने कहा था कि यदि मनुष्य संपूर्ण संसार भी जीत ले, पर अपनी आत्मा खो दे, तो उसे क्या लाभ ? यदि वह धन की लालसा में अपने सुख, अपने स्वास्थ्य, अपनी संवेदनशीलता, परिवार की मधुरता, प्रकृति की सुंदरता और जीवन का आनंद खो दे, तो उसकी जीत भी पराजय बन जाती है।

जो व्यक्ति जीवन में बिना दिशा के भटकता रहता है, और बेहतर बनने का प्रयास ही नहीं करता, वह नागरिक कहलाने के योग्य नहीं है। यदि इन्सान को इस उपाधि के योग्य बनना है, तो उसे निरंतर प्रयास करते हुए उन्नति पाने को अपना सिद्धांत बनाना होगा। दरअसल, सफलता व असफलता का मूल इन्सान के चरित्र में छिपा होता है। केवल वही व्यक्ति जीवन की कठोर चुनौतियों का सामना कर सकता है, जिसकी आत्मा पवित्र हो, संकल्प मजबूत हो और चरित्र अडिग हो। ऐसे व्यक्ति को जीवन के हर मोड़ पर कठिनाइयों की परीक्षा देनी पड़ती है। यह जरूरी भी है, क्योंकि कठिनाइयां कमजोर इच्छाशक्ति वाले लोगों को अलग कर देती हैं, और वही लोग आगे बढ़ते हैं, जिनमें विश्वास, साहस, धैर्य, दृढ़ता, प्रसन्नता और चरित्रबल का प्रकाश प्रबल होता है।

याद रखें, जीवन की यात्रा में विजेता वही है, जो हर परीक्षा के लिए तैयार रहे और सफलता की चमक में भी अपनी मानवता को जीवित रखे, क्योंकि यदि मनुष्य स्वयं पर इतना केंद्रित हो जाए कि उसका हृदय कठोर और निर्दयी बन जाए, तो यह असफलता से ज्यादा भयानक पतन है। सच्ची सफलता वही है, जो आत्मा के साथ संसार को भी समृद्ध करे।

सूत्र - अपने मूल्यों पर अडिग रहें

अक्सर हम कामयाबी को केवल धन-संपत्ति या शोहरत से जोड़कर देखते हैं, लेकिन असली सफलता तो उससे कहीं ऊपर है। यह जीवन के हर मोड़ पर उठ खड़े होने की क्षमता है, चुनौतियों को अवसर में बदलने की हिम्मत है, और अंतिम सांस तक अपने उद्देश्य, चरित्र और मूल्यों पर अडिग रहने का नाम है।

समाज

ताकि दूध की पौष्टिक प्रतिष्ठा बनी रहे

एफएसएसएआई द्वारा जारी डेयरी उत्पादों के नमूनों से जुड़े आंकड़े चौंकाने वाले हैं। नीति-नियंताओं को इस ओर ध्यान देना चाहिए।

भारत में श्वेत क्रांति के जनक अर्थात फादर ऑफ द व्हाइट रिवॉल्यूशन पद्म विभूषण डॉ. वर्गीज कुरियन की जयंती हम इसी महीने 26 नवंबर को 'राष्ट्रीय दुग्ध दिवस' के रूप में मनाएंगे। विश्व खाद्य पुरस्कार व मैग्सेसे से सम्मानित वह दुनिया के सबसे बड़े दुग्ध विकास कार्यक्रम बिलियन लीटर आईडिया (ऑपरेशन फ्लड) के लिए मशहूर हैं।

भारत में दूध का इस्तेमाल बहुत अधिक मात्रा में किया जाता है। हालांकि, इसकी पौष्टिक प्रतिष्ठा के पीछे एक बड़ा सवाल भी छिपा है, जो जनस्वास्थ्य और उपभोक्ताओं के विश्वास के लिए खतरा है। दूध की मात्रा बढ़ाने, पहचान बदलने या गणवत्ता परीक्षणों को धोखा देने के लिए उसमें पानी, स्टार्च, डिटर्जेंट, यूरिया, कास्टिक सोडा, माल्ट्रोडेक्सट्रिन और यहां तक कि बेहद खतरनाक रासायनिक पदार्थ मिलाए जाते हैं। दूध में वसा की मात्रा बढ़ाने के लिए इस्तेमाल होने वाले कुछ रसायन, जैसे फॉर्मेलिन और हाइड्रोजन पेरोक्साइड कैंसरकारी माने जाते हैं या लीवर व किडनी

जैसे अंगों पर जहरीला प्रभाव डालते हैं। मिलावट का यह अनैतिक व्यवहार, मुनाफे के लिए न केवल दूध के प्राकृतिक पोषण मूल्यों से समझौता करता है, बल्कि उपभोक्ताओं के स्वास्थ्य और जीवन के लिए भी गंभीर खतरा पैदा करता है। भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) ने राज्यसभा में तीन वर्षों में लिए गए डेयरी उत्पादों के नमूनों से जुड़े आंकड़े जारी किए थे। एक रिपोर्ट के अनुसार, मिलावटी दूध के मामले में उत्तर प्रदेश अव्वल है। दूसरे नंबर पर राजस्थान, तीसरे पर तमिलनाडु और चौथे पर केरल का नाम है। रिपोर्ट में सामने आए ये आंकड़े चौंकाने वाले हैं। उत्तर प्रदेश में मिलावटी दूध बेचने वालों पर कार्रवाई भी हुई। यहां मिलावटखोरी के 1,928 मामले, जबकि तमिलनाडु में 944, केरल में 737, महाराष्ट्र में 191, बिहार में 174 केस दर्ज किए गए। पिछले पांच सालों में उत्तर प्रदेश के कई शहरों में दूध में मिलावट के बड़े मामले पकड़े गए हैं। अमोनिया और यूरिया के कारण खराब हुए स्वाद को बदलने करने के लिए अब स्टार्च मिलाया जाने लगा है, जिससे दूध में मिलावट का स्वाद पता नहीं चलता है। हैरान करने वाली बात यह है कि बिना मशीनों और लैब जांच के मिलावटी दूध की पहचान करना काफी मुश्किल हो गया है। राष्ट्रीय दूध सुरक्षा और गुणवत्ता सर्वेक्षण, 2018 ने हाइड्रोजन पेरोक्साइड, यूरिया और डिटर्जेंट मिले हुए दूध को मानव स्वास्थ्य के लिए असुरक्षित बताया है। आंकड़ों के मुताबिक, भारत में दूध का जितना उत्पादन नहीं होता, उससे ज्यादा खपत होती है। भारत में वर्ष 2013-14 में 14.63 करोड़ टन दुग्ध उत्पादन होता था, जो आज बढ़कर 23.06 करोड़ टन हो गया है। इसमें छह प्रतिशत प्रति वर्ष की दर से वृद्धि हो रही है, जबकि वैश्विक औसत वार्षिक वृद्धि दो प्रतिशत है। देश में दुग्ध उत्पादन क्षेत्र 68 फीसदी असंगठित है, जिसे सरकारी स्तर पर संगठित बनाने और उत्पादन बढ़ाने के प्रयास जारी हैं। वर्तमान में देश में डेयरी उत्पादन मूल्य 11.16 लाख करोड़ रुपये का है।

- मुहम्मद खालिद जीलावी

देश प्रांतर

कला के आयाम और कलाकार

जब भी हम कला और उसके कलाकार के बारे में सोचते हैं, हमारे मन में कई छवियां उभरने लगती हैं। हमें कला के विभिन्न रूप अनूठे, उत्कृष्ट और विशिष्ट लगने लगते हैं, फिर चाहे वह चित्रकारी, गीत, गायन, लेखन, नृत्य, नाटक जैसी अनगिनत विधाएं हों। कलाकार की मेहनत और उसके समर्पण भाव से जीवंत हुई हर कृति हमें चकित कर देती है। वास्तविक या सपनीली दुनिया को कैनवास पर या मंच पर उकेरता या रेखांकित करता कलाकार जब अपनी नैतिक जिम्मेदारियों के प्रति सजग रहता है, तब वह बिना किसी हथियार और बल के अपनी संवेदनाओं की प्रभावी अभिव्यक्ति के माध्यम से समाज में सकारात्मक क्रांति लाने में सक्षम हो जाता है। वह कभी शोषितों की आवाज बनकर न्याय के रंगों से पूरा कैनवास भर देता है, तो कभी सभागार कंपित हो जाता है उसकी ऊंची पुकार से।

यह कला है या जिद है कलाकार की कि वह निस्वार्थ भाव से चाहता है दुनिया को सुंदर रंगों से भर देना, मीठी सुरीली तान में सबको एक सुर में बांधकर। देखना चाहता है सबको एक साथ हंसते-मुस्कुराते। वह लिखता है लगातार इस उम्मीद से कि किसी दिन उम्मीदों से भरे शब्द कागज के पन्नों से निकलकर उसके सामने जीवंत रूप में समाज में घुल-मिल जाएंगे। संवेदनाओं से भरा कलाकार मनुष्यता के उजले रंगों को संभाले रखने के लिए किसी सिपाही की तरह हमेशा डटा रहता है। यही कारण है कि कलाकार किसी क्षेत्र या वर्ग का नहीं होता, वह सबका होता है और सबको अपना मानता है। आम इंसान भी अपने जीवन की जटिलताओं में व्यस्त होते हुए कला में सुकून पाता है।

कलाकार की यह संवेदनाओं से भरी दुनिया थोड़ी ज्यादा भली, स्वस्थ और सुरक्षित प्रतीत होती है। लगने लगता है कि अगर मनुष्य अपने सामान्य जीवन में भी इतना ठहराव ला सके कि उसका हर कदम और निर्णय गहराई लिए हो, तो आम इंसान की दुनिया भी किसी अर्थपूर्ण कृति की तरह ही सुंदर और स्वस्थ नजर आने लगेगी। कलाकार और उसकी दुनिया को खिन्न कर देते हैं सांप्रदायिकता, क्रोध, भ्रष्टाचार और शोषण जैसे दुखद प्रसंग। आम इंसान और कलाकार की दुनिया की भिन्नता को खोजने की कोशिश करें, तो मालूम पड़ता है कि किसी भी सृजन के लिए बहुत अधिक समर्पण, अध्ययन और मेहनत लगती है। अपने ही बनाए पर बार-बार पुनर्विचार करना होता है, लेकिन क्या इसे भी भिन्नता माना जा सकता है? आम जीवन के हर विचार को जो व्यक्ति गहराई से डूबकर और सबके हितों में सोचते हुए निर्णय लेता है, उसे भी तो कलाकार ही कहा जा सकता है। जो खुद के और दूसरों के जीवन में मधुर संगीत घोल दे, सही के पक्ष में हमेशा खड़ा रहे और गलत को गलत कहने का साहस रख सके, वह भी तो कलाकार ही है। हर इंसान को कला और कलाकार का संसार कभी न कभी आकर्षित जरूर करता है, लेकिन यह मत हावी होने लगता है कि आम इंसान, जिसका जीवन मूलभूत जरूरतों को पूरा करने में गुजर रहा है, उसका विषय कला कैसे हो सकता है। हां, अगर हुनर के जरिए अपने जीवन की आवश्यक जरूरतें पूरी होने लगें, व्यवसाय के रूप में परिवर्तित किया जा सके या फिर बेहद प्रतिभाशाली होने के कारण आर्थिक स्थिति मजबूत बन जाए या फिर कोई अन्य आय का जरिया हो, तो फिर सोचा जा सकता है। इस विचारधारा के विपरीत, अनेक कठिनाइयों के बावजूद भी अक्सर कला तो जन्म ही वही लेती है, जहां विषमताओं के बाद भी थोड़ी-सी नमी बची रहती है, जो किसी व्यक्ति के भीतर की अच्छाई को लगातार सींचती रहती है। समानुभूति के बिना किसी भी कला को उकेरना कठिन है। यही कारण है कि हर कृति में कलाकार के जीवन के अलग-अलग पड़ाव की यात्रा भी होने लगती है। जिसने जितनी गहराई में उतरकर जीवन का अनुभव किया है, उतनी ही कुशलता उसके काम में नजर आने लगती है।

संभव है कि कला के माध्यम से हर इंसान के जीवन की आर्थिक स्थिति मजबूत न हो सके, पर यह भी निश्चित है कि कलात्मक सोच हमारे जीवन को हर परिस्थिति में निखार देती है । कैनवास, मंच, कागज पर उकेरने से कहीं पहले कला का उद् ?गम हमारे मन और विचारों में होता है।

संभव है कि कला के माध्यम से हर इंसान के जीवन की आर्थिक स्थिति मजबूत न हो सके, पर यह भी निश्चित है कि कलात्मक सोच हमारे जीवन को हर परिस्थिति में निखार देती है। कैनवास, मंच, कागज पर उकेरने से कहीं पहले कला का उद्गम हमारे मन में होता है, हमारे विचारों में। कलात्मक सोच हमें मजबूत, निष्पक्ष और स्वस्थ बनाती है। यह हमारे जीवन के लगभग हर पक्ष पर अपना गहरा प्रभाव छोड़ती है। कलात्मक सोच के माध्यम से हम विकर्षणों से दूर, वापस अपने मूल स्वभाव पर लौटते हैं। हम चीजों को गहराई से समझने लगते हैं। अपनी इंद्रियों का सही अर्थों में उपयोग कर रहे होते हैं। यह हमें कई बंधनों से मुक्त कर देती है। हम खुलकर प्यार कर पाते हैं, खुलकर रोते हैं, खुद को अभिव्यक्त करने का साहस जुटा पाते हैं- उन वास्तविक भावनाओं को सहज रूप से स्वीकार कर पाते हैं, जिन्हें अक्सर छिपा लिया जाता रहा है।

सबसे सुंदर और बहुमूल्य तोहफा जो कला हमें देती है, वह है एक अवसर, जब हम स्वार्थ पूर्ति के लिए बनी सभी रेखाएं मिटाकर एक साथ बैठते हैं, एक दिशा में देखते हैं, महसूस करते हैं, सीखते हैं, आनंदित होते हैं और आभार व्यक्त करते हैं कि सतही उजली दुनिया में भी हमने जमीनी संवेदनाओं के लिए छोटा-सा कोना सुरक्षित कर रखा है।

-एकता कानूनगो बक्षी

इंदौर बाजार भाव

इंदौर।एजेंसी। छुटपुट ताजा लेवाली से गुरूवार को खाद्य तेलों में बाजार तेजी के रहे। तिलहनों में सोयाबीन सुस्त रहा। दलहनों में चने व मसूर में बाजार तेजी के रहे। किराना जिंसों में लौंग, जावत्री व दालचीनी में बाजार मजबूती के रहे। व्यापारिक सूत्रों के अनुसार खाद्य तेलों में ताला लेवाली के बाद भावों में तेजी आयी। सोया तेल रिफाइंड मालों में 1250-1260 रू. प्रति 10 किलो पर आ गया। तिलहनों में सोयाबीन में मजबूती आयी। दलहनों में चने व मसूर में बाजार पूछपरख से सुधर गये। उधर, किराना जिंसों में लौंग, जावत्री व दालचीनी में सुर्खी रही। भाव इस प्रकार रहे-

किराना- शक्कर 4150-4190, खोपरा गोला 320-370, खोपरा बूरा 4100-6500 (15 कि.ग्रा.), जीरा राजस्थान 211-215, ऊंझा हल्का 245-228, मीडियम 232-240, बेस्ट 251-265, हल्दी निजामाबाद 175-200, सांगली 265-270, साबूदाना हल्का 4800-4900, मीडियम 5000-5100, बेस्ट 5100-5200, सच्चा मोती 5300, मोरधन 7200-8200, सौंफ मोटी 101-125, बेस्ट 145-225, एस्ट्रा बेस्ट 275-350, सौंफ बारिक 95-125, राई दाल 90-95, सरसो दाल 85-95, कालीमिर्च एटम 751-781, गरबल 715-725, मटरदाना 790-801, खसखस अनक्लीन 750-950, क्लीन 1050-1250, दालचीनी 220-240, जायफल 715-800, वाद्यान फूल 375-565, शाहजीरा 425, तेजपान 90-97, पत्थर फूल 235-260, जावत्री 1650-1975, नाग केसर 885-925, सौंठ 275-450, धोली मूसली 2175-2250, लौंग 700-750, बेस्ट 780-800, हींग (वनदेवी 751) 3450, पाउच 10 ग्राम 3550, 121 नं. दाना 2400, पाउच 2250, 111 नं. डिब्बी 2200, पाउच 2250, सिंघाडा 100-135, सिंदूर 6600, देशी कपूर 720-770, पूजा बादाम 115-200, पूजा सुपारी 450-475, अरीठा 130-145, हरि इलायची 2850-2925, मीडियम 2975-3175, बेस्ट 3225-3375, एक्ट्रा बोल्ड 3500-3551, पानबार 2700, बड़ी इलायची 1475-1575, बेस्ट1825-2050, तरबूज मगज 520-575, काजू (240) 885-925, काजू (320) 850-861, काजू एस. डब्ल्यू 835-840, काजू एस.एस. डब्ल्यू 850-860, काजू जे.एच. 810-820, टुकड़ी 785-795, बादाम मगज 840-851, कैलिफोर्निया 771-785, अखरोट 575-725, बेस्ट 815-850, अखरोट गिरी 1250-1650, जर्दालु 375-475, बेस्ट 550-650, किशमिश कंधारी 500-550, बेस्ट 625-725, इंडियन 375-391, बेस्ट 401-425, चारौली 1650-1750, बेस्ट 1850-1950, मुनक्का 350-650, बेस्ट 800-925, अंजीर 851-1075, मखाना 675-875, बेस्ट 975-1115, खारक 75-85, मीडियम 95-125, बेस्ट 175-275, पिस्ता पिशोरी 2850-2900, कंधारी 2350, नमकीन पिस्ता 875-1075, गेहूँ आटा 1820, मैदा कट्टा 1850, रवा कट्टा 1880, बेसन 4675 (50 कि.ग्रा.), नारियल (120) 2900-3000, (160) 2900-3000, (200) 3200-3400, (250) 3500-3700

तेल- सींगदाना 1510-1530, मुम्बई 1525, राजकोट तेलिया 2350, सोया साल्वेंट 1185-1190, सोया रिफाइंड 1250-1250, कपास्या 1235-1240, धूलिया 1240, कड़ी 1240,

रात की धारणा- गुजरात लुज 1400-1450, मुम्बई पाम 1260, मुम्बई सोया 1280,

खली- कपस्या खली (60 कि.ग्रा.) इन्दौर 2260, देवास-उज्जैन 2260, खंडवा-बुरहानपुर 2150, अकोला 3500 (प्रति क्विंटल)

तिलहन- सरसो 8800-9000, रायडा 6300-6500, सोयाबीन 4500-4600, टोली (महुआ बीज) 4400-4600, करंज 4400-4500, अलसी 6800-7000, अरंडी 4500-4700, तिल्ली पुरानी 6500-7000, तिल्ली नई 7200-7500,

दलहन- चना कांटेवाला बेस्ट 5700-5725, एवरेज 5000-5100, डंकी चना 5000 से 5200, विशाल 5600-5625, काबूली डॉलर 8200-8500, मसूर बेस्ट 6000-6050, एवरेज 5800-5900, मूंग देशी 7800-7900, पाला 7900-8000, चमकी 8000-8100, नायलोन 8000-8100, तुअर निमाड़ी बेस्ट 6800-6900, एवरेज 6600-6700, हल्की 6400-6500, तुअर महाराष्ट्र 6800-6900, उड़द बेस्ट 7600-7700, एवरेज 7400-7500, शंकर 7200-7300, हल्की 7000-7100,

दाल- चना दाल एवरेज 7200-7400, मीडियम 7400-7500, बोल्ड 7700-7900, तुअर दाल सवा नं. 7300-7400, तुअर दाल फूल 9000-9100, तुअर दाल बोल्ड 9900-10100, मसूर दाल एवरेज 7700-7800, बेस्ट 7900-8100, मूंग दाल 9100-9200, बोल्ड 9500-9700, मूंग मोगर 9300-9400, बोल्ड 9700-9800, उड़द दाल 8500-8600, बोल्ड 8700-8900, मोगर 9800-10000, बोल्ड 10100-10200,

अनाज- गेहूं मिल क्वालिटी 2625-2650, लोकवन 2800-2850, (147) 2600-2650, बेस्ट 2650-2800, मालवराज 2650-2675, पूर्णा 2750-2800, चन्द्रोसी 3000-3800, ज्वार देशी 2400-2550, मक्का पीली 2275-2300,

चावल- चावल हंसा सफेद 2900-3150, सेला 3500-3800, परमल 3400-3500, दुबराज 4500-4700, राजभोग 7000-7200, काली मुंछ 8500-8800, बासमती दुबार 8000-8500, मीनी दुबार 7000-7500, मोगरा 4500-6000, तिबार 9500-10000, बासमती (921) 12000-13000, बासमती सेला 7500-9500, पोहा 4800-5300,

मावा- इन्दौर 360, उज्जैन 280, रतलाम 290 रू. प्रति किलो।

इंदौर सर्राफा बाज़ार

इन्दौर।एजेंसी। गुरूवार को स्थानीय सराफा बाजार में व्यापार की मात्रा कम ही रही। चॉंदी में बाजार तेजी के रहे। सोने में मामूली लटक रही। भाव इस प्रकार रहे-

चॉंदी (9999) 159000, चॉंदी (99) 158600, टंच 158000, सिक्का 1800, सोना 10 ग्राम 125300,

रुपया गिरावट पर बंद

मुंबई।एजेंसी। अमेरिकी डॉलर के मुकाबले गुरुवार को भारतीय रुपया 25 पैसे की गिरावट के साथ ही 88.72 पर बंद हुआ। शुरुआती कारोबार में रुपया 18 पैसे टूटकर अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 88.66 पर पहुंच गया। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि अमेरिकी फेडरल रिजर्व के दिसंबर में रेपो दर में कटौती न करने का संकेत देने के बाद से ही डॉलर में से तेजी आई है और यह 100 के स्तर के पार पहुंच गया। इससे घरेलू मुद्रा पर दबाव बढ़ा। वहीं अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 88.63 प्रति डॉलर पर खुला। रुपया बुधवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 88.48 पर बंद हुआ था। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दिखाने वाला डॉलर सूचकांक 0.03 फीसदी की बढ़त के साथ 100.25 पर आ गया।

शेयर बाजार तेजी के साथ बंद

मुंबई।एजेंसी। भारतीय शेयर बाजार गुरुवार के कारोबारी सत्र में तेजी के साथ बंद हुआ। दुनिया भर के बाजारों से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही खदीदारी बढ़ने से ये उछाल आया है। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 446.21 अंक बढ़कर 85,632.68 और 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 139.50 अंक बढ़कर 26,192.15 पर बंद हुआ। दोनों मुख्य सूचकांक अपने ऑल-टाइम हाई पर बंद हुए। सेंसेक्स पैक में बजाज फाइनेंस, बजाज फिनसर्व, एचडीएफसी बैंक, टेक महिंद्रा, एक्सिस बैंक, ट्रेंट, अल्ट्राटेक सीमेंट, पावर ग्रिड, अदाणी पोर्ट्स, आईटीसी, मारुति सुजुकी और एलएंडटी के शेयर लाभ में रहे जबकि एशियन पेंट्स, एचसीएल टेक, टाइटन, एचयूएल, कोटक महिंद्रा बैंक, सन फार्मा, टाटा स्टील, इन्फोसिस, एमएंडएम, भारती एयरटेल और बीईएल के शेयर नीचे आये। लार्जकैप की जगह पर मिडकैप और स्मॉलकैप का प्रदर्शन खराब रहा। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 14.50 अंक की तेजी के साथ 60,963.55 और निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 8.70 अंक टूटकर 18,067.25 पर रहा था। जानकारों के अनुसार अमेरिका-भारत के बीच ट्रेड डील होने की संभावना से भी बाजार में सकारात्मक माहौल बना है। इसके अलावा वैश्विक स्तर पर टेक कंपनियों की ओर से मजबूत

परिणामों से भी बाजारा में तेजी आई। आज सुबह बाजार बढ़त के साथ खुले। सेंसेक्स मजबूती के साथ 85,470 अंक पर खुला। इसी तरहनिफ्टी-50 भी मजबूती के साथ 26,132 अंक पर खुलने के बाद यह 55.40 अंक चढ़कर 26,107 पर कारोबार कर रहा था। वहीं दुनिया भर के बाजारों की बात करें तो एशियाई बाजारों में तेजी देखने को मिल रही है। जापान का निक्केई 3.62 फीसदी, चीन का सीएसआई 300 0.47 फीसदी, हांगकांग का हैंगसेंग 0.65 फीसदी और दक्षिण कोरिया का कोस्पी 2.5 फीसदी बढ़ा। अमेरिकी शेयर बाजार भी बढ़त के साथ बंद हुए। डॉव जोन्स इंडस्ट्रियल एवरेज 0.10 फीसदी की बढ़त दर्ज की गई। जबकि एसएंडपी 500 बुधवार को 0.38 फीसदी और नैस्डैक कंपोजिट 0.59 फीसदी बढ़कर बंद हुआ।

देश की 26 ई-कॉमर्स कंपनियों ने अपना प्लेटफॉर्म 'डार्क पैटर्न' से मुक्त किया

नई दिल्ली।एजेंसी। देश की 26 प्रमुख ई-कॉमर्स कंपनियों ने घोषणा की है कि उनके प्लेटफॉर्म अब 'डार्क पैटर्न' से मुक्त हैं। डार्क पैटर्न भ्रामक यूजर इंटरफेस डिज़ाइन को कहा जाता है, जो ऑनलाइन उपयोगकर्ताओं को अनजाने में किसी कार्रवाई के लिए प्रेरित करता है। उदाहरण के लिए वेबसाइट या ऐप पर ऐसा डिजाइन जो ग्राहक को अनचाहे प्रोडक्ट खरीदने या सब्सक्रिप्शन लेने के लिए उकसाता है। उपभोक्ता मामलों के विभाग ने बताया कि इन कंपनियों ने स्वेच्छा से स्व-घोषणा पत्र प्रस्तुत किए हैं। इसमें उन्होंने पुष्टि की कि उनके प्लेटफॉर्म पर किसी भी प्रकार के डार्क पैटर्न का इस्तेमाल नहीं किया गया है। इसके अलावा, कंपनियों ने अपने प्लेटफॉर्म का आंतरिक और बाहरी ऑडिट कराकर इसकी पुष्टि की। इस सूची में जेप्टो, जोमैटो, स्विगी, जियोमार्ट, बिगबास्केट, फ्लिपकार्ट, मिंत्रा, फार्म इजी, मेकमायट्रिप, ब्लिंकिट, क्लियरट्रिप, रिलायंस ज्वेल्स, रिलायंस डिजिटल, नेटमेड्स, टाटा 1एमजी, मीशो, इक्सिगो, मिलबास्केट, हैमलेज, अजियो, टीरा ब्यूटी, ड्यूरोफ्लेक्स और क्यूराडेन जैसी प्रमुख कंपनियां शामिल हैं। केंद्रीय उपभोक्ता संरक्षण प्राधिकरण (सीसीपीए) ने कहा कि यह कदम डिजिटल मार्केट में उपभोक्ताओं के हितों की सुरक्षा में अहम भूमिका निभाएगा। 30 नवंबर 2023 को अधिसूचित 'डार्क पैटर्न रोकथाम एवं विनियमन दिशानिर्देश 2023' 13 प्रकार के डार्क पैटर्न की पहचान करते हैं और उन पर प्रतिबंध लगाते हैं। सीसीपीए का मानना है कि इन घोषणाओं से अन्य कंपनियों को भी स्व-नियमन अपनाने के लिए प्रोत्साहन मिलेगा।

उत्सर्जन मानदंडों पर एकमत है निर्माण उपकरण उद्योग- जेसीबी इंडिया

नई दिल्ली।एजेंसी। भारतीय निर्माण उपकरण विनिर्माता संघ (आईसीएमए) में उत्सर्जन मानदंडों को लेकर किसी भी प्रकार का मतभेद नहीं है। यह बात जेसीबी इंडिया के एक प्रमुख अ?धिकारी एक संवाददाता सम्मेलन में कही। उन्होंने बताया कि उद्योग लंबे समय से प्रगतिशील रुख अपनाता आया है और नए पर्यावरणीय नियमों को स्वीकार करने के लिए हमेशा तैयार रहा है। उन्होंने कहा कि आईसीएमए ने स्वयं केंद्र सरकार से अनुरोध किया था कि बिना पहियों वाली निर्माण मशीनों से क्रॉलर एक्सकेवेटर, ट्रैक्ड पेवर्स, मोबाइल क्रेन, डोज़र और मोटर ग्रेडर पर उत्सर्जन मानदंड लागू किए जाएं। फिलहाल, इन मशीनों पर कोई उत्सर्जन मानदंड लागू नहीं है, जबकि पहियों वाली मशीनों पर कड़े नियम पहले से प्रभावी हैं। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि उद्योग के भीतर इस विषय पर कभी कोई भिन्न राय नहीं रही और सभी कंपनियां उत्सर्जन नियंत्रण के महत्व को समझती हैं। इसके विपरीत, यात्री वाहन उद्योग वर्तमान में कैफे-3 और कैफे-4 नियमों के कुछ प्रावधानों पर एकमत नहीं हो सका है। ये नियम अप्रैल 2027 से लागू होने वाले हैं और कार निर्माताओं को बेड़े के औसत के आधार पर कार्बन डाइऑक्साइड उत्सर्जन सीमाओं का पालन करना होगा। छोटे वाहनों के लिए भार आधारित छूट के प्रस्ताव पर वाहन कंपनियों के बीच मतभेद बने हुए हैं। निर्माण उपकरण क्षेत्र में 1 जनवरी से भारत स्टेज सीईवी यानी स्टेज 5 मानदंड लागू हो चुके हैं, जो केवल पहियों वाले उपकरण वाहनों पर लागू होते हैं। ये मानदंड पार्टिकुलेट मैटर और पार्टिकल नंबर उत्सर्जन पर काफी सख्ती लाते हैं और निर्माताओं को डीज़ल पार्टिकुलेट फ़िल्टर जैसी उन्नत तकनीक अपनाने की आवश्यकता पड़ती है। हालांकि, बिना पहियों वाली या ट्रैक्ड मशीनें अभी भी इन नियमों के दायरे से बाहर हैं।

मेष- आज का दिन आपके लिए मेहनत का फल लेकर आया है। आपकी नेतृत्व क्षमता सबको प्रभावित करेगी। काम में आपकी ऊर्जा और तेजी देखकर लोग आपकी तारीफ़ करेंगे। टीमवर्क से बड़ा फायदा मिलने के योग बन रहे हैं। रिश्तों में थोड़ी नरमी रखें। अहंकार किसी भी छोटी बात को बड़ा बना सकता है। तनाव या सिरदर्द हो सकता है, इसलिए थोड़ा समय निकालकर योग-ध्यान जरूर करें।

वृषभ- आज आप मानसिक रूप से काफी शांत और स्थिर महसूस करेंगे। आर्थिक स्थिति मजबूत होने के संकेत हैं। रुके हुए काम पूरे होंगे पर नया निवेश करने में जल्दबाज़ी न करें। परिवार के साथ अच्छा समय बीतेगा। रिश्तों में मिठास बनी रहेगी। पेट से जुड़ी छोटी परेशानी हो सकती है, इसलिए खाने में सादगी रखें।

मिथुन- आज आपकी बात करने की कला और सामाजिकता आपको फायदा देगी। नए लोगों से मिलने का एक अच्छा अवसर बना सकता है। यात्रा भी संभव है। मीडिया, मार्केटिंग, लेखन या कम्युनिकेशन वाले लोगों का दिन खास रहेगा। भाई-बहनों का साथ मिलेगा, वैवाहिक जीवन में हल्का-फुल्का मजाक माहौल को खुशनुमा बनाएगा। यात्रा के दौरान सावधानी रखें।

कर्क- आप आज भावनात्मक रूप से मजबूत रहेंगे। घर-परिवार पर ध्यान ज्यादा रहेगा। ऑफिस में काम पर फोकस रखें, छोटी-छोटी बातों पर बहस से बचें। प्रॉपर्टी से जुड़ी किसी काम में लाभ मिल सकता है। माता का आशीर्वाद और परिवार का साथ आपके लिए ऊर्जा का काम करेगा। पानी के पास समय बिताने से मन शांत होगा।

सिंह- आज का दिन आपकी रचनात्मकता को बढ़ावा देगा. कार्यस्थल पर आपकी मेहनत की सराहना होगी. आर्थिक स्थिति मजबूत होगी. प्रेम जीवन में अपनापन और निकटता बढ़ेगी. परिवार में सौहार्द और खुशी का माहौल रहेगा. विद्यार्थी अपनी पढ़ाई में पूरी एकाग्रता रखेंगे. कोई यात्रा शुभ फलदायी होगी. स्वास्थ्य अच्छा रहेगा और मन में संतोष रहेगा।

कन्या- आज आपके प्रयास सफल रहेंगे. कार्यक्षेत्र में नए अवसर प्राप्त होंगे. आर्थिक रूप से लाभ के संकेत हैं. प्रेम जीवन में समझ और स्थिरता बनी रहेगी. परिवार में किसी शुभ आयोजन की संभावना है. विद्यार्थी अपनी पढ़ाई में मन लगाएंगे. निवेश से लाभ हो सकता है. किसी बुजुर्ग का आशीर्वाद प्राप्त होगा. स्वास्थ्य अच्छा रहेगा और मन प्रसन्न रहेगा।

तुला- आज का दिन आपके लिए सौभाग्यशाली रहेगा. कार्यस्थल पर आपकी योजनाएंसफल होंगी. आर्थिक मामलों में वृद्धि होगी. प्रेम जीवन में प्रसन्नता और स्थिरता बनी रहेगी. परिवार के साथ समय आनंददायक रहेगा. विद्यार्थी शिक्षा में नई ऊंचाइयां छुएंगे. किसी यात्रा से लाभ होगा. सामाजिक मान-सम्मान में वृद्धि होगी. स्वास्थ्य अच्छा रहेगा और आत्मविश्वास बढ़ेगा।

वृश्चिक- आज आप थोड़े गहरे विचारों में डूबे रहेंगे। अचानक कोई लाभ भी मिल सकता है और कोई छोटा नुकसान भी इसलिए सतर्क रहें। पुराने काम आसानी से पूरे होंगे। इंजीनियरिंग वाले छात्रों को मेहनत बढ़ानी होगी। प्यार के लिए यह दिन अच्छा है, मन की बात साझा करें। प्राइवेट/गुप्त रोगों को हल्के में न लें।

धनु- आज का दिन आत्मविश्वास और प्रगति का रहेगा. कार्यस्थल पर आपकी योजनाएंसफल होंगी. आर्थिक मामलों में लाभ के संकेत हैं. प्रेम जीवन में रोमांस और समझ ब?गी. परिवार में सौहार्द और खुशहाली बनी रहेगी. विद्यार्थी प?ाई में पूरी एकाग्रता रखेंगे. किसी महत्वपूर्ण निर्णय में लाभ मिलेगा. स्वास्थ्य अच्छा रहेगा और मन उत्साहित रहेगा।

मकर- आप आज अपनी छवि और करियर पर ज्यादा ध्यान देंगे। मेहनत से ही सफलता का रास्ता बनेगा। वरिष्ठ अधिकारी आपकी प्रशंसा करेंगे। राजनीति से जुड़े लोगों के लिए भी अच्छा समय है। पारिवारिक जिम्मेदारियां बढ़ेंगी, जिससे थोड़ी थकान महसूस हो सकती है। घुटनों और जोड़ों के दर्द पर ध्यान दें।

कुंभ- आज का दिन आपके लिए विशेष अवसर लेकर आएगा. कार्यक्षेत्र में तरक्की के योग बन रहे हैं. आर्थिक रूप से लाभ प्राप्त होगा. प्रेम जीवन में सामंजस्य और स्नेह बना रहेगा. परिवार के साथ सुखद समय व्यतीत होगा. विद्यार्थी अपनी मेहनत से सफलता पाएंगे. यात्रा से लाभ मिल सकता है. स्वास्थ्य अच्छा रहेगा और मन प्रसन्न रहेगा।

मीन- आज आपके कार्य सफल होंगे और सम्मान बढ़ेगा. कार्यक्षेत्र में आपकी प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी. आर्थिक दृष्टि से दिन लाभदायक रहेगा. प्रेम जीवन में मधुरता बनी रहेगी. परिवार में किसी शुभ कार्य की योजना बन सकती है. विद्यार्थी अपने लक्ष्य के करीब पहुंचेंगे. यात्रा शुभ रहेगी. स्वास्थ्य अच्छा रहेगा और मन में आत्मसंतोष रहेगा।

शब्दजाल - 8086

बं	म	म	म	न	च	ली	क	म	ल	म
म	वा	ब	लि	दा	न	म	मौ	स	ल	न
र्या	ह	म	र	ते	द	म	त	क	य	की
दा	ब	बं	र	दे	म	ब	द	ल	श	आं
म	इ	म	म	सं	व	क	श	र	मं	खें
हा	म	म	ई	म	र	क	स	ना	जि	ज
रा	बं	द	श	र्द	क	मं	र	द	ल	ब
म	र	ब	र	व	ज	सी	ग	न	प	न
क	म	ल	ज	इं	बा	री	ऐ	ल	प	र
क	शा	ल	म	बू	डि	स	म	ब	पां	जा
का	ल	बं	ध	न	क	या	म	ग	प	डे

शब्द जाल में 'म' नाम से शुरु होनेवाली 10 फिल्मों के नाम ढूंढिए. नाम उपर से नीचे, नीचे से उपर, दाएं से बाएं एवं तिरछे भी हैं.

मंजिल, मर्यादा, मदर इंडिया, मर्द, मशाल, मरते दम तक, मकसद, मनचली, मंगल पांडे, मन की आंखें.

शब्दजाल - 8085 का हल

प्र	उ	त्त	र	प्र	दे	श	ब	ना	क	प्र
ती	क	ती	ति	ल	क	व	जी	ग	कृ	गु
के	ड़	रा	त	त	मि	ल	ना	डु	आ	ज
र	क	के	ज	ज	जा	पु	का	प्र	प	रा
ल	प्र	क	का	स्था	ग	प्र	अ	प्र	श	त
झ	झा	का	प्र	ल	न	ह	झ	दे	ना	ण
घ	र	ती	श	षी	म	प्र	प्र	से	क	क
ला	खं	क	ता	तै	ई	ध्य	ब	र्ना	फ	लो
श	ड	प्र	बि	हि	म	ई	ट	प्र	री	प
प	जा	द	र	हा	प	क	जी	उ	ड़ी	सा
प	प्र	क	क	प्र	र	है	या	रा	बा	प्र

Jagrutidaur.com, Bangalore

दैनिक पंचांग

21 नवम्बर 2025 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	वृश्चिक में	वृश्चिक	05.56 ब.से
चंद्र	वृश्चिक में	धनु	08.16 बजे से
मंगल	वृश्चिक में	मकर	10.21 बजे से
बुध	वृश्चिक में	कुंभ	12.08 बजे से
गुरु	कर्क में	मीन	13.40 बजे से
शुक्र	तुला में	मेष	15.11 बजे से
शनि	मीन में	वृष	16.51 बजे से
राहु	कुंभ में	मिथुन	18.49 बजे से
केतु	सिंह में	कर्क	21.03 बजे से
राहुकाल 10.30 से 12.00 बजे तक		सिंह	23.19 बजे से
		कन्या	01.31 बजे से
		तुला	03.41 बजे से

शुक्रवार 2025 वर्ष का 325 वा दिन
दिशाशूल पश्चिम **ऋतु** हेमन्त।
विक्रम संवत् 2082
शक संवत् 1947
मास मृगशीर्ष **पक्ष** शुक्ल
तिथि प्रतिपदा 14.48 बजे को समाप्त।
नक्षत्र अनुराधा 13.56 बजे को समाप्त।
योग अतिगण्ड 10.43 बजे को समाप्त।
करण बव 14.48 बजे तदनन्तर बालव 04.01 बजे प्रातः को समाप्त।
चन्द्रायु 0.7 घण्टे
रवि क्रान्ति दक्षिण 19° 55'
सूर्य दक्षिणायन
कलि अहर्गण 1872535
जूलियन दिन 2461000.5
कलियुग संवत् 5126
कल्पारंभ संवत् 1972949123
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885123
वीरनिर्वाण संवत् 2552
हिजरी सन् 1447
महीना जमादि उल्लावल
तारीख 29

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
चर	05.55 से 07.23 बजे तक	रोग	05.38 से 07.1 बजे तक
लाभ	07.23 से 08.51 बजे तक	काल	07.11 से 08.43 बजे तक
अमृत	08.51 से 10.19 बजे तक	लाभ	08.43 से 10.15 बजे तक
काल	10.19 से 11.47 बजे तक	उद्वेग	10.15 से 11.47 बजे तक
शुभ	11.47 से 01.15 बजे तक	शुभ	11.47 से 01.19 बजे तक
रोग	01.15 से 02.43 बजे तक	अमृत	01.19 से 02.51 बजे तक
उद्वेग	02.43 से 04.10 बजे तक	चर	02.51 से 04.23 बजे तक
चर	04.10 से 05.38 बजे तक	रोग	04.23 से 05.55 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

फिल्म वर्ग पहेली - 7030

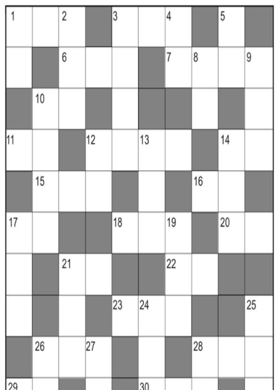

ऊपर से नीचे:-

१. 'आजकल पाँव जमीं पर' गीत वाली फिल्म-२
२. 'गवाह हैं चाँद तारे' गीत वाली फिल्म-३
३. अक्षय कुमार, करिश्मा की 'सच कहते हैं हम' गीत वाली फिल्म-४
४. 'काली नागिन के जैसी' गीत वाली फिल्म-२
५. राज कपूर, नर्गीस की 'ये शाम की तनहाइयाँ' गीत वाली फिल्म-२
८. 'बात बात में रूठो ना' गीत वाली बलराज साहनी, नूतन की फिल्म-२
९. 'शोला और शबनम' में नायिका कौन थी-३
१०. फिल्म 'सनम बेवफा' में चांदनी के साथ नायक कौन था?-४
१२. 'चोरी चोरी कोई आए' गीत वाली फारूख शेख, पूनम की फिल्म-२
१३. संजय कपूर, शिल्पा की 'टक टका टक' गीत वाली फिल्म-३
१४. 'काले लिबास में बदन' गीत वाली इंद्रकुमार, आयशा की फिल्म-३
१७. जॉय मुखर्जी, सायरा की 'उड़ के पवन के संग' गीत वाली फिल्म-३
१९. 'ऐ दीवाने दिल' गीत वाली अक्षय कुमार, सोनाली बेंद्रे की फिल्म-३
२१. 'हाँ हाँ ये प्यार है' गीत वाली फिल्म-३
२४. फिल्म 'अंखियों से गोली मारे' की नायिका कौन है?-३
२५.'काश तुम मुझ' गीत वाली संजय, रवीना, करिश्मा की फिल्म-३
२६. 'सपने में मिलती है' गीत वाली फिल्म-२
२७. फिल्म 'भूत' में पुलिस इंस्पेक्टर की भूमिका किसने की है?-२
२८. 'नैनों में महबूब के' गीत वाली फिल्म-२

बायें से दायें:-

१. अमोल पालेकर, जरीना की 'दो दीवाने शहर में' गीत वाली फिल्म-३
३. 'बंबई से रेल चली' गीत वाली अक्षयकुमार, मधु की फिल्म-३
६. सुनीलदत्त, नूतन की 'सावन का महीना' गीत वाली फिल्म-३
७. 'ये हवाएं सर्द हैं' गीत वाली राजेश, मिथुन, शबाना की फिल्म-४
१०. फिल्म 'नरसिम्हा' में नायक कौन था-२
११. 'तुम को कितना है प्यार' गीत वाली फिल्म-२
१२. 'आवाज दे कहाँ है दुनिया मेरी जवां है' की गायिका कौन थी-४
१४. 'अनपढ़' में धर्मेन्द्र की नायिका-२
१५. फिल्म 'देवदास' में 'चंद्रमुखी' कौन बनी है?-३
१६. 'दिन प्यार के आये रे' गीत वाली शेखर, कामिनी कौशल की फिल्म-२
१७. अमिताभ, शशिकपूर, शत्रुध्न, राखी, परवीन, बिंदिया गोस्वामी की फिल्म-२
१८. शशिकपूर, जीनत की 'लैला ने भी प्यार किया' गीत वाली फिल्म-३
२०. 'सुना था देखा न था' गीत वाली आफताब, उर्मीला की फिल्म-२
२१. आमिर, माधुरी की 'खभे जैसी खड़ी हैं' गीत वाली फिल्म-२
२२. फिल्म 'ब्लैकमेल' में नायिका कौन थी?-२
२३. अक्षय, माधुरी की 'अब तेरे दिल में' गीत वाली फिल्म-३
२६. 'ऊपरवाला दुखियों की' गीत वाली दिलीप, सायरा बानो की फिल्म-३
२८. प्रसिद्ध बालगीत 'आओ बच्चों तुम्हें दिखायें' किस फिल्म का हैं?-३
२९. 'मैं प्यार का पुजारी' गीत वाली गोविंदा, नीलम की फिल्म-२
३०. प्रदीपकुमार, वैजयंती की 'जादूगर सैंया' गीत वाली फिल्म-३

फिल्म वर्ग पहेली - 7029

सं	गी	त	■	भा	भी	■	दी	दा	र
ग्रा	■	ह	स्ती	■	गी	ता	■	स्ता	■
म	ह	ल	■	ही	रा	■	जा	न	म
■	■	का	श	■	त	मि	ल	■	न
शो	ले	■	गु	ड्डु	■	धु	■	■	मौ
र	■	शा	न	■	जा	न	की	बा	जी
■	डॉ	न	■	स	नी	■	■	द	■
क	■	दा	सी	■	दु	■	स	ल	मा
सौ	■	र	■	दु	श्म	न	■	■	चि
टी	ना	■	माँ	■	न	■	पा	र	स

Jagrutidaur.com, Bangalore

प्रसंगतः परोपकार की भावना

पुराने जमाने की बात है। किसी राजा ने दूसरे राजा के पास एक पत्र और सुरमे की छोटी सी डिबिया भेजी। पत्र में लिखा था कि जो सुरमा भिजवा रहा हूं वह अत्यंत मूल्यवान है। इसे लगाने से अंधापन दूर हो जाता है। राजा सोच में पड़ गया। वह समझ नहीं पा रहा था कि इसे किस-किस को दें। उसके राज्य में नेत्रहीनों की संख्या अच्छी-खासी थी, पर सुरमे की मात्रा बस इतनी थी जिससे केवल दो आंखों की रोशनी लौट सके। तभी राजा को अचानक अपने एक वृद्ध मंत्री की स्मृति हो आई। वह मंत्री बहुत ही बुद्धिमान था, मगर आंखों की रोशनी चले जाने के कारण उसने राजकीय कामकाज से छुट्टी ले ली थी और घर पर ही रहता था। राजा ने सोचा कि अगर उसकी आंखों की ज्योति वापस आ गई तो उसे उस योग्य मंत्री की सेवाएं फिर से मिलने लगेगी। राजा ने मंत्री को बुलवाया और उसे सुरमे की डिबिया देते हुए कहा, 'इस सुरमे को आंखों में डालें, आपकी आंखों की रोशनी लौट आएगी। ध्यान रहे, यह केवल दो आंखों के लिए है।' मंत्री ने एक आंख में सुरमा डाला। उस आंख की रोशनी आ गई। उससे मंत्री को सब कुछ दिखने लगे। फिर उसने बचा-खुचा सुरमा अपनी जीभ पर डाल लिया। यह देखकर राजा चकित रह गया। उसने पूछा, 'यह आपने क्या किया? अब तो आपकी एक ही आंख में रोशनी आ पाएगी। लोग आपको काना कहेंगे।' मंत्री ने जवाब दिया, 'राजन् आप चिंता न करे। मैं काना नहीं रहूंगा। मैं यह सुरमा बनकर हजारों नेत्रहीनों को रोशनी दूंगा। मैंने इसे चखकर जान लिया है कि सुरमा किस चीज से बना है।' राजा मंत्री की समझदारी से अभिभूत हो गया। उसने मंत्री को गले लगाकर कहा, 'यह हमारा सौभाग्य है कि मुझे आप जैसा मंत्री मिला। अगर हर राज्य के मंत्री आप जैसे हो जाएं तो किसी को कोई दुख नहीं होगा।'

सूडोकु नवताल- 7339

★★★✯✰ मध्यम

9		6		3		4		8
	2				9		7	
4			1	6				2
		8			2		3	
1		4				2		5
	3		5			8		
7				9	5			3
	8		6				4	
6		2		7		5		1

Jagrutidaur.com, Bangalore

सूडोकु नवताल -7338 का हल

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

शब्द पहेली - 8554

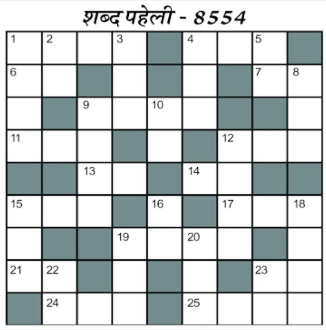

बाएँ से दाएँ

1. कलाकार, अदाकार-4
4. फूलों की छोटी माला, वेणी-3
6. पैर, पांव-2
7. अधिकार-2
9. खानाबदोश, बंजारा-4
11. राशन, खाद्य सामग्री-3
12. टेसू के फूल-3
13. कपोल, रुखसार-2
14. विजय-2
15. डोली उठाने वाले-3
17. जल प्रपात-3
18. गठबंधन-4
21. पानी, जल-2
23. नौका-2
24. देह, काया, शरीर-3
25. अगुवा, राह दिखाने वाला-4

ऊपर से नीचे

1. उपवास का खाना-4
2. झुका हुआ-2
3. व्यवहार-3
4. समयघोष-3
5. मार्ग, पथ-2
8. गागर, घड़ा, घट-3
9. स्मारक-4
10. हत्या, कत्ल-2
12. पत्तों के गिरने का मौसम-4
15. कथा, गाथा-3
16. अष्टम-2
18. नामचीन-4
19. रवाना होना-3
20. विदूषक, मसखरा-3
22. ईश्वर, भगवान-2
23. बटन, स्विच-2

शब्द पहेली -8553 का हल

Jagrutidaur.com, Bangalore

लांजी:ऐतिहासिक नगरी में बदहाली का आलम

नगर परिषद उदासीनता के चलते अपनी ही बदहाली पर बहा रहा आंसू

पद्मेश न्यूज। लांजी।

लांजी नगर जो कि दो बड़े राज्यों को जोड़ने वाला नगर है। महाराष्ट्र एवं छत्तीसगढ़ को जोड़ने वाला यह नगर आज नगर परिषद लांजी की उदासिनता के चलते अपनी ही बदहाली पर आंसू बहा रहा है। कारण है लांजी नगर के मुख्यालय में स्थित बस स्टैण्ड जो कि वर्तमान में बड़े- बड़े गड्डों में तब्दिल हो चुका है। नगर के सुभाष चौक के हालत या बस स्टैण्ड के हालत एक जैसे हो चुके है। बतादे कि सुभाष चौक में जहां पाईप लाईन बिछाने के लिये ठेकेदार के द्वारा सड़कें खोदी गई थी वे आज दिनांक तक दुरूस्त नही की गई है। जिसके लिये रोजाना नगर वासिसों के द्वारा नगर परिषद लांजी को बोला जाता है कि अच्छी खासी सडको को खोद कर बर्बाद कर दिया गया है तथा अब जब उसके सुधार कार्य की बारी आई है तो नगर परिषद लांजी के अधिकारी सुधार कार्य नही करवा पा रहे है। ऐसा ही आलम वर्तमान में नगर के बस स्टैण्ड का है जो कि पूरी तरह से क्षतिग्रस्त बड़े बड़े गड्डों में परिवर्तित हो चुका है। अनेको बार इस संबध में शिकायतें की जा चुकी है कि नगर के बस स्टैण्ड को सुव्यवस्थित किया जाये, सडको पर के गड्डो को भरा जाये लेकिन इस संबध में कोई ध्यान नही दिया जा रहा है जिसके चलते राहगिरो को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है बड़े-बड़े गड्डे दुर्घटनाओं को आमंत्रित कर रहे है। बस स्टैण्ड के समीप माँ गायत्री मंदिर के सामने एक जानलेवा गड्ढा बन चुका है जहां अनेको बार दुर्घटना घटित हो गई है। राहगिरों ने कहा कि क्या नगर परिषद लांजी को यह बड़ा सा गड्डा नजर नही आता क्या या अधिकारी उस समय का इंतजार कर रहे है जब कोई अप्रिय घटना या बड़ी दुर्घटना घटित हो कोई जनहानि हो तब क्या नगर परिषद लांजी इस संबध में जागेगी। वर्तमान में नगर परिषद के द्वारा विभिन्न मार्गो पर डामरीकरण कार्य करवाया जा रहा है इसी कार्य में बस स्टैण्ड स्थित गड्डे भी भरवा दिये जाये तो निश्चित रूप से क्षेत्र वासियों को बड़ी राहत होगी।

जहां जहां सडके खोदी गई है उसे क्यों नही किया जा रहा दुरूस्त

नगर में नल जल योजना के लिये जहां जहां पाईप लाईन बिछाने के लिये सडको को ठेकेदार के द्वारा खोदा गया है उन सभी स्थलो को ठेकेदार क्यों नही दुरूस्त कर रहा है। या नगर परिषद के अधिकारी क्यों दुरस्त नही करवा पा रहे है। जबकि देखने में आ रहा है कि जहां जहां पाईप लाईन बिछाने के लिये सडके खोदी गई है उन स्थानों पर भी आवागमन में भारी परेशानी हो रही है। नगर परिषद को चाहिये कि अतिशिघ्र सुधार कार्य करवाया जाये।

नगर में व्याप्त अतिक्रमण पर भी हो कार्यवाही

लांजी नगर का ह्दय स्थल किसी भी प्रकार से विकास की परिभाषा से कोसो दुर नजर आ रहा है। सुभाष चौक से शुरू किया जाये तो चंहुओर अतिक्रमण की मार लांजी नगर का ह्रदय स्थल झेल रहा है। सभा मंच के ईद गिर्द गंदगी, दुकानों के सामने फुटपाथ टूट फुट चुका है। दुकानों के सामने अतिक्रमण कर लिया गया है। दुकानों के सामने दुकाने लगाई जाती है जो कि रोड तक फैलाई गई। नालियों के उपर दुकाने पसरी हुई। जिसको जहां जगह मिली वही अपनी दुकान पसरा रहा है। किसी भी प्रकार का मास्टर प्लान नगर परिषद के पास नजर नही आता। ना तो नगर परिषद व्यवस्थित सब्जि मंडी में दुकानें लगवा पाता है और वहीं नगर के सुभाष चौक में डिवाईडर के आस पास बड़ी मात्रा में दुकाने लग रही है जो कि कभी भी बड़ी दुर्घटना को आमंत्रण देगी। नगर के बस स्टैण्ड से ही अतिक्रमण प्रारंभ हो जाता है दुकानों के सामने दुकाने लगी हुई जिस पर नगर परिषद कार्यवाही नही कर पा रही है। जबकि नगर के मुख्यालय या ह्दय स्थल के लिये एक बेहतर मास्टर प्लान तैयार कर विकास करना चाहिये तथा नगर को अतिक्रमण मुक्त करना चाहिये।

पंचायत की लापरवाही से दिघोरी में गंदा पानी पीने मजबूर ग्रामीण

पद्मेश न्यूज। लांजी। जनपद पंचायत लांजी के अंतर्गत ग्राम पंचायत दिघोरी में विगत एक वर्ष से अनेक समस्याएं व्याप्त है किन्तु यहां पदस्थ सरपंच व सचिव इस ओर ध्यान नहीं दे रहे हैं। इस संबंध में ग्रामीणों ने जानकारी में बताया कि ग्राम के बाजार चौक में पानी की टंकी बनी हुई है, जिससे पुरे गांव में पानी सप्लाई होता है किन्तु पानी टंकी के सामने लगा वाल्व लिकेज होने के कारण रोड़ पर पानी बहते रहता है, जिसके चलते जहां एक ओर कीचड़ व गंदगी का आलम बना हुआ है, वहीं यह गंदा पानी पाइप लाइन के जरिए लोगों के घरों में पहुंच रहा है, जिसके कारण बिमारी फैलने की आशंका बनी हुई है। ग्रामीणों यह भी बताया कि इस वाल्व सुधार के लिए पंचायत से 18 हजार रूपए की राशि आहरण की गई किन्तु अब तक कार्य नहीं कराया गया है। इसके अलावा ग्राम में बोद्ध विहार के सामने पाइप लाइन फूटी होने के कारण यहां भी हमेशा गंदगी बनी रहती है। ग्राम के वार्ड क्रमांक 16 में 6 माह पूर्व सीसी रोड़ बनाई गई है किन्तु अब तक साइड सोल्डर नहीं भरा गया है, जिसके कारण दुर्घटना का अंदेशा बना रहता है। इस वार्ड में पाइप लाइन होने एवं बोर में मोटर डालने के बावजूद लोगों को नल जल योजना का लाभ नहीं मिल पा रहा है। ग्रामीणों ने जनपद पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी से मांग की गई है कि इस संबंध में जांच कर उचित कार्रवाई की जावे।

ग्रामीणों की सुझबूझ से बड़ा हादसा टला

पद्मेश न्यूज। लांजी। लांजी अनुभाग के बहेला थाना क्षेत्रान्तर्गत ग्राम बिरनपुर में ग्रामीणों की सूझबूझ से एक बडा हादसा टल गया जहां गैस सिलेण्डर से गैस के रिसाव के चलते बड़ी दुर्घटना या हादसा घटित हो सकता था। बतादे कि ग्राम बिरनपुर निवासी तिलकचंद रामचंद लिल्हारे वार्ड क्रमांक 13 के घर पर उनकी पत्नि रैवंती बाई लिल्हारे 20 नवंबर को सुबह करीब 8 बजे चाय बनाने के लिये रसोई घर में गई थी इस दौरान उन्हे ज्ञात हुआ कि गैस सिलेण्डर गैस के रिसाव होने का अंदेशा हुआ जिसके चलते रैवंती बाई घबराकर तुरंत ही घर के अन्य सदस्यो को तथा आस पडोस के लोगो को आवाज लगाकर बुलाया गया और कहा कि सभी लोग बहार निकलो क्योंकि गैस सिलेण्डर से गैस का रिसाव हो रहा है कोई भी घटना घट सकती है। आस पडोस के लोगो के द्वारा तुरंत ही अपने सुझबुझ का परिचय देते हुये पहले तो तिलकचंद के रसोई घर में जाकर गैस सिलेण्डर से रेगुलेटर को अलग किया गया तथा बिले बोरे सिलेण्डर में बांध कर सिलेण्डर को घर से बहार निकाला गया इस दौरान भी गैस का रिसाव बंद नही हो पाया था, ग्रामीणो के द्वारा एक सुरक्षित स्थान पर गैस सिलेण्डर को ले जाया गया जिसके चलते ग्रामीणों ने एक बड़ी दुर्घटना होने से बवाया। बतादे कि जब तक गैस सिलेण्डर से पुरी गैस खाली नही हुई तब तक गैस का रिसाव होते रहा। गनीमत रहा कि इस दौरान किसी के द्वारा माचिस या अन्य ज्वलंत पदार्थ का उपयोग नही किया गया अन्यथा ग्राम में एक बडी दुर्घटना घटित हो सकती थी।

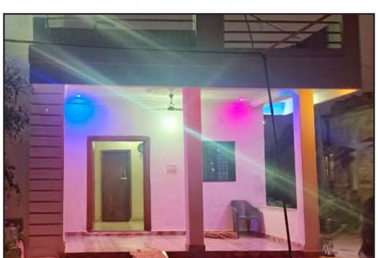

स्वदेशी एवं रोजगार मेले का भव्य आयोजन, लांजी के छात्रों ने बढ़-चढ़कर लिया हिस्सा

पद्मेश न्यूज। लांजी। जिला प्रशासन बालाघाट के तत्वावधान में पिछले दो वर्षों से स्वदेशी उत्पादों को बढ़ावा देने एवं युवाओं को रोजगार उपलब्ध कराने की मुहिम चलाई जा रही है। इसी कड़ी में उत्कृष्ट मैदान बालाघाट में 15 नवंबर से 25 नवंबर 2025 तक स्वदेशी मेला का आयोजन किया जा रहा है। मेले के दौरान 19 नवंबर 2025 को विशाल रोजगार मेले का आयोजन हुआ, जिसमें मुख्य अतिथि मध्यप्रदेश विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर उपस्थित रहे।

इस रोजगार मेले में लांजी तहसील से दृष्टि कंप्यूटर एजुकेशन इंस्टीट्यूट, शासकीय महाविद्यालय लांजी तथा शासकीय आईटीआई पालडोंगरी के लगभग 350 छात्र-छात्राओं ने 6 बसों के माध्यम से बालाघाट पहुंचकर हिस्सा लिया।

मेले में टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स, टाटा मोटर्स, एमआरएफ टायर्स, एमजी मोटर्स जैसी देश की नामी कंपनियों के प्रतिनिधियों ने स्टॉल लगाए तथा छात्र-छात्राओं से आवेदन पत्र एकत्र किए, साक्षात्कार लिए तथा कुछ युवाओं को मौके पर ही नियुक्ति पत्र भी प्रदान किए गए। मुख्य अतिथि नरेंद्र सिंह तोमर ने स्वयं कई युवाओं को नियुक्ति पत्र सौंपे।

मंच पर लांजी की दो युवतियों ने अचानक प्रेरणा लेकर स्वदेशी मेले पर आधारित बहुत सुंदर कविता प्रस्तुत की। दोनों ने बताया कि कविता कहने का निर्णय उन्होंने मंच पर ही लिया और माहौल की ऊर्जा से प्रेरित होकर सहज ही कविता सुनाई। उनकी इस साहसिक प्रस्तुति की सभी ने खूब सराहना की।

इतने विशाल स्तर पर रोजगार एवं स्वदेशी मेले का आयोजन अपने आप में एक बड़ी उपलब्धि है। आयोजकों की जितनी प्रशंसा की जाए, कम है। मेले के संयोजक मौसम बिसेन, सह-संयोजक प्रणव पटेल, सह-संयोजक यजेश चावड़ा तथा उनकी पूरी टीम बधाई की पात्र है।

यह आयोजन न केवल युवाओं को रोजगार से जोड़ने में सफल रहा बल्कि स्वदेशी भावना को भी नई ऊर्जा प्रदान कर रहा है।

कचेखनी, भौरगढ़ एवं कोसमी में एसआईआर कार्य का अपर कलेक्टदर ने किया निरीक्षण

पद्मेश न्यूज ।बालाघाट। अपर कलेक्टषर एवं उप जिला निर्वाचन अधिकारी श्री जी एस धुर्वे ने 20 नवंबर को बालाघाट तहसील के अंतर्गत ग्राम कोसमी एवं खैरलांजी तहसील के अंतर्गत ग्राम कचेखनी एवं भौरगढ़ का भ्रमण कर मतदाता सूची के गहन पुनरीक्षण कार्य एसआईआर का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने मतदाताओं के घर जाकर उनसे गणना पत्रक मिलने एवं सभी जानकारी भरकर वापस बीएलओ के पास जमा किये जाने की जानकारी ली। इस दौरान उन्होंने बीएलओ से भी गणना पत्रक वितरण एवं उनके डिजि ?टलाईजेशन की जानकारी ली और निर्देशित किया कि मतदाताओं से प्राप्त गणना पत्रकों को शीघ्र पोर्टल पर अपलोड करें। 04 दिसंबर के पूर्व यह कार्य हो जाना चाहिए। इसमें किसी भी तरह की लापरवाही नहीं होना चाहिए।

01 जनवरी 2025 की पुनरीक्षित मतदाता सूची में एवं वर्ष 2003 की मतदाता सूची में जिनके नाम शामिल है, उन्हें मतदाता सूची के गहन पुनरीक्षण एसआईआर के दौरान कोई दस्तावेज नही देना है। 2025 की पुनरीक्षित मतदाता सूची में शामिल ऐसे मतदाता जिनके नाम 2003 की मतदाता सूची में शामिल नही है, लेकिन उनके माता पिता या वंशज के नाम 2003 की सूची में शामिल है तो उन्हें भी मतदाता सूची के गहन पुनरीक्षण एसआईआर के दौरान कोई दस्तावेज नही देना है। ऐसे मतदाता जिनके नाम 2025 की मतदाता सूची में शामिल है लेकिन 2003 की मतदाता सूची में शामिल नही है, और उनके माता पिता के नाम भी 2003 की सूची में शामिल नही है तो ऐसे लोगो को मतदाता सूची के गहन पुनरीक्षण के दौरान निर्धारित दस्तावेज देना होगा, तभी उनके नाम मतदाता सूची में शामिल हो सकेंगे।

सभी बीएलओ को निर्देशित किया गया है कि जिन मतदाताओं के नाम 2025 की सूची में शामिल है लेकिन 2003 की सूची में शामिल नही है उनके माता पिता या वंशजों के नाम 2003 की सूची में ढूंढकर ऐसे मतदाताओं की मैपिंग का कार्य 04 नवम्बर के पूर्व पूर्ण कर ले। 2025 की मतदाता सूची में शामिल जिन मतदाताओं के माता पिता या वंशजों के नाम 2003 की सूची में नही पाए जाएंगे उन्हेंक नोटिस जारी किया जाना है।

लांजी में "पद्मेश"
इंटरनेट (ब्राडबेंड) कनेक्शन के लिये संपर्क करें
Mo. 8319969927

बैतूल में रूपए 9 करोड़ 84 लाख की साइबर लूट का पर्दाफाश

मृत व्यक्ति के बैंक खाते का भी किया गया दुरुपयोग-3 आरोपी गिरफ्तार

भोपाल। बैतूल जिले में पुलिस और साइबर सेल की संयुक्त टीम ने एक संगठित साइबर ठगी का पर्दाफाश किया है। इस ठगी में करीब 9 करोड़ 84 लाख रुपये की हेराफेरी की गई थी। पुलिस और साइबर टीम द्वारा किए गए सूक्ष्म तकनीकी विश्लेषण, खातों की ट्रैकिंग, डिजिटल फॉरेंसिक तथा सतत मॉनिटरिंग ने इस ठगी नेटवर्क को उजागर करने में निर्णायक भूमिका निभाई।

खेड़ी सावलीगढ़ निवासी मजदूर बिसराम इवने जब अपने जन-धन खाते का चढ्ढष्ट अपडेट कराने बैंक पहुँचे तो उन्हें खाते में करोड़ों के संदिग्ध लेन-देन का पता चला। बिसराम इवने ने अपने जन-धन खाते में करोड़ों रुपये के संदिग्ध लेन-देन की शिकायत पुलिस अधीक्षक कार्यालय में दर्ज कराई थी। शिकायत मिलते ही पुलिस अधीक्षक वीरेंद्र जैन और अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्रीमती कमला जोशी के निर्देशन में साइबर सेल और कोतवाली पुलिस की टीम को जांच में लगाया गया। प्रारंभिक जांच में सामने आया कि जून 2025 से अब तक उसके खाते से लगभग 1 करोड़ 50 लाख रुपये का अवैध ट्रांजेक्शन किया गया था।

जांच में संगठित साइबर लूट का पर्दाफाश हुआ जिसमें पुलिस ने पाया कि एक ही बैंक के 7 अलग-अलग व्यक्तियों के बैंक खातों को निशाना बनाते हुए गिरोह द्वारा 9 करोड़ 84 लाख 95 हजार 212 रुपये की हेराफेरी की गई।

सबसे चौंकाने वाला तथ्य यह रहा कि गिरोह ने मृत व्यक्ति राजेश बर्डे के बैंक खाते खाते का भी इस्तेमाल किया। उसका मोबाइल नंबर बदला, झरू कार्ड जारी कराया, इंटरनेट बैंकिंग सक्रिय की और हझक्क पर पूरा नियंत्रण हासिल किया।

जांच के दौरान यह भी स्पष्ट हुआ कि यह पूरा नेटवर्क बैंक के एक अस्थायी कर्मचारी की मिलीभगत से संचालित हो रहा था, जिसने खातों की गोपनीय जानकारी, दस्तावेजों में फेरबदल और झरू पासबुक जारी कराने में गिरोह की मदद की। इसी सहयोग की वजह से अपराधियों को खातों तक आसानी से पहुँच मिली और करोड़ों की हेराफेरी अंजाम दी गई।

सूचनाओं और तकनीकी विश्लेषण के आधार पर बैतूल पुलिस ने इंदौर शहर के दो स्थानों पर दबिश देकर राजा उर्फ आयुष चौहान, अंकित राजपूत और नरेंद्र सिंह राजपूत को गिरफ्तार कर आरोपियों से 15 मोबाइल फोन (25 सिम सहित), 21 झरू कार्ड, 28 हजार रूपए नकद (काले बैग में), 11 बैंक पासबुक, 7 चेकबुक, 2 POS मशीन, 69 झरू जमा रसीदें (21 लाख जमा), 48 हजार रूपए की जमा पर्ची, 2 लैपटॉप, 1 Fiber राउटर, 4 रजिस्टर व डायरी (रिकॉर्ड) और अन्य सामग्री जप्त की।

इस कार्रवाई में संबंधित थाना प्रभारी, साइबर सेल तथा पुलिस टीमों ने सतर्कता, तकनीकी दक्षता और त्वरित कार्रवाई का परिचय दिया है। मध्यप्रदेश पुलिस ने पुनः स्पष्ट किया है कि 'जन सुरक्षा और साइबर सुरक्षा' प्रदेश की सर्वोच्च प्राथमिकता है, तथा साइबर अपराधों के विरुद्ध व्यापक और कठोर कार्यवाई निरंतर जारी रहेगी।

भोपाल से जुड़ा दिल्ली ब्लास्ट का कनेक्शन

जवाद के भाई हमूद की भोपाल पुलिस को ठगी के मामले में 26 साल से थी तलाश

भोपाल। देश की राजधानी दिल्ली में हुए बम ब्लास्ट का कनेक्शन भोपाल से जुड़ने लगा है। सूत्रों के अनुसार अल-फलाह यूनिवर्सिटी के चांसलर जवाद अहमद सिद्दीकी के भाई हमूद सिद्दीकी को भोपाल पुलिस को ठगी के एक मामले में करीब 26 साल से तलाश थी। लेकिन पुलिस को उसकी भनक तक नहीं लग रही थी। इंदौर पुलिस से मिले इनपुट के बाद पुलिस को उसके फरार होने से जुड़ा गिरफ्तारी वारंट मिला है। शाहजहाबाद थाना पुलिस के मुताबिक हमूद सिद्दकी ने साल 1999 में एक चिटफंड कंपनी बनाई थी, जिसमें वह महाप्रबंधक था। कंपनी ने रकम दो गुना करने के नाम पर सैकड़ों लोगो से करोड़ो रुपये की रकम इंवेस्ट कराकर ठगी की थी। इस मामले में पुलिस ने प्रकरण भी दर्ज किया था। बाद में कोर्ट में चालान भी पेश कर दिया गया था। कोर्ट ने उसकी गिरफ्तारी का वारंट जारी किया था। उस पर पांच हजार रुपए का इनाम भी घोषित किया गया था। पुलिस सूत्रों ने बताया कि अल-फलाह यूनिर्सिटी के चांसलर जवाद अहमद और भाई हमूद के अलावा उनके परिवार से जुड़े लोगों की अपराधिक कुंडली भोपाल सहित प्रदेशभर में खंगाली जा रही है। पुलिस अफसरों का अनुमान है कि इस परिवार ने कई लोगों को अपनी ठगी का शिकार बनाया है। हालांकि अभी तक सिर्फ शाहजहानाबाद में ही हमूद के खिलाफ प्रकरण दर्ज होने की जानकारी मिली है।

सिंहस्थ की सुरक्षा के लिए 5 हजार होमगार्ड्स को मिलेगी स्पेशल ट्रेनिंग

भोपाल । प्रदेश सरकार सिंहस्थ 2028 की तैयारियों में जुट गई है। सिंहस्थ से जुड़े विकास कार्यों के अलावा आयोजन की सुरक्षा को लेकर भी भर्ती प्रक्रिया शुरू हो गई है। सिंहस्थ के लिए 5020 होमगार्ड्स सैनिकों की भर्ती की जाएगी। भर्ती का प्रस्ताव बनाकर होमगार्ड्स मुख्यालय ने राज्य शासन को भेज दिया है। मंजूरी मिलते ही भर्ती की जाएगी। नई भर्ती के बाद होमगार्ड्स सैनिकों को सिंहस्थ की सुरक्षा के हिसाब से प्रशिक्षित भी किया जाएगा। जिसमें भीड़ नियंत्रण, सायबर सुरक्षा एवं आपातकालीन स्थिति से निपटने का प्रशिक्षण शामिल रहेगा।

होमगार्ड्स मुख्यालय ने गृह विभाग को 5020 सैनिकों की भर्ती का प्रस्ताव भेजा है। जिसमें से 4532 जवान सिंहस्थ 2028 के लिए भर्ती होंगे। जबकि 488 जवानों की भर्ती महाकालेश्वर मंदिर की सुरक्षा के लिए की जाएगी। इसको लेकर मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने घोषणा की थी कि महाकाल मंदिर की सुरक्षा के लिए, अलग से भर्ती की जाएगी। उसी घोषणा के परिपालन में महाकाल मंदिर की सुरक्षा के लिए होमगार्ड्स सैनिकों की भर्ती की जा रही है। अभी तक महाकाल मंदिर की सुरक्षा का जिम्मा निजी सुरक्षा एजेंसियों के पास हैं। सैनिकों की भर्ती के बाद सुरक्षा की कमान होमगार्ड्स के हाथ में आ जाएगी।

सैनिकों को दी जाएगी विशेष ट्रेनिंग

गृह विभाग से होमगार्ड सैनिकों की भर्ती के प्रस्ताव को मंजूरी मिलते ही भर्ती की प्रक्रिया शुरू हो जाएगी। जिसे समय सीमा के भीतर पूरा किया जाएगा। भर्ती के बाद चयनित सैनिकों को सिंहस्थ के हिसाब से विशेष प्रशिक्षण दिया जाएगा। जिसमें उप्र के प्रयागराज कुंभ का आयोजन करा चुकी उप्र सरकार समेत अन्य सुरक्षा एजेंसियों के प्रमुखों द्वारा प्रशिक्षण दिया जाएगा।

मंदिरों तक जाना हुआ आसान, हेलीकाप्टर चंद मिनटों में कराएगा सफर

मध्य प्रदेश में पीएमश्री हेली पर्यटन सेवा शुरू

भोपाल। मध्यप्रदेश में पर्यटन क्षेत्र को नई गति देने के उद्देश्य से पीएमश्री हेली पर्यटन सेवा का शुभारंभ गुरुवार से हो गया। इस सेवा के माध्यम से श्रद्धालुओं और पर्यटकों को प्रदेश के प्रमुख धार्मिक एवं पर्यटन स्थलों तक कम समय में सुरक्षित और सुगम यात्रा की सुविधा मिलेगी। मध्यप्रदेश पर्यटन बोर्ड द्वारा शुरू की गई इस पहल के साथ प्रदेश देश का पहला राज्य बन गया है जिसने इंटर-स्टेट हेलीकॉप्टर टूरिज्म सेवा शुरू की है।

हेली पर्यटन सेवा फिलहाल तीन सेक्टरों में प्रारंभ की गई है और यह सप्ताह में पांच दिन उपलब्ध रहेगी। यात्रा समय में उल्लेखनीय कमी होने से यात्रियों को अत्यधिक लाभ मिलेगा। उज्जैन में महाकाल दर्शन कुछ ही मिनटों में होंगे। वहीं, भोपाल से पंचमढ़ी करीब 1 घंटे और उज्जैन - ओंकारेश्वर ज्योतिर्लिंग यात्रा 20-40 मिनट का समय लगेगा। पंचमढ़ी में जॉय राइड सुविधा भी उपलब्ध रहेगी। एक हेलीकॉप्टर में 6 यात्री यात्रा कर सकेंगे।

पर्यटन को मिलेगा नया आयाम

पर्यटन मंत्री धर्मेंद्र भाव सिंह लोधी ने कहा कि हेलि पर्यटन सेवा पर्यटन विकास की दिशा में महत्वपूर्ण और ऐतिहासिक कदम है। इससे तीर्थयात्रियों को आसान यात्राएं मिलेंगी और प्रदेश के धार्मिक, वन्य एवं एडवेंचर पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा। अतिरिक्त मुख्य सचिव शिव शेखर शुक्ला के अनुसार इस सेवा से पर्यटन क्षेत्र में निवेश बढ़ेगा। रोजगार के नए अवसर पैदा होंगे। पर्यटकों को शानदार और यादगार यात्रा अनुभव मिलेगा। पर्यटन विशेषज्ञों के अनुसार, हेलि पर्यटन सेवा से मध्यप्रदेश धार्मिक और प्राकृतिक पर्यटन का प्रमुख हब बनने की दिशा में एक और कदम आगे बढ़ गया है।

आध्यात्मिक सेक्टर

आध्यात्मिक सेक्टर के अंतर्गत इंदौर-उज्जैन- ओंकारेश्वर मार्ग को जोड़ा गया है। इंदौर से उज्जैन तक 20 मिनट की उड़ान का अनुमानित किराया 5 हजार रूपये, उज्जैन से ओंकारेश्वर तक 40 मिनट की उड़ान का किराया 6 हजार 500 और ओंकारेश्वर से इंदौर लौटने का किराया लगभग 5 हजार 500 रूपये रखा गया है। इस सेक्टर के माध्यम से श्रद्धालु एक ही दिन में महाकालेश्वर और ओंकारेश्वर दोनों ज्योतिर्लिंगों के दर्शन आसानी से कर सकेंगे।

इको टूरिज्म सेक्टर

इको टूरिज्म सेक्टर में भोपाल से मढ़ई तक 40 मिनट की उड़ान का अनुमानित किराया 4 हजार रूपयेतथा मढ़ई से पचमढ़ी तक 20 मिनट की उड़ान का किराया 3 हजार रूपयेहै। इसके अतिरिक्त भोपाल से पचमढ़ी के लिए एक घंटे की सीधी उड़ान भी उपलब्ध रहेगी, जिसका किराया 5 हजार रूपयेप्रति यात्री है। पचमढ़ी में जॉय-राइड्स का विकल्प भी उपलब्ध होगा, जिससे प्रकृति-आधारित अनुभव और भी आकर्षक बनेगा।

वाइल्डलाइफ सेक्टर

वाइल्डलाइफ सेक्टर में जबलपुर को कान्हा और बांधवगढ़ और से जोड़ा गया है। इनमें जबलपुर से मैहर की उड़ान का किराया 5 हजार रूपये,मैहर से चित्रकूट 2500 रूपये, जबलपुर से कान्हा 6,250 रूपये, बांधवगढ़ 3750 रूपये तथा अमरकंटक के लिए एक घंटे की उड़ान का किराया 5 हजार रूपये होगा। इस तेज कनेक्टिविटी से पर्यटक कम समय में अधिक स्थलों का भ्रमण कर सकेंगे।

मप्र के ज्यूडिशियल ऑफिसर 61 साल में होंगे रिटायर -सुप्रीम कोर्ट

भोपाल। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को एक महत्वपूर्ण अंतरिम आदेश देते हुए मध्यप्रदेश के न्यायिक अधिकारियों की रिटायरमेंट आयु 60 वर्ष से बढ़ाकर 61 साल कर दी है। यह फैसला उन याचिकाओं पर सुनवाई के दौरान आया है, जिनमें न्यायिक सेवाओं में सेवानिवृत्ति आयु बढ़ाने की मांग उठाई गई थी। चीफ जस्टिस (सीजेआई) बीआर गवई और जस्टिस प्रसन्ना बी. वराले और जस्टिस के. विनोद चंद्रन की बेंच ने अंतरिम आदेश में तेलंगाना हाईकोर्ट के इसी तरह के फैसले का जिक्र किया। शीर्ष कोर्ट ने पूछा कि जब राज्य सरकार तैयार है, तो न्यायिक अधिकारियों को यह राहत क्यों नहीं दी जानी चाहिए?

बेंच ने कहा कि न्यायिक अधिकारी और राज्य सरकार के बाकी कर्मचारी, दोनों का वेतन एक ही सरकारी खजाने से दिया जाता है। कोर्ट ने आगे कहा कि राज्य सरकार के अन्य कर्मचारियों की सेवानिवृत्ति की उम्र 62 साल है। कोर्ट ने कहा कि वैसे भी हाईकोर्ट के जजों और जिला अदालत के जजों की सेवानिवृत्ति की उम्र में एक साल का अंतर है।

चार हफ्ते बाद होगी अंतिम सुनवाई

हाईकोर्ट के जज 62 साल की उम्र में सेवानिवृत्त होते हैं और अब मध्य प्रदेश में जिला अदालत के जजों की सेवानिवृत्ति की उम्र 61 साल हो जाएगी। बेंच ने इस याचिका पर अंतिम सुनवाई के लिए चार हफ्ते बाद की तारीख तय की।

हाईकोर्ट के वकील ने किया उम्र सीमा बढ़ाने का विरोध

वरिष्ठ वकील गोपाल शंकरनारायणन मध्य प्रदेश हाई कोर्ट की ओर से पेश हुए। उन्होंने जिला अदालत के जजों की सेवानिवृत्ति की उम्र सीमा बढ़ाने की मांग का विरोध किया। सुप्रीम कोर्ट ने 27 अक्टूबर को मध्य प्रदेश सरकार और हाईकोर्ट की रजिस्ट्री से उस याचिका पर जवाब मांगा था, जिसमें न्यायिक अधिकारियों की सेवानिवृत्ति की उम्र 60 से बढ़ाकर 61 साल करने से इनकार को चुनौती दी गई थी। सीजेआई गवई की अध्यक्षता वाली बेंच ने 26 मई को कहा था कि मध्य प्रदेश के न्यायिक अधिकारियों की सेवानिवृत्ति की उम्र 61 साल करने में कोई कानूनी बाधा नहीं है।

चीता मुखी ने पांच शावकों को दिया जन्म

भोपाल। कूनो नेशनल पार्क में संरक्षण के इतिहास की सबसे बड़ी उपलब्धि दर्ज की गई है। भारतीय मूल की मादा चीता मुखी ने पांच स्वस्थ शावकों को जन्म देकर न केवल कूनो बल्कि पूरे देश के लिए गौरव का क्षण रच दिया है। कूनो प्रबंधन के अनुसार मां और सभी शावक पूर्णतः स्वस्थ हैं। यह घटना इसलिए भी ऐतिहासिक है क्योंकि यह पहली बार है जब भारत में जन्मी किसी मादा चीता ने देश की ही जमीन पर सफल प्रजनन किया है।

करीब 33 महीने पहले कूनो में जब दक्षिण अफ्रीका से लाई गई चीता ने तीन शावकों को जन्म दिया था, उनमें से दो शावकों ने कठिन प्राकृतिक परिस्थितियों का सामना नहीं कर पाया। बस एक नन्ही मादा शावक मुखी बच पाई कमजोर, छोटी और अनिश्चित भविष्य के साथ। कूनो के वनकर्मी उसे दिनरात निगरानी में रखते थे पर एक सीमा के बाद सब कुछ प्रकृति पर छोड़ना था। धीरे-धीरे मुखी ने अपनी जीवटता दिखाई उसने शिकार करना सीखा, अपने क्षेत्र टेरिटरी की पहचान बनाई, मौसम और भूगोल के प्रति अद्भुत अनुकूलन क्षमता दिखाई।

प्रोजेक्ट चीता के लिए गेम चेंजर पल

मुखी द्वारा पांच शावकों का जन्म इस बात का प्रमाण है कि कूनो का आवास, भोजन-श्रृंखला, पर्यावरण और सुरक्षा व्यवस्था चीतों के लिए बेहद अनुकूल हो चुकी है। वन्यजीव विशेषज्ञों की भाषा में यह एक स्वाभाविक प्रजनन उछाल है जो किसी भी पुनर्वास परियोजना की सबसे कठिन और सबसे अहम कसौटी होती है। यह उपलब्धि संकेत देती है कि भारत अब आत्मनिर्भर चीता जनसंख्या के लक्ष्य के बेहद करीब है। आनुवंशिक विविधता बढ़ेगी, भविष्य की चीता पीढ़ियों के लिए मजबूत आधार तैयार होगा और वैश्विक वन्यजीव संरक्षण में भारत की स्थिति और मजबूत होगी। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कूनो की टीम को बधाई देते हुए कहा कि इसे भारत के वन्यजीव इतिहास का मील का पत्थर बताया। वहीं केंद्रीय वन मंत्री भूपेंद्र सिंह ने कहा कि यह सिर्फ एक जन्म नहीं, बल्कि पूरी परियोजना का आत्मविश्वास बढ़ाने वाला मोड़ है।

विनोद/ 20 नवम्बर/2025

रिटायर्ड जजों को अब नहीं देना पड़ेगा लाइफ सर्टिफिकेट

सरकार ने वापस लिया आदेश, हाईकोर्ट ने याचिकाओं का किया निराकरण

भोपाल। प्रदेश की निचली अदालतों से रिटायर हुए जजों को हर साल भत्ते के लिए लाइफ सर्टिफिकेट जमा कराने की अनिवार्यता समाप्त हो गई है। राज्य सरकार ने दिसंबर 2024 में जारी विवादित परिपत्र को वापस ले लिया है। सरकार की इस जानकारी के बाद चीफ जस्टिस संजीव सचदेवा और जस्टिस विनय सराफ की डिवीजन बेंच ने इस आदेश को चुनौती देने वाली दो याचिकाओं का निराकरण कर दिया।

फॉर्मर जज वेलफेयर एसोसिएशन इंदौर के महासचिव गुलाब शर्मा और जेपी राव की ओर से दायर याचिकाओं में कहा गया था कि रिटायर्ड जजों को प्रदेश सरकार मेडिकल व घरेलू भत्ते देती है, पर 2024 के आदेश के कारण उन्हें हर वर्ष नवंबर में अपने रिटायरमेंट जिले में जाकर लाइफ सर्टिफिकेट जमा करना अनिवार्य कर दिया गया था। याचिकाकर्ताओं ने हाईकोर्ट को बताया कि अधिकांश रिटायर्ड जज दूसरे राज्यों या विदेशों में रहते हैं, ऐसे में यह नियम अव्यवहारिक था। सुनवाई के दौरान राज्य सरकार की ओर से शासकीय अधिवक्ता अनुभव जैन ने कोर्ट को बताया कि 13 दिसंबर 2024 को जारी परिपत्र को पूर्ण रूप से वापस ले लिया गया है। इस बयान के आधार पर हाईकोर्ट ने दोनों याचिकाओं का निपटारा कर दिया। याचिकाकर्ताओं की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता संजय राम ताम्रकार, अधिवक्ता अविनाश कुमार और सतीश कुमार श्रीवास्तव ने पक्ष रखा।

बाघ का शिकार करने वाले 9 शिकारियों को 4-4 साल की जेल

भोपाल। सतपुड़ा टाइगर रिजर्व के जंगल से बाघ का शिकार करने वाले संगठित गिरोह के 9 सदस्यों को 4-4 साल की सजा सुनाई है। कोर्ट ने सभी दोषियों पर 25-25 हजार रुपए का जुर्माना भी लगाया है। इन शिकारियों ने नोटों की बारिश (धनवर्षा) कराने के लिए तंत्र-मंत्र के मकसद से टाइगर की हत्या की थी। स्टेट टाइगर स्ट्राइक फोर्स ने फैसला आने के बाद इसकी जानकारी दी।

यह अपराध 3 दिसंबर 2018 को उजागर हुआ था। स्टेट टाइगर स्ट्राइक फोर्स भोपाल और एसटीआर की टीम ने ग्राम कामती में बालिका छात्रावास के पास जामन सिंह बट्टी के खेत में बने टप्पर पर छापा मारा था। वहां 4 युवक बाघ की खाल और मूंछों के बाल के साथ पूजन-पाठ करते पकड़े गए थे।

पूरा गिरोह हत्थे चढ़ा

जांच में सामने आया कि आरोपी नोटों की बारिश कराने के लिए पूजा कर रहे थे। वे बाघ के 3 कटे-पिटे पंजे, मूंछ के बाल और 12 नग नाखून लेकर बैठे थे। पूछताछ में मुख्य आरोपी हेमंत उर्फ बब्लू बट्टी ने बताया था कि उसने अपने घर के पूजा वाले स्थान पर बाघ के ये अंग छुपाकर रखे थे। एसटीएसएफ और सतपुड़ा टाइगर रिजर्व के संयुक्त दल ने मौके से हेमंत कुमार उर्फ बब्लू बट्टी, ओमप्रकाश, जयप्रकाश और चमन सिंह को पकड़ा था। पूछताछ में उन्होंने अपना जुर्म कबूल कर लिया और मृत बाघ के अन्य अंगों को छुपाने की बात बताई। इसके बाद 4 दिसंबर 2018 को उन्हें कोर्ट में पेश कर रिमांड लिया गया और आगे की विवेचना में गिरोह के अन्य 5 सदस्यों को भी गिरफ्तार किया गया।

न्यायालय ने सभी 9 शिकारियों को वन्यप्राणी संरक्षण अधिनियम 1972 की धारा 9 (शिकार करना) और 49 बी (अवैध कब्जा) के उल्लंघन का दोषी पाया। कोर्ट ने कहा कि अपराध की गंभीरता को देखते हुए आरोपियों को किसी भी तरह का लाभ देना उचित नहीं है। इसके बाद सभी को 4-4 वर्ष का सश्रम कारावास और जुर्माने की सजा सुनाई गई। सजा पाने वाले 9 शिकारियों में 4 नर्मदापुरम जिले (सोहागपुर-पिपरिया) और 5 छिंदवाड़ा जिले के हैं।

सीबीआई ने सीआरपीएफ इंस्पेक्टर को किया गिरफ्तार

नौकरी लगवाने के नाम पर रकम लेने के आरोप

भोपाल । सीबीआई ने बंगरसिया के एक सीआरपीएफ इंस्पेक्टर को गिरफ्तार किया है। आरोप है कि वो सीआरपीएफ और अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं में उम्मीदवारों से नौकरी लगवाने के नाम पर रकम वसूल रहा था। जानकारी के अनुसार सीबीआई (एसीबी) भोपाल ने 2 सितंबर 2025 को अच्युतानंद आजाद, निरीक्षक, सीआरपीएफ बंगरसिया, भोपाल के विरुद्ध यह कार्यवाही की है। इसके विरुद्ध भारतीय दंड संहिता की धारा 120-बी के अंतर्गत धारा 420 और भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम, 1988 (यथा संशोधित 2018) की धारा 7 के अंतर्गत एक नियमित मामला रजिस्टर किया था।अच्युतानंद पर आरोप है कि उसने अन्य अज्ञात लोगों के साथ आपराधिक षड्यंत्र करते हुए साल 2023-2025 की अवधि के दौरान सीआरपीएफ और अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं में विभिन्न पदों पर चयन कराने के बहाने संभावित उम्मीदवारों और उनके रिश्तेदारों से पैसा लिया। जांच के दौरान सीबीआई को यह भी पता चला है कि अच्युतानंद आजाद ने अपने बैंक खाते में, अपनी पत्नी के बैंक खातों में और अपनी साझेदारी फर्म परी तितली इंटरप्राइजेज के खाते में बिचौलियों के माध्यम से कई संभावित उम्मीदवारों से मोटी रकम वसूली थी। बाद में सीबीआई को जानकारी लगी कि अच्युतानंद आजाद गवाहों को धमका रहा है, और जांच को प्रभावित करने का प्रयास कर रहा है। बाद में सीबीआई ने आरोपी इंस्पेक्टर अच्युतानंद आजाद को 17 नवंबर की रात करीब 9 बजे गिरफ्तार किया और अगले दिन 18 नवंबर को सीबीआई मामलों के विशेष न्यायाधीश भोपाल की अदालत में पेश किया गया।

कर्मचारी संघों की संपत्तियों पर नहीं चलेगा व्यापार

सामान्य प्रशासन विभाग ने कलेक्टरों से मांगी जानकारी

भोपाल । अब सरकारी संपत्तियों का इस्तेमाल निजी व्यक्ति या संगठन द्वारा इससे आय अर्जित करने के लिए नहीं किया जाएगा। मध्य प्रदेश सरकार अब ऐसी संपत्तियों को लेकर सक्रिय हो गई है। सबसे पहले कर्मचारी यूनियन या संघों को दी गई संपत्तियों की पड़ताल की जा रही है। इनमें कई संपत्तियां ऐसी हैं, जहां व्यवसायिक इस्तेमाल हो रहा है। साथ ही यह पैसा शासन के खजाने में ना जाकर कर्मचारी नेताओं के उपयोग में आ रहा है। ऐसे में सरकार ने अब ऐसी संपत्तियों की खोजबीन शुरू कर दी है।

सामान्य प्रशासन विभाग ने सभी जिला कलेक्टरों से उनके जिले में कर्मचारी संगठनों को दी गई संपत्तियों की जानकारी मांगी है। इनके पास सरकारी तौर पर दी गई क्या-क्या जमीन या आवास है, उसमें कितना व्यावसायिक उपयोग किया जा रहा है। जिससे इनकी संपत्तियों की जानकारी सरकार के पास उपलब्ध रहे। वहीं यदि इन संपत्तियों का व्यवसायिक उपयोग हो रहा है, तो इससे होने वाली आमदनी का हिसाब-किताब भी सरकार रखेगी।

इस संगठनों के पास बड़े पैमाने पर संपत्तियां

मध्य प्रदेश के सबसे प्रभावी मध्य प्रदेश ततीय वर्ग शासकीय कर्मचारी संघ, मध्य प्रदेश लघु वेतन कर्मचारी संघ एवं लिपिक वर्ग से लेकर कर्मचारी कांग्रेस और शिक्षक संघ के पास बड़े पैमाने पर सरकार द्वारा दी गई संपत्तियां हैं। इन्हें यू तो संगठन कार्यालय संचालित करने के लिए, जमीन या सरकारी आवास उपलब्ध कराए गए थे, लेकिन वहां संगठन कार्यालय के अलावा बड़े पैमाने पर व्यावसायिक गतिविधियां हो रही है। ज्यादातर में दुकानें बनाकर उन्हें किराये पर दिया गया है। इन्हें कर्मचारी संघ नेताओं के रिश्तेदार या फिर नजदीकी लोग किराये पर चला रहे हैं।

कई जिलों में हो रहा व्यवसायिक उपयोग

लंबे समय से विवादित मप्र तृतीय वर्ग शासकीय कर्मचारी संघ ने तो छिंदवाड़ा, बैतूल, हरदा, भिंड, मुरैना सहित अनेक क्षेत्रों में कार्यालय के साथ-साथ दुकानों का संचालन हो रहा है। मध्य प्रदेश लघु वेतन कर्मचारी संघ के प्रदेश स्तरीय कार्यालय में दुकानों का संचालन हो रहा है। मध्य प्रदेश शिक्षक संघ के पुष्पा नगर स्थित बड़ा बहु मंजिला कार्यालय भवन है। पहले इसी में नीचे कार्यालय संचालित होता था। जबकि दूसरी मंजिल पर लोग किराये से रहते थे। अब बताया जा रहा है कि दूसरे लोगों ने उस पर कब्जा कर लिया है। लिपिक वर्ग में भी बड़े पैमाने पर संपत्तियां हैं तो शिक्षक कांग्रेस कर्मचारी कांग्रेस सहित अन्य संगठनों के कार्यालय भी कई जिलों में व्यवसायिक उपयोग में हैं।

कर्मचारी संगठनों से भी मांगी जाएगी जानकारी

अधिकारी कर्मचारी संयुक्त मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष मप्र द्विवेदी ने बताया कि कर्मचारी संगठनों को दी जाने वाली जमीन या अवास समेत अन्य सभी जानकारी कलेक्टरों के पास रहती है। इसमें क्या-क्या अलोट किया गया है और कहां-कहां व्यवसायिक इस्तेमाल हो रहा है, यह कलेक्टरों को भी पता रहता है, क्योंकि किसी भी सरकारी कार्यालय में जब कोई व्यवसायिक उपयोग करते हैं, तो इससे पहले कलेक्टर से अनुमति लेनी पड़ती है। संभावना जताई जा रही है कि सामान्य प्रशासन विभाग द्वारा जल्द ही पत्र लिखने जा रहा है। जिसमें कर्मचारी संगठनों से सरकार द्वारा दी गई संपत्तियों की बिंदुवार जानकारी मांगी जाएगी।

फर्जी डीएड डिग्री गिरोह की जांच का दायरा बढ़ा, आधा दर्जन और शिकायतें मिलीं

सरकारी शिक्षक भर्ती में घोटाला

भोपाल। सरकारी स्कूलों में शिक्षक भर्ती के नाम पर हुआ डिग्री घोटाला अब बड़े नेटवर्क के रूप में सामने आ रहा है। एसटीएफ ने पता लगाया है कि फर्जी डीएड अंकसूचियां बनाकर उम्मीदवारों को शिक्षक की नौकरी दिलाने वाला संगठित गिरोह लंबे समय से सक्रिय रहा है। वहीं, सत्यापन के नाम पर जारी की गई जांच रिपोर्ट भी फर्जी जारी की गई। अब एसटीएफ फर्जी डिग्री उपलब्ध कराने वाले गिरोह, नियुक्ति प्रक्रिया में शामिल समिति और सत्यापन रिपोर्ट जारी कराने वाले जिम्मेदार अधिकारियों की भूमिका खंगाल रहा है। जांच टीम ने उन लोगों की पहचान पर खास ध्यान केंद्रित किया है, जिन्होंने दस्तावेजों को असली बताते हुए नौकरी की फाइलों को मंजूरी दिलवाई।

इस मामले में जांच आगे बढ़ने के बाद बैतूल, शाजापुर, धार, गुना और अन्य जिलों से भी शिकायतें मिली हैं। इन शिकायतों को मिलाकर एसटीएफ अब अलग-अलग वर्षों की भर्ती फाइलों और सत्यापन दस्तावेजों की तुलना कर रही है। टीम का मानना है कि पूरे प्रदेश में इस नेटवर्क के जड़ें हो सकती हैं।

अब और नाम जुड़ने की संभावना

पहले चरण में 34 शिक्षकों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई थी और इनमें से सात ग्वालियर के थे। अब संकेत मिल रहे हैं कि जैसे-जैसे पुराने दस्तावेजों की जांच आगे बढ़ेगी, आरोपियों की सूची और लंबी हो सकती है। एसपी एसटीएफ ग्वालियर राजेश सिंह भदौरिया ने बताया कि विभिन्न वर्षों के दस्तावेजों की जांच जारी है। नियुक्ति से लेकर सत्यापन तक जिस-जिस की भूमिका पाई जाएगी, वह जांच के दायरे में आएगा। दोषियों की गिरफ्तारी की प्रक्रिया आगे बढ़ेगी।

ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड के बीच एशेज सीरीज का पहला टेस्ट आज से

पर्थ। ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड के बीच शुक्रवार से यहां शुरू हो रही एशेज क्रिकेट सीरीज में दोनो ही टीमों के बीच रोमांचक क्रिकेट होने की संभावना है। बेन स्टोक्स की कप्तानी में उतर रही इंग्लैंड का लक्ष्य इस बार एशेज जीत कर पिछले एक दशक से मिल रही असफलत को पीछे छोड़ना रहेगा। वहीं नियमित कप्तान पैट कमिंस के फिट नहीं होने के कारण स्टीव स्मिथ की कप्तानी में उतर रही मेजबान ऑस्ट्रेलियाई टीम अपने खिताब को बरकरार रखने के लिए पूरा जोर लगा देगी। आंकड़ों पर नजर डालें तो ऑस्ट्रेलिया में पिछले 15 टेस्ट में से इंग्लैंड 13 मैच हारी है जबकि दो ड्रॉ रहे हैं इस प्रकार उसे एक भी जीत नहीं मिल सकी। अंतिम बार 2010-11 में इंग्लैंड ने ऑस्ट्रेलिया को 3-1 से हराया था।

वहीं इस बार मेजबान ऑस्ट्रेलियाई टीम की राह भी आसान नहीं है। वह अपने खिलाड़ियों की चोटों से परेशान हैं। ऐसे में देखना होगा कि प्रमुख खिलाड़ियों के बिना खेलने जा रही ऑस्ट्रेलियाई टीम अपना अपराजेय अभियान बरकरार रख सकेगी या नहीं। ऑस्ट्रेलियाई कप्तान कमिंस और तेज गेंदबाज जोश हेजलवुड चोटों के कारण पहले टेस्ट से बाहर हैं। ऐसे में तेज गेंदबाज मिचेल स्टार्क और आफ स्पिनर नाथन लियोन पर दवाब बढ़ जाएगा।

ब्रेंडन डोगेट तेज गेंदबाज स्कॉट बोलैंड के साथ पहली बार टेस्ट क्रिकेट में पदार्पण करेंगे। ऑलराउंडरन कैमरन ग्रीन इस सीरीज से वापसी कर रहे हैं। सलामी बल्लेबाज जैक वेदराल्ड को भी 31 साल की उम्र में टेस्ट क्रिकेट में पदार्पण करने का मौका मिला है। मार्नस लाबुशेन तीसरे और कार्यवाहक कप्तान स्मिथ चौथे नंबर पर उतरेंगे। इंग्लैंड के कप्तान स्टोक्स ने कहा, 'मुझे पता है कि यह कितनी बड़ी सीरीज है। मैं उन भाग्यशाली कप्तानों में नाम दर्ज कराना चाहता हूं जिन्होंने आस्ट्रेलिया में एशेज सीरीज जीती है। इस बार हमारे पास अपना इतिहास बनाने का अवसरी है। इंग्लैंड टीम में गेंदबाजी की जिम्मेदारी तेज गेंदबाज जोफ्रा आर्चर के पास रहेगी। वहीं उनका साथ मार्क वुड देंगे। इस मैचम में तेज गेंदबाज ब्राइडन कार्स वह गुस एटकिंसन को भी अवसर मिल सकता है। कुल मिलाकर देखा जाये तो इस सीरीज में जीत के लिए दोनो ही टीमें पूरा जोर लगा देंगी। मेजबान टीम को हालातों का भी लाभ मिलेगा ऐसे में उसे प्रबल दावेदार माना जा रहा है।

ऑस्ट्रेलिया अंतिम ग्यारह - स्टीवन स्मिथ (कप्तान), उस्मान ख्वाजा, जेक वेदरल्ड, मार्नस लाबुशेन, ट्रैविस हेड, कैमरून ग्रीन, एलेक्स कैरी (विकेटकीपर), मिशेल स्टार्क, नाथन लियोन, स्कॉट बोलैंड, ब्रेंडन डॉगेट।

इंग्लैंड की अंतिम ग्यारह - बेन स्टोक्स (कप्तान), जाक क्राउली, बेन डकेट, ओली पोप, जो रूट, हैरी ब्रूक, जैमी स्मिथ, ब्राइडन कार्स, गुस एटकिंसन, जोफ्रा आर्चर, मार्क वुड, शोएब बशीर

डब्ल्यूटीएल लीग में शामिल होने भारत आयेंगे मेदवेदेव, किर्गियोस सहित कई टेनिस स्टार

बेंगलुरु। भारत में टेनिस प्रशंसकों को अगले महीने विश्व के कई स्टार खिलाड़ियों को खेलते हुए देखने का अवसर मिलेगा। इसमें रुस के दानिल मेदवेदेव, ऑस्ट्रेलिया के निक किर्गियोस और रुस की एलेना रयबाकिना के अलावा कई अंतरराष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ी भी शामिल है। ये सभी खिलाड़ी 17 दिसंबर से होने वाले विश्व टेनिस लीग (डब्ल्यूटीएल) में खेलने के लिए भारत आने वाले हैं।

डब्ल्यूटीएल का आयोजन पहली बार भारत में होने जा रहा है। इससे पहले इस चार दिवसीय प्रतियोगिता का आयोजन संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) में होता रहा है। मेदवेदेव और रयबाकिना के अलावा ऑस्ट्रेलिया के निक किर्गियोस, फ्रांस के गेल मोनफिल्स और पाउला बडोसा भी इस प्रतियोगिता में खेलेंगे। इसमें भारत भारत का प्रतिनिधित्व सुमित नागल, युकी भांबरी, अंकिता रैना, श्रीवल्ली भामिदीपती और माया रेवती करेंगे।

रयबाकिना ने उत्साहित होते हुए कहा, 'मैंने भारत में टेनिस संस्कृति के बारे में बहुत कुछ सुना है और मैं डब्ल्यूटीएल के साथ यहां अपनी शुरुआत करने के लिए रोमांचित हूं। मैं अपनी टीम के साथ कोर्ट पर हर पल का आनंद लेने के लिए तैयार हूं। इस लीग में चार टीमें राउंड-रॉबिन प्रारूप में उतरेंगी। प्रत्येक मुकाबले में पुरुष एकल, महिला एकल और दो युगल मैच होंगे। इसमें शीर्ष पर रहने वाली दो टीमें फाइनल में पहुंचेंगी।

मुशफिकुर ने 100वें टेस्ट में शतक लगाकर बनाया रिकार्ड

ढाका। बांग्लादेश के अनुभवी क्रिकेटर मुशफिकुर रहीम ने ढाका में अपने 100वें टेस्ट मैच में शतक लगाने के साथ ही एक महत्वपूर्ण उपलब्धि अपने नाम दर्ज की है। मुशफिकुर आयरलैंड के खिलाफ खेले जा रहे इस मैच में शतक लगाने के साथ ही उन बल्लेबाजों के एक विशिष्ट क्लब में प्रवेश किया है। हैं जिन्होंने अपने 100वें टेस्ट में शतक लगाये हैं। अच्छी तकनीक के लिए पहचाने जाने वाले मुशफिकुर ने अपनी पारी में संयम, धैर्य और क्लास का मिश्रण दिखाया। दूसरे दिन 99 रन पर नाबाद लौटे मुशफिकुर रहीम पर पारी को आगे बढ़ाने की जिम्मेदारी थी। वहीं आयरलैंड ने जॉर्डन नील को गेंदबाजी सौंपी। नील ने कुछ अच्छी गेंदें डालकर रहिम को रोकने की कोशिश की पर ओवर की तीसरी गेंद पर रहीम ने एक रन लिया और शतक पूरा कर लिया। शेर-ए-बांग्ला नेशनल स्टेडियम में बैठे दर्शकों ने खड़े होकर उनका स्वागत किया, और तालियां बजायीं।

अब मुशफिकुर उन 11 खिलाड़ियों में शामिल हो गए हैं जिन्होंने अपने 100वें टेस्ट मैच में शतक लगाया है। इस सूची में कॉलिन काउड्रे, जावेद मियांदाद, रिकी पोंटिंग, हाशिम अमला, जो रूट और डेविड वॉर्नर जैसे दिग्गज शामिल हैं।

हीम का यह शतक केवल व्यक्तिगत उपलब्धि नहीं, बल्कि बांग्लादेश क्रिकेट के विका का प्रतीक भी है। 2005 में पदार्पण करने वाले इस बल्लेबाज ने अपनी फिटनेस, तकनीक और अनुशासन के बल पर लंबे समय तक टीम में अहम भूमिका निभाई है। 100वें टेस्ट में शतक उनकी काबिलियत, निरंतरता और खेल के प्रति समर्पण को दिखाता है।

यशस्वी, तिलक को मिल सकता है अवसर

दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ एकदिवसीय सीरीज में शुभमन और श्रेयस के खेलने की संभावना नहीं

मुम्बई। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ इस माह के अंत में शुरु हो रही तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज में भारतीय टीम बदलावों के साथ उतर सकती है। इस सीरीज में एकदिवसीय कप्तान शुभमन गिल और उपकपतान श्रेयस अय्यर के खेलने की संभावना नहीं है। शुभमन की गर्दन में अकड़न आयी हुई है। इस कारण उनका दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ दूसरे टेस्ट में खेलना तय नहीं है। माना जा रहा है भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) शुभमन को पूरी तरह से फिट होने के लिए आराम दे सकता है। ऐसे में उनकी जगह सलामी बल्लेबाज के तौर पर यशस्वी जायसवाल को अवसर मिलना तय माना जा रहा है। वहीं श्रेयस पसलियों की चोट से उबर रहे हैं। उन्हें ऑस्टेलिया में एकदिवसीय सीरीज में ये चोट लगी थी। इसी कारण वह आईसीयू में भी भर्ती रहे थे। एक रिपोर्ट के अनुसार बीसीसीआई उनकी फिटनेस को लेकर जोखिम नहीं लेते हुए उन्हें आराम का अवसर देगा। ऐसे में श्रेयस की जगह तिलक वर्मा को शामिल किया जा सकता है। अभी तिलक भारत ए की कप्तानी कर रहे हैं। उन्होंने भारतीय टीम के लिए चार एकदिवसीय खेले हैं। .

वहीं विकेटकीपर बल्लेबाज के तौर पर ऋषभ पंत को शामिल किया जाएगा जबकि ध्रुव जुरेल को बैकअप विकेटकीपर के तौर पर रखा गया है। ऋषभ पंत चोटिल थे पर अब अब ऋषभ पूरी तरह फिट हो गये हैं।

शुभमन की जगह इस एकदिवसीय सीरीज के लिए एल राहुल को अंतरिम एकदिवसीय कप्तान बनाया जा सकता है। रोहित शर्मा और विराट कोहली को भी इस टीम में शामिल किया जा सकता है। ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या भी इस सीरीज से वापसी करेंगे। उप-कप्तान की जिम्मेदारी अक्षर पटेल को मिल सकती है।

सीरीज में स्पिनर के तौर पर वरुण चक्रवर्ती को जगह मिल सकती है।

एकदिवसीय सीरीज के लिए भारत का संभावित दल

केएल राहुल (अंतरिम कप्तान)विराट कोहली, रोहित शर्मा, यशस्वी जायसवाल, , ऋषभ पंत, तिलक वर्मा, हार्दिक पंड्या, नीतीश कुमार रेड्डी, अक्षर पटेल, वॉशिंगटन सुंदर, कुलदीप यादव, वरुण चक्रवर्ती, अर्शदीप सिंह, हर्षित राणा, मोहम्मद सिराज।

आज होगा भारत ए और बांग्लादेश ए का मुकाबला

दोहा। एशिया कप राइजिंग स्टार्स 2025 के सेमीफाइनल मुकाबले 21 नवंबर को यहां खेले जाएंगे। इसमें पहले सेमीफाइनल में भारत ए टीम का मुकाबला बांग्लादेश ए जबकि दूसरी सेमीफाइनल में पाकिस्तान ए और श्रीलंका ए की टक्कर होगी। पहला सेमीफाइनल दोपहर तीन बजे जबकि दूसरा सेमीफाइनल रात आठ बचे से शुरु होगा। अब तक बांग्लादेश ए ने तीन मैच खेले जिसमें से उसे एक में हार मिली है। चार अंक लेकर बांग्लादेश की टीम ने एशिया कप राइजिंग स्टार्स सेमीफाइनल के लिए क्वालीफाई किया है जबकि श्रीलंका ए ने भी तीन में से दो मैच जीतकर सेमीफाइनल में जगह बनायी है। दोनों टीमों को ग्रुप ए में रखा गया था।

पाकिस्तानी क्रिकेटर से हाथ मिलाकर प्रशंसकों के निशाने पर पाये हरभजन

अबू धाबी। पूर्व भारतीय क्रिकेटर हरभजन सिंह अबू धाबी टी-10 लीग के एक मैच में पाकिस्तानी खिलाड़ी से हाथ मिलाते नजर आये हैं। इस लीग में हरभजन एस्पिन स्टैलियंस की कप्तानी कर रहे थे और उन्होंने नॉर्दर्न वॉरियर्स की ओर से खेल रहे पाकिस्तानी गेंदबाज शाहनवाज दहानी से हाथ मिलाया। जिसे देखकर प्रशंसक हैरान हो गये। इसका कारण है कि पहलगाम आतंकी हमले के बाद उन्होंने पाक की आलोचना करते हुए कहा था कि उसके साथ क्रिकेट नहीं होना चाहिये। यहां तक कि उन्होंने भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) को एशिया कप में पाक से नहीं खेलने को कहा था।

पहलगाम आतंकी हमले के बाद से ही भारतीय खिलाड़ियों ने हर जगह पाक खिलाड़ियों से हाथ मिलाने से इंकार कर दिया था। यहां तक कि पूर्व क्रिकेटरों की विश्व चैम्पियनशिप में भी भज्जी और भारतीय टीम ने पाक के खिलाफ मैच का बहिष्कार किया था। तब हरभजन, शिखर धवन, यूसुफ पठान, इरफान पठान और सुरेश रैना ने विश्व चैंपियनशिप ऑफ लीजेंड्स में पाकिस्तान के खिलाफ खेलने से मना कर दिया था। तब उन्होंने कहा था कि तनावपूर्ण राजनीतिक हालातों में 'खून और पसीना एक साथ नहीं बहाया जा सकता। एशिया कप में भी भारतीय टीम सूर्यकुमार यादव की टीम भारत ने सलमान आगा की कप्तानी वाली पाकिस्तानी टीम से हाथ नहीं मिलाय।

एशेज में सबसे विवादित रही थी बॉडीलाइन सीरीज

एमससी को रोक लगाने बदलना पड़ा था नियम

पर्थ। एशेज सीरीज की शुरुआत शुक्रवार से होने जा रही है। इसमें ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड के बीच जबरदस्त प्रतिद्वंद्विता रहती है। दोनो ही टीम जीत के लिए अपन सब कुछ झौंक देती है। एशेज में अधिकतर बार ऑस्ट्रेलियाई टीम जीतती रही है। साल 1882 में एशेज सीरीज की शुरुआत से ही इसमें कई रोमांचक मुकाबले हुए हैं पर साल 1932-33 में खेली गई सीरीज सबसे विवादित रही। ये जेंटलमैन खेलों के इतिहास में एक काले धब्बे की तरह देखी जाती है क्योंकि इस दौरान इंग्लैंड के गेंदबाजों ने मेजबान बल्लेबाजों को घायल करने का प्रयास तक किया। इस कारण ये बॉडीलाइन सीरीज के नाम से बदनाम है। इस सीरीज के बाद दोबारा ऐसा होने से रोकने के लिए क्रिकेट नियमों में बदलाव किया गया। ऑस्ट्रेलियाई अधिकारियों ने मैरीलेबोन क्रिकेट क्लब (एमसीसी) को इस रणनीति के खिलाफ विरोध भी जताया था।

तब इंग्लैंड के कप्तान डगलस जार्डिन ने विश्व के महान बल्लेबाज डॉन ब्रैडमैन को रोकने के लिए बॉडीलाइन रणनीति अपनायी थी। इसमें गेंदबाज का लक्ष्य विकेट की जगह बल्लेबाजों के शरीर पर गेंदाबाजी करनी थी। इस सीरीज में इंग्लैंड के गेंदबाज हेरोल्ड लॉरवुड और बिल वोज अपनी तेज गति की गेंदों को मेजबान बल्लेबाज के शरीर को लक्ष्य कर गेंदबाजी कर रहे थे। ताकि बल्लेबाज या तो रक्षात्मक खेले, या फिर गलत शॉट खेलकर कैच आउट हो जाए। लेग साइड पर कई फील्डर्स रखे गये थे, ताकि ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज रन नहीं बना सके। इस प्रकार की गेंदबाजी खेल भावना के खिलाफ थी क्योंकि इसमें बल्लेबाजों की सुरक्षा के लिए खतरा पैदा हो गया था क्योंकि कई ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी गंभीर रुप से घायल हुए थे। इस पूरी सीरीज में ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज रन बनाने के लिए संघर्ष करते नजर आए और आखिरकार इंग्लैंड ने सीरीज 4-1 से अपने नाम कर ली। इंग्लैंड ने सीरीज का पहला मैच 10 विकेट से जीता। इसके बाद ऑस्ट्रेलिया ने वापसी करते हुए दूसरे टेस्ट को 111 रन से जीतकर सीरीज में 1-1 से बराबरी कर ली। इंग्लैंड ने तीसरा मुकाबला 338 रन से जीतकर फिर से बढ़त बनाई। इसके बाद बिस्बेन में खेले गए चौथे टेस्ट को 6 विकेट से जीता और सिडनी में पांचवां और अंतिम मुकाबला 8 विकेट से अपने नाम किया था।

गुवाहाटी टेस्ट जीतने भारतीय टीम को करने होंगे कई सुधार -रिपोर्ट

गुवाहाटी । यहां दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 22 नवंबर से होने वाले दूसरे क्रिकेट टेस्ट मैच में भारतीय टीम का लक्ष्य जीत हासिल कर सीरीज में बराबरी पर आना रहेगा। भारतीय टीम को दो मैचों की सीरीज के पहले टेस्ट में 30 रनों से हार मिली थी जिससे वह इस सीरीज मे 1-0 से पीछे हैं। दूसरे टेस्ट में भारतीय टीम के कप्तान शुभमन गिल का खेलना भी तय नहीं है क्योंकि पहले टेस्ट में उनकी गर्दन में अकड़न आ गयी थी। भारतीय टीम दूसरा टेस्ट हारती है तो उसके हाथ से सीरीज निकल जाएगी। एक रिपोर्ट के अनुसार ऐसे में उसे इस मैच में जीत के लिए बल्लेबाजी के साथ ही कई चीजों में सुधार करना होगा। पहले टेस्ट में भारतीय बल्लेबाज़ों ने कई बार ऐसे शॉट खेले जिनकी जरुरत नहीं थी। बिना रणनीति के बल्लेबाजी करना से भी टीम अधिक रन नहीं बना पायी। दूसरे टेस्ट में बल्लेबाजों को धैर्य, तकनीक और समझदारी दिखानी हुए बड़ा स्कोर बनाना होगा। ।

पिछले कुछ समय से भारतीय बल्लेबाज़ स्पिन के खिलाफ संघर्ष कर रहे हैं। न्यूजीलैंड सीरीज़ से लेकर साउथ अफ्रीका के खिलाफ पहले टेस्ट तक यही समस्या दिखी। भारतीय हालातों में स्पिनर प्रभावी होते हैं। ऐसे में अगर भारतीय बल्लेबाज़ों ने स्पिन को ठीक से नहीं खेला तो उन्हें परेशानी का सामन करना पड़ेगा। इसके अलावा अच्छी शुरुआत करना रहेगा। पहले टेस्ट में भारतीय टीम शुरुआती झटकों से उबर नहीं पायी। शीर्ष क्रम के शुरुआत में आउट होने से मध्य क्रम दबाव में आ गया है। जिससे रन नहीं बने। इसके अलावा गेंदबाजों का भी बेहतर उपयोग करना होगा। पहले टेस्ट में भारतीय गेंदबाजी आक्रमण बिखरा नजर आया।

आईसीसी टेस्ट बल्लेबाजी रैंकिंग में शुभमन 11 वें स्थान, यशस्वी सातवें नंबर पर पहुंचे

दुबई । अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) टेस्ट बल्लेबाजी रैंकिंग में भारतीय टीम के कप्तान कप्तान शुभमन गिल एक स्थान के लाभ के साथ ही 11 वें स्थान पर पहुंच गये हैं। शुभमन के खाते में 737 रेटिंग अंक हैं। शुभमन कोलकाता में खेले गए पहले क्रिकेट टेस्ट मैच की पहली पारी में चार रन बनाकर ही गर्दन में अकड़न के कारण रिटायर्ड हर्ट हो गये थे। वहीं दूसरी पारी में वह नहीं खेल पाये थे। वहीं दक्षिण अफ्रीका के कप्तान टेम्बा बावुमा 794 अंक लेकर पांचवे नंबर पर पहुंच गये हैं। वह शीर्ष पांच में पहली बार पहुंचे हैं। बावुमा ने दूसरी पारी में नाबाद 55 रन बनाये थे। वहीं यशस्वी जायसवाल 749 अंक लेकर सातवें स्थान पर हैं। विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत 734 अंक लेकर 12 वें स्थान पर हैं। इंग्लैंड के जो रूट 908 अंक लेकर शीर्ष पर बने हुए हैं।

वहीं गेंदबाजी की बात करें तो भारतीय टीम के तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह का नंबर-1 पर बने हुए हैं। उनके 895 अंक हैं। बुमराह ने कोलकाता टेस्ट में छह विकेट लिए थे जिसका लाभ उन्हें मिला है। वहीं स्पिनर कुलदीप यादव दो स्थान के लाभ के साथ ही 13वें स्थान पर हैं। वहीं ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा चार विकेट लेने के बाद 15वें पर आ गए हैं।

दूसरे टेस्ट से पहले गावस्कर ने दी प्रबंधन और चयनकर्ताओं को सलाह

मुम्बई । भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर ने टीम प्रबंधन और चयनकर्ताओं से कहा है कि वह अपने अहं को छोड़कर टीम का चयन करें। गावस्कर ने कहा कि टेस्ट क्रिकेट सीमित ओवरों से अलग होता है, इसलिए यहां विशेषज्ञ बल्लेबाजों को जगह मिलनी चाहिये। वहीं कोलकाता में हुए पहले टेस्ट में ऑलराउंडर रखने पर प्रबंधन का जोर था जिससे टीम को नुकसान हुआ और वह लक्ष्य हासिल नहीं कर पायी। गावस्कर ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ गुवाहाटी में शनिवार से शुरु हो रहे दूसरे टेस्ट से पहले ये बात कही। इसके साथ ही गावस्कर ने बल्लेबाजों से भी कहा कि धैर्य से खेलें न कि अहंकार में भरकर हर गेंद पर शॉट लगाने का प्रयास करें। गावस्कर ने चयनकर्ताओं के साथ ही टीम प्रबंधन से कहा कि टेस्ट क्रिकेट में सीमित-ओवरों वाले ऑलराउंडरों की जगह पर घरेलू क्रिकेट में बेहतर प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को शामिल करना चाहिये। कोलकाता टेस्ट का हवाला देते हुए पूर्व कप्तान ने कहा कि केवल 3 दिन में 30 रन की हार से दिखता है कि प्रबंधन घरेलू क्रिकेट में रन बरसाने वालों की जगह लीग खिलाड़ियों को शामिल कर रहा है। ऐसे में टीम में शामिल खिलाड़ी पिचों पर टिक कर नहीं खेल पा रहे हैं।

गावस्कर ने लिखा, दक्षिण अफ्रीका से हार के बाद उम्मीद करते हैं कि जिम्मेदारों की आंख खुलेगी और वे घरेल क्रिकेट में रन बनाने वालों पर ध्यान देंगे। ये खिलाड़ी इन पिचों पर खेलने के अभ्यस्त हैं जहां गेंद घूमती हैं और नीची रहती हैं। वहीं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर खेलने वाले खिलाड़ी अधिकतर समय इतने व्यस्त रहते हैं कि न्हें घरेलू पिचों पर खेलने का अभ्यास ही नहीं होता। उन्होंने कहा, 'टेस्ट बल्लेबाजी धैर्य की मांग करती है और सबसे अहम ये है कि अपने अहं को छोड़ दें। ने की उत्सुकता दिखनी चाहिए। ये मायने नहीं रखता कि आप बीट हो गए या लेग गार्ड्स पर गेंद लगी। आपको ये दिखाने के लिए बॉस कौन है, गेंद को मैदान से बाहर पहुंचाने की कोशिश नहीं करनी चाहिए। बॉस सिर्फ वही होता है जो विनम्र बना रहता है। अगर गेंदबाज आपको बीट करता है तो तब तक इंतजार करें जब तक कोई कमजोर गेंद न आए।'

ऑलराउंडरों पर बहुत ज्यादा जोर दिए जाने की आलोचना करते हुए गावस्कर ने लिखा, भारत को टेस्ट ऑलराउंडर और सीमित ओवरों क ऑलराउंडर के बीच का फर्क समझने की भी जरूरत है।

रबाडा के खेलने की संभावना नहीं

दूसरे टेस्ट से पहले एनगिडी दाक्षिण अफ्रीकी टीम से जुड़े

गुवाहाटी। भरतीय टीम के साथ शनिवार से शुरु हो रहे दूसरे क्रिकेट टेस्ट मैच से पहले तेज गेंदबाज लुंगी एनगिडी दाक्षिण अफ्रीकी टीम से जुड़ गये हैं। ऐसे में माना जा रहा है कि अनुभवी तेज गेंदबाज कगिसो रबाडा इस मैच में भी शायद ही खेल पायें। भारतीय टीम अभी इस सीरीज में 0-1 से पीछे है। ऐसे में एनगिडी की वापसी से उसकी परेशानी और बढ़ जाएगी। रबाडा पसलियों में चोट के कारण पहले टेस्ट में नहीं खेले थे हालांकि इसमें दक्षिण अफ्रीकी टीम को 30 रनों से जीत मिली थी।

एनगिडी ने अब तक कुल 20 टेस्ट मैच खेले हैं। उन्होंने जनवरी 2024 में भारत के खिलाफ केपटाउन में वापसी के बाद से केवल तीन टेस्ट खेले हैं। उन्होंने आखिरी टेस्ट मैच जून में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ विश्व टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल खेला था। एनगिडी ने भारत में केवल एक टेस्ट मैच खेला है। वह साल 2019 में रांची में टेस्ट में उतरे थे पर कोई विकेट नहीं मिला। एनगिडी अक्टूबर और नवंबर में पाकिस्तान में एकदिवसीय और टी20 सीरीज में शामिल रहे हैं।

एनगिडी के अलावा दक्षिण अफ्रीका के पासमार्को यान्सेन, कॉर्बिन बॉश और वियान मुल्डर जैसी तेज गेंदबाज हैं। कोलकाता हुए पहले टेस्ट में तेज गेंदबाजों के साथ ही स्पिनरों को भी विकेट से सहायता मिली थी जिससे लाभ उठाकर मेहमान टीम के स्पिनर साइमन हार्मर ने भारतीय बल्लेबाजी क्रम को ध्वस्त करते हुए अपनी टीम को जीत दिला दी थी।

आईपीएल में सीएसके की पारी शुरु करें रुतुराज - कुंबले

मुम्बई। दिग्गज स्पिनर अनिल कुंबले ने कहा है कि चेन्नई सुपरकिंग्स को आईपीएल 2026 में बेहतर प्रदर्शन के लिए अपनी रणनीति बदलनी होगी। इसके अलावा कप्तान रुतुराज गायकवाड़ को पारी की शुरुआत करनी होगी। कुंबले के के अनुसार रुतुराज को टीम को अच्छी शुरुआत भी देनी होगी ताकि आगे के बल्लेबाज बिना किसी दबाव के खेल सकें। कुंबले का मानना है कि संजू सैमसन के टीम में आने का बल्लेबाजी मजबूत हई है क्योंकि सैमसन पारी की शुरुआत के साथ ही अन्य स्थानों पर भी अच्छी बल्लेजी कर लेते है हालांकि टीम के अधिक लाभ रुतुराज जैसे भरोसेमंद बल्लेबाज के पारी शुरु करने से होगा। उन्होंने टीम में शामिल युवा बल्लेबाज आयुष महात्रे की भी जमकर प्रशंसा की और कहा कि उसने पिछले सत्र में ही अपनी प्रतिभा दिखायी थी। वह भविष्य में टीम का एक बेहतर सलामी बल्लेबाज बन सकता है पर अभी गायकवाड़ पर ही टीम निर्भर है। वहीं कुंबले ने राजस्थान रॉयल्स की की कप्तानी पर भी अपनी बात रखी है। जडेजा के रॉयल्स में शामिल होने पर उन्होंने हैरानी जतायी है और कहा है कि टीम में वह कप्तानी के सबसे बड़े दावेदार बनकर उभरे हैं।

आईएसएसएफ निशानेबाजी में अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाना निराशाजनक- मनु

नई दिल्ली। ओलंपिक पदक विजेता महिला निशानेबाज मनु भाखर ने कहा है कि आईएसएसएफ विश्व चैंपियनशिप निशानेबाजी में अच्छा प्रदर्शन नहीं करने से उन्हें निराशा हुई है। मनु ने हालांकि साथी खिलाड़ियों के अच्छे प्रदर्शन की प्रशंसा करते हुए कहा कि अंत में लक्ष्य देश को पदक दिलाना रहता है जिसमें हम सफल रहे हैं, फिर चाहे कोई भी अच्छा प्रदर्शन करें। मनु ने कहा कि कोई भी खिलाड़ी हर दिन नहीं जीत सकता।

अ ा इ ा ए स ए स ए फ निशानेबाजी में भारत की ओर से 13 खिलाड़ियों ने पदक जीते थे पर मनु विफल रहीं थी। इस ओलंपिक पदक विजेता ने कहा , 'मैं विश्व चैंपियनशिप में पदक जीतने का लक्ष्य लेकर चल रही थी। मेरा प्रदर्शन अच्छा रहा था पर मैं शीर्ष तीन में स्थान नहीं बना पाई। वहीं मेरी टीम की साथी ईशा सिंह को जीत मिली जिससे मुझे खुशी हुई। साथ ही कहा कि आप खेल में हर दिन जीत नहीं सकते।

कभी कभी हार का सामना करना पड़ता है। उन्होंने कहा, 'मेरे लिए यह जरूरी है कि भारत को पदक जीतना चाहिए और यह मेरे या किसी और के जीतने से जुड़ा नहीं होना चाहिए। जब तक भारत कोई भी पदक जीत रहा है, मैं उसका हौसला बढ़ाते रहूंगी चाहे वह किसी भी खेल में हो। वह पेरिस ओलंपिक के बाद से ही उम्मीद के अनुसार प्रदर्शन नहीं कर पायी हैं। अगस्त में एशियाई निशानेबाजी चैम्पियनशिप की महिलाओं की 10 मीटर एयर पिस्टल प्रतियोगिता में भी वह कांस्य पदक ही हासिल कर पायी थीं।

स्वरोजगार मेले में 4000 युवाओं को दिया गया आफर लेटर

नक्सल प्रभावित एवं ग्रामीण क्षेत्र के युवाओं को मिला रोजगार का अवसर

पद्मेश न्यूज ।बालाघाट। कलेक्टर मृणाल मीना के मार्गदर्शन में बालाघाट जिला प्रशासन द्वारा जिले के ग्रामीण एवं नक्सल प्रभावित क्षेत्र के युवाओं को रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने के लिए विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान के अंतर्गत 19 नवंबर को उत्कृष्ट विद्यालय के मैदान में स्वरोजगार मेले का आयोजन किया गया। इस मेले में 4000 से अधिक युवाओं को देश की प्रतिष्ठित कंपनियों में रोजगार के लिए आफर लेटर प्रदान किये गये हैं। युवाओं को आफर लेटर मध्यप्रदेश विधानसभा के अध्यक्ष नरेन्द्र सिंह तोमर द्वारा प्रदान किये गये। इस अवसर पर सांसद श्रीमती भारती पारधी, कटंगी विधायक गौरव पारधी, लांजी विधायक राजकुमार कर्राहे, पिछड़ा वर्ग कल्याण आयोग की सदस्य श्रीमति मौसम बिसेन, पूर्व मंत्री गौरीशंकर बिसेन,प्रदीप जायसवाल व अन्य जनप्रतिनिधि उपस्थित थे।

विधानसभा अध्यक्ष श्री नरेंद्र सिंह तोमर ने इस अवसर पर युवाओं को संबोधित करते हुए कहा कि बालाघाट जिले के युवा सौभाग्यशाली है जहां के स्वयंसेवी संस्था व प्रशासन सभी के मिले जुले प्रयासों से युवाओं के लिए रोजगार प्रदान किया जा रहा है और देश की बड़ी-बड़ी कंपनिया बालाघाट में आकर युवाओं को अच्छा प्लेसमेंट ऑफर दे रही है । इसी का परिणाम है कि आज बालाघाट में इस रोजगार मेले में बड़ी संख्या में युवाओं ने

अपनी उपस्थिति दर्ज कराई है। इस मेले में 04 हजार युवाओं का कंपनियों द्वारा चयन कर उन्हें आफर लेटर प्रदान किये जा रहे हैं। यह बड़ी खुशी की बात है। विधानसभा अध्यक्ष तोमर ने इतनी अधिक संख्यां में युवाओं को आफर लेटर प्रदान कर उपलब्ध कराने के लिए किए गए इस कार्य के लिए उन्होंने जिला प्रशासन, सभी जनप्रतिनिधियों व स्वयंसेवी संस्थाओं की प्रशंसा की और कहा कि यह आगे भी निरंतर इसी प्रकार चलते रहेगा।

100 अति नक्सल प्रभावित ग्रामों के 200 से अधिक युवाओं कों मिला ऑफर लेटर

19 नवंबर को आयोजित स्वरोजगार मेले में जिले के दूरस्थ ग्रामीण क्षेत्रों के युवाओं ने आकर अपना रजिस्ट्रेशन करवाया। इस मेले में देश की प्रतिष्ठित कंपनियों के प्रतिनिधियों द्वारा युवाओं का इंटरव्यू लेकर उनका चयन किया है। मेले में किरनापुर बैहर, मलाजखंड, लांजी, परसवाड़ा, कटंगी, खैरलांजी, तिरोड़ी, बिरसा, लालबर्रा क्षेत्र से बड़ी संख्या में रोजगार के लिए आये थे। इस मेले में लांजी और किरनापुर क्षेत्र के बहुत से युवा जो असंगठित क्षेत्र में जॉब करने के लिए हैदराबाद जाते हैं उन्हें भी नये क्षेत्र में रोजगार के अवसर सुलभ कराने के लिए बुलाया गया था। इस मेले में आयी देश की प्रतिष्ठित बड़ी कंपनियों द्वारा नौकरी, अच्छा वेतन, मेडिकल सुविधा के साथ चयनित युवाओं को जाब के लिए आफर लेटर दिया गया है। इनमें बड़ी संख्या में युवतियॉ भी शामिल है। उन्होंने भी इस मेले में बढ़ चढ़कर भाग लिया। रोजगार मेले में 4500 से अधिक युवाओं ने जाब के लिए अपना पंजीयन कराया है। जिसमें से 4000 युवाओं को आफर लेटर विधानसभा अध्यक्ष श्री नरेंद्र सिंह तोमर द्वारा प्रदान किए गए। इस मेले में जिले के 100 अति नक्सल प्रभावित ग्रामों से 250 से अधिक युवाओं की सहभागिता रही है जिसमे से 200 से अधिक युवाओं कों ऑफर लेटर दिए गए है।

इस अवसर पर कलेक्टर मृणाल मीना ने अपने उद्बोधन में कहा कि युवाओं के लिए किए जा रहे इस प्रयास को निरंतर जारी रखा जाएगा। उन्होंने युवाओं से कहा कि वे जब असंगठित क्षेत्र में जाब के लिए हैदराबाद या अन्य बड़े शहरों में जाते हैं तो ठेकेदार उनका शोषण करता है और पर्याप्त मजदूरी नहीं देता है। लेकिन जिला प्रशासन के माध्याम से देश की जिन प्रतिष्ठित कंपनियों में युवाओं को रोजगार मिल रहा है, उन्हें मेडिकल, पीएफ की सुविधा के साथ आवास, भोजन की सुविधा भी दी जा रही है। इतना ही नहीं युवाओं को कंपनियों द्वारा कई अन्य प्रकार की सुविधायें उपलब्ध कराई जा रही हैं। इन कंपनियों में युवा जाब के साथ पालीटेक्निक डिप्लोमा एवं अन्य तकनीक कोर्स भी कर सकते हैं। जिससे युवाओं को अनुभव बढ़ने पर और बड़ी कंपनियों में जाने के अवसर मिलेंगें। इससे युवाओं एवं उनके परिवार के जीवन स्तर में सुधार होगा और परिवार आर्थिक समृद्धि की ओर अग्रसर होगा।

9300 से अधिक युवाओं कों मिला जॉब ऑफर लेटर, पॉलिटिनक डिप्लोमा एवं बीटेक करने का अवसर

प्रतिष्ठित कंपनीयों में जॉब के दौरान पात्र युवाओं कों पॉलिटिनक डिप्लोमा दिया जाएगा। 3 वर्ष के जॉब के पश्चात इच्छुक युवाओं कों कंपनियों द्वारा जाब के साथ बीटेक भी कराया जाएगा। बालाघाट जिले में युवाओं कों रोजगार दिलाने के लिए हर माह रोजगार मेलो का आयोजन किया जा रहा है। रोजगार मेलो के तीन चरणों में अब तक जिले के 9300 से अधिक युवाओं कों जॉब ऑफर लेटर प्रदान किये जा चुके है। इस स्वरोजगार मेले के आयोजन एवं बड़ी कंपनियों के साथ समन्वय करने में करियर काउंसलर समाजसेवी आशीष मिश्रा की भी सराहनीय भूमिका है। उन्होंने बताया कि यह अभी तक का सबसे बड़ा रोजगार मेला रहा है, जिसमें बालाघाट के हर कोने से इस मेले में बच्चों ने शिरकत की है। जिले के आदिवासी अंचल, वन एवं नक्सल प्रभावित क्षेत्र के युवाओं को मुख्य धारा से जोड़ने के उद्देश्य से और उनकी आर्थिक स्थिति मजबूत कर उन्हें सुदन बनाने के लिए रोजगार मिले के द्वारा युवाओं को रोजगार देने का प्रयास किया जा रहा है और यह सामूहिक प्रयास सफल हो रहा है। स्वरोजगार मेले के माध्यम से हमारे युवा बड़ी-बड़ी कंपनियों में जॉइनिंग ले रहे हैं और जो युवा पहले से ही कंपनियों में जॉइनिंग ले चुके हैं, उनके द्वारा दूसरे युवाओं को भी प्रेरित किया जा रहा है।

शराब पीने रुपए मांगने को लेकर दो पक्षों के बीच जमकर मारपीट

दो महिला सहित चार घायल

पद्मेश न्यूज ।बालाघाट। कोतवाली क्षेत्र में आने वाले ग्राम गायखुरी के चिमनीटोला में दो पक्षों के बीच मारपीट हो गई। इस मारपीट में दो दोनों पक्ष के दो महिला सहित चार लोग घायल हो गए 19 अक्टूबर की शाम शराब पीने रुपए नहीं देने के विवाद के चलते यह घटना हुई मारपीट में घायल देवी लाल ऐेठेकर 40 वर्ष अर्जुन बंशकार 35 वर्ष उसकी पत्नी शगुन बंशकार 23 वर्ष और मां नीम बंशकार60 वर्ष का इलाज जिला अस्पताल बालाघाट में किया। प्राप्त जानकारी के अनुसार देवीलाल येठेकर अपनी पत्नी राधा साहू के साथ मजदूरी करते हैं।जिनके परिवार में दो बच्चे हैंम 19 नवंबर की शाम 6ः30 बजे देवीलाल ऐेठेकर अपनी पत्नी राधा साहू के साथ मजदूरी करके घर वापस आए और देवीलाल येठेकर की पत्नी राधा साहू घर का दरवाजा खोल रही थी। तभी पड़ोसी अर्जुन बंशकार आया और राधा साहू से शराब पीने के लिए रुपए मांगने लगा। राधा साहू ने अर्जुन बंशकार को शराब पीने के लिए रुपए देने मना कर दी। तभी अर्जुन बंशकार राधा साहू को अश्लील गालियां देने लगा। तभी देवीलाल ऐेठेकर ने अर्जुन बंशकार को बोला की गाली क्यों दे रहा है। तभी अर्जुन बंशकार ने देवीलाल येठेकर को गालियां देते हुए लकड़ी से मारपीट करने लगा। हल्ला होने पर मोहल्ले पड़ोस के लोग आये और बीच बचाव किये। तभी अर्जुन बंशकार, देवीलाल ऐेठेकर को अकेला मिलने पर जान से खत्म करने की धमकी दे देकर वहा से फरार हो गया। इसके बाद देवीलाल येठेकर अपनी पत्नी राधा साहू के साथ अर्जुन बंशकार के घर पहुंचे और अर्जुन बंशकार को गालिया देते हुए उसे मारपीट करने लगे बीच नबचाव करने के लिए अर्जुन बंशकार की पत्नी शगुन बंशकार और मां नीमा बंशकार आए तो उन्हें भी मारपीट कर जान से मार डालने की धमकी दे दी। दोनो पक्ष में हुई मारपीट में चार लोग घायल हो गए और देवीलाल ऐेठेकर रिपोर्ट करने के लिए कोतवाली पहुंचा। कोतवाली पुलिस ने देवीलाल ऐेठेकर का इलाज मुलाहिजा जिला अस्पताल में करवाये और उसके द्वारा की गई रिपोर्ट पर अर्जुन बंशकार के विरुद्ध मारपीट और जान से मारने की धमकी देने के आरोप में भारतीय न्याय संहिता की विभिन्न धाराओं के तहत अपराध दर्ज किया है। वही अर्जुन बंशकार अपनी पत्नी और मां के साथ इलाज करवाने के लिए जिला अस्पताल पहुंचा। जिला अस्पताल पुलिस ने अर्जुन बंशकार का बयान लेकर अस्पताल तहरीर अग्रिम कार्यवाही हेतु कोतवाली भिजवा दी है।

मोटरसाइकिल कार से टकराई-युवक घायल

पद्मेश न्यूज ।बालाघाट। ग्रामीण थाना अंतर्गत लामता रोड पर स्थित तुमड़ी टोला के पास मोटरसाइकिल फोर व्हीलर से टकरा गई इस दुर्घटना में मोटरसाइकिल सवार महेश पिता रामलाल चौहान 25 वर्ष नक्का टोला ग्राम नगपुरा थाना लालबर्रा निवासी है जिसे जिला अस्पताल बालाघाट में भर्ती किया गया है।

बताया गया कि महेश चौहान अपने परिवार के साथ खेती मजदूरी करता है 20 नवंबर को 4ः00 बजे करीब महेश चौहान मोटरसाइकिल में अपने गांव नुक्ता टोला से ग्राम ग्राम ओरमा समनापुर जाने निकला था तभी लामता समनापुर रोड पर स्थित तुमड़ीटोला के पास महेश चौहान की मोटरसाइकिल सामने चल रही फोर व्हीलर के पीछे टकरा गई जिससे महेश साहू चौहान मोटरसाइकिल सहित गिरने से घायल हो गया जिसका दाहिना पैर की जांघ ही फैक्चर हो गई। घायल महेश चौहान को जिला अस्पताल बालाघाट में भर्ती किया गया है।

नाबालिग के साथ अनाचार करने के आरोप में आकाश गिरफ्तार

एक साल से विवाह का झांसा देकर कर रहा था देहशोषण

पद्मेश न्यूज ।बालाघाट। एक युवक ने एक 16 वर्षीय नाबालिक लड़की को शादी का झांसा देकर उसे घर मे रखा और देहशोषण करने के बाद उसे घर से निकाल दिया। यह घटना खैरलांजी थाना क्षेत्र की है। इस नाबालिक लड़की द्वारा की गई रिपोर्ट पर खैरलांजी पुलिस ने त्वरित कार्यवाही करते हुए आरोपी युवक को गिरफ्तार कर लिए। गिरफ्तार आरोपी आकाश पिता जुवरसिह मंदरेले26 वर्ष ग्राम आरंभा निवासी है। जिसे न्यायिक अभिरक्षा में जेल भिजवा दिया गया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार यह लड़की घरेलू काम करती है और वह पिछले 1 साल से आकाश को पहचानती है। दोनों की बातचीत होती रहती थी और दोनों एक दूसरे को पसंद करते थे और शादी करना चाहते थे। पिछले 1 साल से आकाश इस लड़की को शादी का प्रलोभन देकर उसका देहशोषण करते आ रहा था। यहां तक की आकाश ने इस लड़की को अपने घर बुलाकर उसे एक माह तक रखा और घर मे उसका देहशोषण करते आ रहा था। 17 नवंबर की रात 8ः00 बजे इस लड़की ने जब आकाश से शादी करने के लिए बोली। यह सुनते ही आकाश भड़क गया और इस लड़की के साथ झगड़ा कर उसे मारपीट कर घर से निकाल दिया और उसने इस लड़की से शादी करने से मना कर दिया। आकाश द्वारा घर से निकल जाने के बाद यह लड़की अपने घर वापस आई और घटना के संबंध में अपने माता-पिता को बताई। 19 नवंबर को यह लड़की अपने माता-पिता के साथ रिपोर्ट करने खैरलांजी पुलिस थाना पहुंची। खैरलांजी पुलिस ने इस 16 वर्षीय लड़की द्वारा की गई रिपोर्ट पर इस नाबालिक लड़की का अपहरण और उसके साथ दुष्कर्म करने के आरोप में भारतीय न्याय संहिता और लैंगिक अपराधों से बालकों का संरक्षण अधिनियम की विभिन्न धाराओं के तहत अपराध दर्ज किये और इस लड़की द्वारा रिपोर्ट करने के ठीक बाद खैरलांजी पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी आकाश मंदरेले ग्राम आरम्भा निवासी को गिरफ्तार कर उसे न्यायालय में पेश कर दिए। जहां से उसे न्यायिक अभिरक्षा में जेल भिजवा दिया गया है।

जमुनिया और ढीमरूरीठ में तेंदुए का आतंक, ग्रामिण दहशत में!!

पद्मेश न्यूज ।कटंगी। कटंगी परिक्षेत्र के वन ग्राम जमुनियां एवं ढीमरूरीठ में हिसंक वन्यप्राणी तेंदुए ने ग्रामीणों की नींद हराम कर दी है। विगत 15 दिनों से इन दोनों ही गांवों के आस-पास तेंदुए की मूवमेंट देखी गई है। तेंदुआ अब तक दर्जनभर से अधिक बकरा-बकरियों का शिकार कर चुका है। वन्यप्राणी के डर से सहमे हुए ग्रामीण शाम को घर से बाहर नहीं निकल पा रहे हैं। ग्राम पंचायत जमुनिया के सरपंच उमेश पटले ने बताया कि विगत रात्रि को जमुनिया-ढीमरूरीठ मार्ग पर तेंदुए के हमले से बनेरा सरपंच बाल-बाल बच गए। बाइक सवार सरपंच पर वन्यप्राणी ने झपटा मारने की कोशिश की लेकिन वे सजगता से आगे निकल गए। ऐसे में तेंदुए से ग्रामीणों को जान का खतरा बढ़ गया है। सरपंच ने कटंगी रेंजर को एक लिखित आवेदन देकर वन्यप्राणी को पकड़कर ग्राम जमुनिया एवं ढीमरूरीठ की सीमा से दूर छोड़ने की मांग की। इधर, रेंजर बाबूलाल चढ़ार ने बताया कि शिकायत के अनुरूप वन्यप्राणी का रेस्क्यू करने के

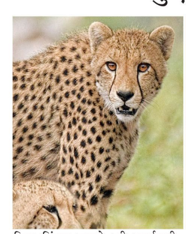

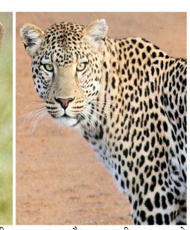

लिए पिंजरा लगाने की कार्यवाही शुरू कर दी गई है। इस संबंध में वरिष्ठ अधिकारियों से अनुमति एवं विशेषज्ञों की टीम उपलब्ध कराने की मांग की गई है। विभाग तेंदुए को पकड़ने के लिए पूरी तरह से मुस्तैद है। आगामी एक से दो दिन में तेंदुए की मूवमेंट वाली लोकेशन पर पिंजरा लगाकर उसका रेस्क्यू किया जाएगा।

घरों में दुबके हुए हैं ग्रामीण

वन्यप्राणी तेंदुए की लगातार मूवमेंट से ग्रामीणों में भय का माहौल व्याप्त है। ग्रामीणों के अनुसार अब उनको दिन ढलते ही घर के अन्दर दरवाजा बंद करके रहना पड़ता है। ग्रामीण अपने पालतू मवेशियों की वन्यप्राणी से सुरक्षा को लेकर भी चिंतित है। क्योंकि विगत कुछ दिनों में तेंदुए ने दर्जनभर से अधिक मवेशियों का शिकार कर चुका है। हालांकि तेंदुए की लगातार मूवमेंट के कारण यह आशंका व्यक्त की जा रही है कि वन्यप्राणी तेंदुए की संख्या एक से अधिक है। हालांकि विभागीय स्तर पर इसकी कोई पुष्टि नहीं की गई है।

इनका कहना है

विगत 15 दिनों से जमुनियां एवं ढीमरूरीठ में हिंसक वन्यजीव तेंदुए ने आतंक मचा कर रखा हुआ है। ग्रामीणों में डर का माहौल व्याप्त है। हमने कटंगी रेंजर को पत्र लिखकर तेंदुए को पकड़कर दूरस्थ क्षेत्र में छोड़ने की मांग रखी है ताकि लोगों एवं पालतू मवेशियों की सुरक्षा हो सके। शीघ्र कोई कदम नहीं उठाए गए तो वरिष्ठ अधिकारियों से शिकायत की जाएगी।

उमेश पटले
सरपंच
ग्रा.पं.जमुनिया

ग्रामीणों की शिकायत के आधार पर वन्यप्राणी तेंदुए का रेस्क्यू करने के लिए पिंजरा लगाया जाना है। इसके लिए वरिष्ठ अधिकारियों को पत्राचार किया गया है। ग्रामीणों की सुरक्षा के मद्देनजर वन अमले को नियमित गश्ती के निर्देश दिए हैं।

बाबूलाल चढ़ार
वन परिक्षेत्र अधिकारी
कटंगी

मोहगांव ध. में आयुष जन आरोग्य समिति का हुआ गठन

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय से लगभग 12 किमी दूर ग्राम पंचायत मोहगांव ध. स्थित एकीकृत प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र सह आयुर्वेद औषधालय में बुधवार को संचालनालय आयुष विभाग मध्यप्रदेश शासन के निर्देशानुसार एवं जिला आयुष अधिकारी बालाघाट

के मार्गदर्शन में आयुष जन आरोग्य समिति का गठन कर पदाधिकारियों की नियुक्ति की गई है। जिसमें सरपंच श्रीमती हिरकन नागपुरे को अध्यक्ष एवं आयुर्वेद चिकित्सा अधिकारी डॉ. पंकज मेश्राम को सचिव नियुक्त किया गया है। वहीं समिति का गठन होने के बाद समिति के अध्यक्ष श्रीमती हिरकन नागपुरे सरपंच, सचिव डॉ. पंकज मेश्राम आयुर्वेद चिकित्सा अधिकारी, समिति के सदस्य पवन नागपुरे दानदाता, रूपलाल नागपुरे उपसरपंच, राजेंद्र कुमार माहुले प्राचार्य, डॉ. श्रध्दा ठाकरे सामुदायिक आयुष चिकित्सा अधिकारी, श्रीमती रेशमा लिल्हारे नर्सिंग ऑफि सर, श्रीमती गीता पटले, महिला एवं बाल विकास आंगनवाड़ी सुपरपाइजर ने पदभार ग्रहण किया। इस अवसर पर पवन नागपुरे के द्वारा समिति को स्वें छा से पांच हजार रूपये का सहयोग भी किया गया है।

अनाज भंडारण के लिए लॉस- गेन निर्धारण पॉलिसी बनाई जाने की मांग

पद्मेश न्यूज ।बालाघाट। जिले में आगामी 1 दिसंबर से समर्थन मूल्य पर किसानों से धान की खरीदी का कार्य शुरू होना है। जहां समर्थन मूल्य पर धान की खरीदी कर उनका भंडारण विभिन्न वेयरहाउस में किया जाएगा। लेकिन अनाज भंडारण के लिए लॉस-गेन निर्धारण पॉलिसी नहीं बनाए जाने पर कर्मचारी काफी नाराज हैं, जिस पर अपनी चिंता व्यक्त करते हुए .प्र. वेअरहाउसिंग एंड लाजिस्टिक्स कार्पोरेशन फील्ड स्टाफ एम्प्लाइज एसोसिएशन लॉस गेन निर्धारण पॉलिसी बनाए जाने की प्रमुख मांग को लेकर एक ज्ञापन सौपा है।सौंपे गए इस ज्ञापन में उन्होंने बताया कि म.प्र. वेअरहाउसिंग एंड लाजिस्टिक्स कार्पोरेशन फील्ड स्टाफ एम्प्लाइज एसोसिएशन के समस्त सदस्य / मैदानी अमला जो शासन द्वारा समर्थन मूल्य पर उपार्जित समस्त स्कंध के वैज्ञानिक भंडारण में अहम् भूमिका निभाते है वर्तमान में प्रदेश में धान / मोटे अनाज का उपार्जन होना प्रस्तावित है। चूँकि निगम को प्रदेश में भंडारण हेतु नोडल एजेंसी नियुक्त किया गया है। प्रदेश में धान/मोटे अनाज का भंडारण कई वर्षो से चल रहा है लेकिन शासन / निगम द्वारा आज दिनांक तक भी धान /मोटे अनाज के

लॉस-गेन निर्धारण हेतु पालिसी नहीं बनाई गई है। उक्त संबंध में शासन / निगम द्वारा अपने कोई नॉर्म्स निर्धारित नहीं किये जाने से अपने कर्मचारियों पर सूखत (कमी) का दायित्व अधिरोपित किया जाता है। जोकि वैधानिक रूप से अनुचित है। नॉर्मस निर्धारण नही होने के कारण निगम से सेवानिवृत कई कर्मचारियों पर अनावश्यक दायित्व निर्धारण हुआ है जिससे उनके सेवानिवृत्त होने पर प्राप्त होने वाले स्वत्वोंका भुगतान आज दिनांक तक प्राप्त नही हुआ है। एवं मानसिक रूप से प्रताड़ित होने से कुछ शाखा प्रबंधक की हृदय गति रुकने से मौत जैसी घटना भी घटित दर्द हो चकी है। उन्होंने उक्त ज्ञापन पर ध्यान देते हुए जल्द से जल्द उनकी इस मांग को पूरी किए जाने की गुहार लगाई है इस दौरान म.प्र. वेअरहाउसिंग एंड लाजिस्टिक्स कार्पोरेशन फील्ड स्टाफ एम्प्लाइज एसोसिएशन संरक्षक जे एस राठौड़, अध्यक्ष दिलीप सिंह राजपूत, उपाध्यक्ष आर के. शुक्ला, महासचिव कमलभान बागरी, संयुक्त सचिव राम अवतार मिश्रा, कोषाध्यक्ष आकांक्षा श्रीवास्तव, प्रमुख सलाहकार संदीप विसारिया, कार्यकारणी सदस्य विपिन, आर के सक्सेना, अमृतलाल सूर्यवंशी, विजेंद्र कुमार उइके, विशेष आमंत्रित सदस्य प्रकाश नंदागवले, देवेंद्र सिंह सिसोदिया और मंजूलता चौरे सहित अन्य पदाधिकारी सदस्य प्रमुख रूप की उपस्थिति रहे।

कार की टक्कर से गंभीर रूप से घायल की मौत

पद्मेश न्यूज ।बालाघाट। बिरसा थाना क्षेत्र में आने वाले ग्राम दमोह में सालेटेकरी कर की ठोकर से गंभीर रूप से घायल एक व्यक्ति की नगर के एक निजी अस्पताल में उपचार के दौरान मौत हो गई मृतक हरेसिंह पिता बुधराम मरकाम 50 वर्ष ग्राम सुंदरवाही दमोह निवासी है। जिला अस्पताल पुलिस ने इस व्यक्ति की लाश पोस्टमार्टम करवा कर उसके परिजनों को सौंप दिया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार हरेसिह मरकाम अपने परिवार के साथ खेती किसानी करता था। जिसके परिवार में पत्नी और दो बेटे हैं। बताया गया है कि दो दिन पहले शाम 7:30 बजे करीब हरेसिंह मरकाम अपने घर से सामान लेने दमोह किराना दुकान जा रहा था। तभी बिरसा की ओर से तेज रफ्तार से आ रही कार हरेसिंह को ठोस मार कर फरार हो गई।कार की जबरदस्त ठोकर से हरे सिंह मरकाम गंभीर रूप से घायल हो गया था। जिसे तुरंत ही बिरसा के शासकीय अस्पताल में भर्ती किये थे। जहां से प्राथमिक उपचार के बाद उसे जिला अस्पताल बालाघाट रेफर किया गया था। जिला अस्पताल बालाघाट से भी हरेसिंह मरकाम को हायर सेंटर रेफर कर दिया गया था। हरेसिह मरकाम को उसके परिजनों ने बालाघाट के ही एक निजी अस्पताल में भर्ती किए थे। जहां उपचार के दौरान 19 नवंबर की रात्रि में हरेसिंह मरकाम की मौत हो गई। जिसकी लाश जिला अस्पताल बालाघाट लाकर यहां के फ्रीजर में सुरक्षित रखवा दिया गया था। 20 नवंबर को जिला अस्पताल पुलिस ने मृतक हरे सिह मरकाम की लाश पंचनामा कार्यवाही पश्चात पोस्टमार्टम करवा कर उनके परिजनों को सौंप दिए और धारा 194 भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता के तहत मर्ग कायम कर मर्ग डायरी अग्रिम कार्रवाई हेतु घटनास्थल से संबंधित पुलिस थाना बिरसा भिजवा दिये है।

जिले में पराली जलाने पर प्रतिबंध

पद्मेश न्यूज ।बालाघाट। पराली जलाने से खेत की मिट्टी में पाये जाने वाले उपयोगी एवं मित्र कीट आदि के नष्ट होने एवं इसके धुएं के कारण पर्यावरण को नुकसान पहुंचने की संभावना को देखते हुए मृणाल मीना ने जिले में फसल कटाई के बाद पराली जलाने पर पूर्ण प्रतिबंध लगाया गया है। जिले में जो कोई भी किसान या अन्य व्यंक्ति खेतों में पराली जलाते हुए पाया जायेगा उसके विरूद्ध भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 की धारा-163 और आपदा प्रबंधन अधिनियम-2005 की धारा-30 के तहत सख्त कार्यवाही की जाएगी।

उप संचालक कृषि श्री फूलसिंह मालवीय ने बताया कि पराली जलाने पर किसानों पर जुर्माना लगाया जायेगा। 02 एकड़ तक की जमीन वाले किसानों द्वारा पराली जलाये जाने पर 2,500 रुपये का जुर्माना लगाया जायेगा और 02 से 05 एकड़ जमीन वाले किसानों पर 5,000 रुपये का जुर्माना लगाया जायेगा और 05 एकड़ से अधिक जमीन वाले किसानों पर 15 हजार रुपये का जुर्माना लगाया जाएगा।

उप संचालक कृषि मालवीय ने बताया कि पराली जलाने से वातावरण प्रदूषण होने के साथ ही कार्बन डाइआॅक्साइड, कार्बन मोनोऑक्साइड, मीथेन जैसी हानिकारक गैसें निकलती हैं, जो वायु प्रदूषण को बढ़ाती हैं। पराली जलाने से मिट्टी की गुणवत्ता प्रभावित होती जमीन की ऊपरी परत जल जाती है, जिससे मिट्टी की उर्वरता कम होती है और लाभकारी जीवाणु नष्ट होते हैं। वही स्वास्थ्य जोखिम धुआं सांस लेने में परेशानी और गंभीर बीमारियों का कारण बनता है। पराली जलाने से पशुओं के भोजन की कमी होती है। पराली को जलाने की बजाय खेत में मिलाने से मिट्टी की गुणवत्ता में सुधार होता है, कार्बन और पोषक तत्व बढ़ते हैं, जिससे सिंचाई की बचत होती है। प्रदूषण की रोकथाम होती है और वातावरण स्वच्छ रहता है। उत्पादकता बढ़ती है, मिट्टी की उपजाऊ शक्ति में वृद्धि होती है। कानूनी कार्यवाही और जुर्माने से बचने के लिए किसान भाइयों से अपील की गई है कि पराली न जलाएं। इसे खेत में मिलाकर पर्यावरण संरक्षण में सहयोग करें।

सीनियर बालक छात्रावास उकवा मे शहीद का दी गई भावपूर्ण श्रद्धांजलि

पद्मेश न्यूज ।उकवा। ऐसे वीर सपूत सदियों बाद किसी देवी की कोख से जन्म लेते हैं। नमन है उस माँ को जो कल तक शाम को बेटे से बात करती रही होगी कि एक माह बाद शादी में क्या करेंगे..बहू का स्वागत ऐसे करेंगे और आज रो रही होंगी।

कहीं सुना था कि वीर लोग कम जीते हैं लेकिन जब तक जीते हैं तो शान से जीते हैं और जिस दिन जाते हैं सबको रुला जाते हैं। ये वो पुलिस अधिकारी थे जिनके एनकाउंटर मॉडल के रूप में पढ़ाए जाते हैं।

देश के दुश्मनों से लड़ने वाले को आज पहली बार मौत से लड़ते हुए देखा जो गोली लगने से बाद भी बहादुरी से लड़ते हुए दौड़ रहे थे। जब कभी बालाघाट के जंगल में गोली की आवाज आई तो यही चर्चा होती थी कि आशीष शर्मा जी की टीम ने नक्सलियों को धूल चटाई होगी। मन व्यथित है और बहुत ज़्यादा दुखी है कि हमारी मध्यप्रदेश पुलिस का हीरा हीरो और माओवादियों को जीरो करने वाले इंस्पेक्टर आशीष

शर्मा जी जैसे लीडर को शहादत देनी पड़ी।

पुलिस की वर्दी में तीन स्टार लगने के बाद जब बड़े अधिकारी का हाथ होता है तो कई सीधे मुँह बात नहीं करते और कई तो अपने ज्ञान तजुर्बे और उपलब्धियों पर भी गुरूर करने लगते हैं लेकिन आशीष शर्मा जी दो गैलेंट्री मेडल और आउट ऑफ़ टर्न प्रमोशन के बाद भी सहज रहते थे। जूनियर सीनियर सभी से मित्र भाई की तरह बात करना और अनुशासन में रहकर शासन करना उनसे हमने सीखा है। आज नक्सलियों से मुठभेड़ के दौरान गोली लगने से हमारा शेर इस दुनिया में नहीं रहा।

शहादत व्यर्थ नहीं जाने देंगे हमारे भाई आशीष शर्मा को सादर नमन श्रद्धांजलि

इंस्पेक्टर आशीष शर्मा अमर रहें। जिसमें जिसमें उकवा चौकी प्रभारी आकाश शर्मा, सर्व धर्म सेवा समिति अध्यक्ष जेम्स बारीक सचिव नितिन कुमार अधीक्षक रामलाल पटले, लोकेश देशमुख सजना बर्वे, गणेश बारेकर,समाज सेवी संदीप गजभिये राकेश सर्पा अमन गौतम, दीपा मेश्राम सुजल परते, इसु ठाकरे, बाबूलाल धुर्वे एवं आसपास ग्राम के नागरिक एवं सभी बच्चे उपस्थित रहे।

बालाघाट
शुक्रवार 21 नवम्बर 2025

दक्षिण सतपुड़ा
राजनीति | समाज | देशकाल
और गांव कनेक्शन

पद्मेश न्यूज
शहरनामा

बालाघाट एक्सप्रेस

/padmeshmedia /padmeshmedia

epaper.balaghatexpress.in

E-mail: balaghatexpress@gmail.com

न्यूज गैलरी

कलेक्टर ने ली नगरीय निकाय के अधिकारियों की समीक्षा बैठक

पद्मेश न्यूज ।बालाघाट। कलेक्टरमृणाल मीना की अध्यक्षता में 20 नवंबर कों कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में जिले के सभी नगरीय निकायों के अधिकारियों की समीक्षा बैठक आयोजित की गयी। इस बैठक में संयुक्त कलेक्टर एवं शहरी विकास अभिकरण के परियोजना अधिकारी राहुल नायक व अन्य विभागीय अधिकारी उपस्थित थे।

बैठक में कलेक्टर श्री मीना ने बैहर, कटंगी, वारासिवनी व अन्य नगर पालिका अधिकारियों कों गीता भवन की स्थापना का कार्य शीघ्रता से पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होने सभी निकायों के सीएमओ से कहा कि वे सभी रूचि लेकर इसकी स्थापना कों शीघ्रता से कराये ताकि आम जन कों इसका लाभ मिल सकें।

बैठक में कलेक्टर श्री मीना ने सभी निकायों के सीएमओ कों शीत ॠतु में अलाव की व्यवस्था करने, आश्रय स्थल और रेन बसेरा में सुचारु रूप से व्यवस्था करवाने के निर्देश दिए। इस वर्ष जिले में शीत ॠतु के प्रकोप कों देखते हुए रेन बसेरा व आश्रय स्थल बनाने से गरीब व असहाय लोगो कों काफी राहत मिलेगी।

कलेक्टर ने की जल जीवन मिशन के कार्यों की समीक्षा बैठक

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। कलेक्टर मृणाल मीना की अध्यक्षता में 20 नवंबर कों कलेक्टर सभाकक्ष में लोक स्वास्थ्य विभाग के अंतर्गत जल जीवन मिशन की समीक्षा बैठक आयोजित की गयी। इस बैठक में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी अभिषेक सराफ व विभागीय अधिकारी उपस्थित थे।

बैठक में कलेक्टर श्री मीना ने जल जीवन मिशन के अंतर्गत नल जल योजनाओं की विकासखंड स्तर पर समीक्षा की। उन्होने बिरसा, बैहर, लांजी,बालाघाट व अन्य विकासखंडो में पूर्ण हो चुकी नल जल योजना के नल कनेक्शन वाले हितग्राहियों के आधार कार्ड की एंट्री कार्य कों शीघ्रता से 2 दिन के अंदर करने के निर्देश दिए। इसी प्रकार उन्होने सभी विकासखंडो में नल लगाने के लिए पाइप लाइन शीघ्र लगाने के निर्देश दिए।

बैठक में कलेक्टर मीना ने उपस्थित सभी एसडीओ कों निर्देश दिए कि वे ये सुनिश्चित अवश्य करें की नल लगाने के बाद उन नलों में पानी आ रहा है अथवा नहीं। ऐसे ठेकेदार जो अपना काम ईमानदारी से नहीं कर रहे उन पर कार्यवाही करते हुए उनकी कंपनियों कों ब्लैक लिस्टेड करें।

शराब भट्टी से रुपए चोरी कर फरार आरोपी गिरफ्तार

पद्मेश न्यूज ।बालाघाट। हट्टा पुलिस ने ग्राम सालेटेका स्थित शराब भट्टी से 59हजार रुपये चोरी करके फरार आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। यह आरोपी दिनकर पिता चंद्रस्वर सिह राजपूत 39 वर्ष लखीसराय बिहार निवासी है जिससे पूछताछ की जा रही है। फाइल डाउनलोड करते ही खातों से 2.52 लाख रुपये निकले!! प्राप्त जानकारी के अनुसार बिहार राज्य का यह व्यक्ति दिनकर राजपूत सालेटेका शराब भट्टी में काम करता था। 25 सितंबर 2025 को दिनकर राजपूत सालेटेका शराब भट्टी से 59हजार रुपये लेकर फरार हो गया था। जिसके विरुद्ध धारा 306 भारतीय न्याय संहिता के तहत अपराध दर्ज कर उसकी तलाश की जा रही थी। लगातार की जारी तलाश के दौरान 20 नवंबर को सहायक उप निरीक्षक विजय पटले ने आरोपी

कमला उर्फ तरुणा करेगी हार्डकोर गुरिल्ला माओवादी रामधेर को बेनकाब!!

एक पखवाड़ा पहले बकरकट्टा, खैरागढ़ में हथियार डालने वाली नक्सली कमला को पुलिस बालाघाट लाकर पूछताछ कर नक्सलियों के मंसूबे ध्वस्त करेगी

पद्मेश विशेष।
पद्मेश न्यूज। बालाघाट।

छत्तीसगढ़ के बोरतालाब इलाके में बुधवार को तीन राज्यों के सुरक्षा बलों और नक्सलियों के बीच हुई जबरदस्त मुठभेड़ में हॉक फोर्स के इंस्पेक्टर आशीष शर्मा के शहीद होने के बाद प्रदेश पुलिस अब नक्सलियों की कमर तोड़ने की रणनीति को निर्णायक दिशा देने के तैयारी में है।अब खैरागढ़ में हथियार डालने वाली कमला नामक पूर्व नक्सली को लाकर बालाघाट जिले में सक्रिय नक्सलियों के राज फास करने की पूरी तैयारी पुलिस ने कर ली है.सूत्रों की मानें तो आशीष शर्मा की शहादत के बाद बालाघाट जिले की पुलिस बेहद गुस्से में है।

नक्सलियों के खात्मे के लिए बलों को सतर्क कर दिया गया है. सूत्र बताते हैं कि भारी तादाद में जल्दी ही जंगलों में बलों की तैनाती होने वाली है।

वहीं दूसरी ओर हथियार डालने वाली आत्म समर्पित नक्सली बेहद महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं.इसमें मध्यप्रदेश और छत्तीसगढ़ पुलिस के लिए हाल में आत्मसमर्पण करने वाली दो महिला नक्सली कमला और संगीता बेहद अहम साबित हो सकती हैं।

पुलिस के आला अधिकारी मानते हैं कि इन दोनों नक्सलियों से मिलने वाली जानकारी 31 मार्च 2026 तक प्रदेश से वामपंथी उग्रवाद को जड़ से खत्म करने के लक्ष्य

को मजबूती देगी। और सुरक्षा बलों को टॉरगेट तय करने में सहायक होगा.दोनों इलाकों में पकड़ी गई इन महिला नक्सलियों की सक्रियता मध्यप्रदेश तथा छत्तीसगढ़ से सटे

घने जंगलों में रही है, जहां लंबे समय से नक्सली गतिविधियां चुनौती बनी हुई थी।

उल्लेखनीय है कि मध्य प्रदेश के बालाघाट जिले में 1 नवंबर को 22 वर्षीय महिला नक्सली सुनीता ने पुलिस के सामने आत्मसमर्पण किया। इसके पांच दिन बाद 6 नवंबर को एक दूसरी महिला नक्सली छत्तीसगढ़ के खैरागढ़छुईखदान-गंडई जिले में कमला उर्फ तरूणा ने सरेंडर किया। दोनों महिलाएं मूलत़ बीजापुर कि रहने वाली है और छत्तीसगढ़ में सक्रिय रही हैं, लेकिन वे लंबे समय से बालाघाट (मध्य प्रदेश), गोंदिया (महाराष्ट्र) और राजनांदगांव (छत्तीसगढ़) के त्रि-जंक्शन वाले घने जंगलों में सक्रिय थीं।

पुलिस सूत्र बताते हैं कि यह क्षेत्र सीपीआई (माओवादी) के महाराष्ट्र-एमपी छत्तीसगढ़ (एमएमसी) जोन का कोर माना जाता है। तरूणा उर्फ कमला से पूछताछ बेहद महत्वपूर्ण होगी, क्योंकि उससे दर्रेकसा एरिया कमेटी, मलाजखंड एरिया कमेटी और टांडा एरिया कमेटी जैसे सक्रिय नक्सली मॉड्यूलों की ताजा गतिविधियों की विश्वसनीय जानकारी मिलने की उम्मीद है। ये कमेटियां लंबे समय से बालाघाट और मंडला जिलों में नक्सली मूवमेंट का आधार रही हैं। ऐसा माना जा रहा है कि इन दोनों महिला नक्सलियों से जो जानकारी मिलेगी वह आने वाले महीनों में प्रदेश के नक्सल उन्मूलन अभियान को निर्णायक दिशा दे सकती है।

अब देखना है कि आमने सामने की मुलाकात और पुलिस को कितनी खास जानकारी इन दोनों महिला नक्सली दे सकते हैं।

फाइल डाउनलोड करते ही खातों से 2.52 लाख रुपये निकले!!

मोबाइल में आने वाली एपीके फाइल खतरनाक, चेतावनी के बावजूद लगातार लोग हो रहे साइबर ठगी का शिकार

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। कोतवाली थाना क्षेत्र में साइबर ठगी के मामलों में लगातार इजाफा हो रहा है। हर दिन लाखों रुपये की ऑनलाइन ठगी की शिकायतें सामने आ रही हैं। एक दिन पहले किसान से हुई ठगी का मामला अभी शांत भी नहीं हुआ था कि फिर दो नए मामलों ने पुलिस की चिंता बढ़ा दी। पहले मामले में एक पीड़ित से 1,59,000 रुपये की ठगी हो गई, जबकि दूसरे मामले में 93,000 रुपये की ऑनलाइन ठगी की शिकायत कोतवाली थाने में दर्ज कराई गई है। कोतवाली थाना प्रभारी के अनुसार, प्रतिदिन 1 से 2 लाख रुपये की ठगी के मामले थाने में पहुंच रहे हैं। लगातार चेतावनी और जागरूकता अभियान चलाए जाने के बावजूद लोग साइबर ठगों के जाल में फंसकर अपनी मेहनत की कमाई गंवा रहे हैं।

साइबर अपराधियों से जिले की जनता लगातार ठगी का शिकार हो रही है, जबकि पुलिस द्वारा रोजाना सतर्क और जागरूक रहने की अपील की जा रही है। पासवर्ड, ओटीपी और बैंक विवरण किसी भी अनजान व्यक्ति को न देने की सलाह के बावजूद लोग साइबर ठगों के प्रलोभन में आकर अपनी मेहनत की कमाई गंवा रहे हैं। किरनापुर क्षेत्र के किसान से हुई ठगी का मामला शांत भी नहीं हुआ था कि 20 नवंबर को दो अलग-अलग मामलों में फिर लाखों की साइबर ठगी हुई। कोतवाली थाने की साइबर सेल में दोनों पीडितों ने आवेदन दिये है। पहले पीड़ित ने शिकायत में बताया कि उन्हें व्हाट्सएप ग्रुप पर एक एपीके फाइल भेजी गई, जिसे डाउनलोड करते ही उनका मोबाइल हैक हो गया। इसके बाद उनके बैंक खाते से 1,59,000 रूपये की रकम निकाल ली गई। दूसरे पीडित ने भी इसी तरह की शिकायत दर्ज कराते हुए बताया कि उनके व्हाट्सएप पर भेजे गए लिंक से एपीके फाइल डाउनलोड करने के बाद 93,000 रूपये की राशि उनके खाते से साइबर ठगों ने उड़ा ली। दोनों मामलों में पुलिस ने आवेदन प्राप्त कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस का कहना है कि पिछले कई महीनों से लगातार चेतावनी दी जा रही है कि अज्ञात

लिंक, ऐप और एपीके फाइल डाउनलोड न करें, लेकिन थोड़ी सी चूक लोगों को भारी आर्थिक नुकसान पहुंचा रही है।

प्रतिदिन साइबर ठगी के मामले सामने आ रहे हैं- कामेश

कोतवाली थाना प्रभारी कामेश का कहना है कि साइबर ठगी की शिकायतें अब यहां आम हो चुकी हैं। यह पहला मामला नहीं है जब पीडति लाखों रुपये गंवाकर थाने पहुंचे हों। प्रतिदिन कई लोग एपीके फाइल और अनजान नंबरों से भेजे गए लिंक पर क्लिक करने के बाद ठगी का शिकार होने की शिकायत लेकर थाने में आवेदन दे रहे हैं। थाना प्रभारी के अनुसार, बीते एक सप्ताह में लगभग 10 से 12 लाख रुपये की ठगी के आवेदन प्राप्त हुए हैं। प्रतिदिन करीब 1 से 2 लाख रुपये तक की साइबर ठगी के मामले सामने आ रहे हैं। पुलिस लगातार आमजन को सतर्क और जागरूक रहने की अपील कर रही है, लेकिन इसके बावजूद लोग बिना जांच परख के अज्ञात लिंक और ऐप डाउनलोड कर रहे हैं और इस लापरवाही का परिणाम लाखों रुपये गंवाने के रूप में भुगत रहे हैं।

ऐसा कोई व्हाट्सएप ग्रुप नहीं बनाया गया है- यीना राहागडाले

इन दिनों आरटीओ ट्रैफिक पुलिस नाम से बनाए गए व्हाट्सएप ग्रुप की जिले में खूब चर्चा हो रही है। यह ग्रुप कुछ दिन पहले ही बनाया गया है । यातायात थाना प्रभारी यीना राहागडाले ने साफ किया है कि उनके द्वारा ऐसा कोई व्हाट्सएप ग्रुप नहीं बनाया गया है, न ही उनका स्टाफ या वे स्वयं इस ग्रुप में शामिल हैं। ग्रुप में दिख रहे एडमिनों ने भी यह ग्रुप बनाए जाने से इनकार किया है। एक एडमिन ने बताया कि बीते दिनों उनका मोबाइल हैक हो गया था, उसके बाद बिना जानकारी के उन्हें इस ग्रुप का एडमिन बना दिया गया। उन्होंने दावा किया कि ग्रुप हैक होने के बाद ही यह व्हाट्सएप ग्रुप उनके मोबाइल पर दिखाई दिया, जबकि उन्होंने स्वयं इसे न बनाया है और न किसी को जोड़ा है। इस ग्रुप में कई मीडिया कर्मी और जनप्रतिनिधि भी जुड़े हुए हैं। इनमें से अधिकांश लोगों का कहना है कि वे इसलिए जुड़े कि यह ग्रुप ट्रैफिक पुलिस द्वारा बनाया गया समझा गया। लेकिन यातायात थाना प्रभारी का स्पष्ट कहना है कि यह ग्रुप पुलिस या यातायात विभाग से संबंधित नहीं है और वे स्वयं इसका हिस्सा नहीं हैं। पुलिस ने आशंका जताई है कि फर्जी ग्रुप बनाकर लोगों के व्यक्तिगत डेटा और संपर्क सूचनाएं प्राप्त करने की कोशिश की जा सकती है। इसलिए नागरिकों को सावधानी बरतने और किसी भी संदिग्ध व्हाट्सएप ग्रुप, लिंक, एपीके फाइल से दूरी बनाए रखने की अपील की गई है।

हिन्दी दैनिक बालाघाट एक्सप्रेस में रिपोर्टर्स और डिप्टी एडिटर्स को अवसर

संपादकीय टीम और
न्यूज रूम में
हम भर्ती कर रहे हैं !!
हमारी टीम में शामिल हों !!

हिन्दी दैनिक बालाघाट एक्सप्रेस को ऐसे उप-संपादकों, सिटी रिपोर्टरों (सिटी डेस्क) की तलाश है जो समाचारों के प्रति जुनूनी हों और बुनियादी बातों से आगे बढ़कर मूल्यवर्धन करना जानते हों। हिन्दी भाषा का ज्ञान हो, किताबों में रूचि हो और तथ्यों को खबरों में बदलना आता हो !! ना भी आता हो तो भी ! हद दर्जे का जिज्ञासु होना जरूरी है !!

हम चाहते हैं-
हिन्दी समाचार लेखन में दक्षता और अपने समाचारों के फोटो वीडियो बनाने की क्षमता
समाचार के मूल्य, शीर्षकों और प्रस्तुति की गहरी समझ
रिपोर्टिंग और डिज़ाइन टीमों के साथ सुचारू रूप से समन्वय करने की क्षमता
यदि आप एक रचनात्मक और जिम्मेदार पत्रकार हैं या पत्रकारिता में आना चाहते हैं और सार्थक शहरी कहानियों, खबरों, हलचलों,घटनाओं, को आकार देना चाहते हैं, तो हमें आपसे संपर्क करने में खुशी होगी।
आप हमारी टीम का हिस्सा बन सकते हैं !
अपना रिज्यूमे इस पते पर भेजें
[balaghatexpress@gmail.com]
स्थान-बालाघाट एक्सप्रेस, काली पुतली चौक,बालाघाट

घरेलू गैस सिलेंडर अवैध उपयोग पर बड़ी कार्रवाई, 13 रेस्टारेंट एवं चाय ठेलो से 23 सिलेंडर जब्त

पद्मेश न्यूज ।बालाघाट। कलेक्टर मृणाल मीना के निर्देश पर जिले में घरेलू गैस सिलेंडरों के अवैध उपयोग पर सख्त कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में शनिवार, 19 नवंबर 2025 को खाद्य विभाग द्वारा तहसील किरनापुर के विभिन्न प्रतिष्ठानों पर संयुक्त टीम के साथ दबिश दी गई। टीम ने कुल 13 प्रतिष्ठानों से 23 घरेलू गैस सिलेंडर जब्त किए।

खाद्य विभाग के जिला आपूर्ति आर के ठाकुर ने बताया कि कनिष्ठ आपूर्ति अधिकारी पहल सिंह वलाड़ी, आकाश श्रीवास्तव एवं मिलन तिवारी के नेतृत्व में की गई इस कार्रवाई में तहसीलदार किरनापुर/हिर्री के सहयोग से होटल, रेस्टोरेंट और चाय-नाश्ते के ठेलों पर घरेलू गैस सिलेंडरों के दुरुपयोग की जांच की गई। जाँच के दौरान पाया गया कि कई प्रतिष्ठानों में घरेलू रसोई गैस सिलेंडर का व्यावसायिक उपयोग किया जा रहा था, जो एक्ट एवं गैस नियंत्रण आदेश 2000 तथा आवश्यक वस्तु अधिनियम 1955 के प्रावधानों का उल्लंघन है।

जांच के दौरान जिन प्रतिष्ठानों से सिलेंडर जब्त किए गए उनमें बाके बिहारी फूड कोर्ट, तरुण होटल, चैन की चाय, किंग राहुल साउथ इंडियन फास्ट फूड, सेवक होटल, बाबा होटल, बम्बूरे होटल, माँ शारदा होटल, जे.पी. भोजनालय, खुशबू होटल, ओम्मो कैफ़े, मुगलई चिकन बिरयानी सहित अन्य शामिल हैं।

खाद्य विभाग ने स्पष्ट किया कि घरेलू गैस सिलेंडरों का व्यावसायिक उपयोग पूर्ण रूप से प्रतिबंधित है। ऐसे मामलों में दोषियों के विरुद्ध प्रकरण तैयार कर आगे कार्रवाई की जाएगी।

इस अभियान में खाद्य विभाग की टीम, स्थानीय प्रशासन एवं पुलिस विभाग का संयुक्त सहयोग रहा। प्रशासन ने व्यापारी वर्ग से अपील की है कि वे नियमों का पालन करें, अन्यथा भविष्य में भी इसी प्रकार की कठोर कार्रवाई जारी रहेगी।

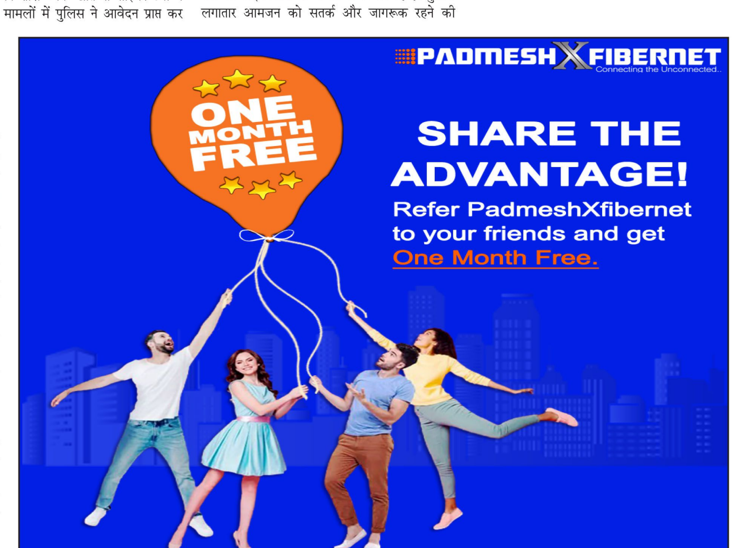

पैसा ठीक होने के बाद देना
शादी से पहले एवं शादी के बाद
उम्र की अधिकता से कमजोर सेक्स, शीघ्रपतन, स्वप्नदोष, लिंग का छोटापन, टेडापन, निःसंतान, शुक्राणुओं की कमी, शुगर से आयी कमजोरी आदि सभी सेक्स समस्याओं का शर्तिया ईलाज किया जाता है।
पता-जगजीवन आयुर्वेदिक दवाखाना
गुरूनानक पेट्रोल पंप के सामने समाजवाड़ी रोड, बालाघाट, मो. 9243880464

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक उमेश बागरेचा द्वारा पद्मेश पब्लिकेशन, वार्ड नं.9, गुजरी चौक, बालाघाट (म.प्र.) से मुद्रित कराकर दैनिक बालाघाट एक्सप्रेस कार्यालय, काली पुतली चौक, बालाघाट(म.प्र.) से प्रकाशित, **प्रधान संपादक : उमेश बागरेचा**, मो.नं. :9425138710,
स्थानीय संपादक : डॉ. विपिन बिहारी शांडिल्य, ई-मेल- balaghatexpress@gmail.com पंजीयन क्रं. M P /HIN/2009/32311 , न्यायालयीन क्षेत्राधिकार बालाघाट